

6 40

नई दिल्ली, शनिवार, अक्तूबर 4, 1980 (आश्वन 12, 1902)

401

NEW DELHI, SATURDAY, OCTOBER 4, 1980 (ASVINA 12, 1902)

इस भाग में भित्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग 111--खबड 1

PART III—SECTION 1

न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखावरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संस्थन और अधीन कार्यालयों द्वारा कारी की गई अधिसूचनाएं cations issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union liblic Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India

गृह मंत्रालय

गाँमिक और प्रणासनिक सुधार विभाग

प्रजाहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन स्रकादमी

समूरी, दिनांक 10 सिनम्बर 1980

मं० 2/5/78-ई०एस०टी०--श्री बी० डी० त्यागी निदेशक के निजी सचिय को पूर्णतः नदर्थ रूप गे दिनांक 6-9-80 पूर्वाह्न में एक वर्ष या स्थाई प्रबन्ध होने तक, जो भी पूर्व हो, लाल वहाबुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन श्रकादमी, मसूरी में उप प्रशासन श्रकादमी, मसूरी में उप प्रशासन श्रिकारी के पद पर, वेननमान २० 840-40-1000-द० रो० 40-1200 में नियुक्त किया जाता है।

मं० 2/17/28-र्व० एस० टी०---श्री एस० धी० गागकसाइ, पी० टी० भाई० लास बहादुर मास्त्री नाप्ट्रीस प्रशासन अकादमी, मसूरी, को पूर्णन नदर्थ रूप से दिनांक 6-9-30 (अपराह्म) से 1--266 GI/80 (10627)

एक वर्ष या स्थाई प्रबन्ध होने नक, जो भी पूर्व हो, सहायक प्रशासन ग्रिधकारी के पद पर वेननमान ६० 650-30-710-35-880-द० रो०-40-960 में नियुक्त किया जाता है।

> के० रंगराजन उप निदेशक (बरिष्ट)

नेन्द्रीय भ्रन्वेषण ब्यूरो नई दिल्ली, दिनांक 8 सितम्बर 1980

सं० ए-6/71-प्रणासन-5—निदेणक, केन्द्रीय श्रन्वेषण न्य्रो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विणेग पुलिस स्थापना, श्रपने प्रसाद से श्री ए० डब्ल्यू० डेगवेकर, पुलिस उप-प्रधीक्षक, केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरो को प्रतिनियुक्ति पर कर्म चारी भविष्य निधि संगठन बम्बर्ट में उप-निदेणक (सतर्कता) के रूप से कार्यभार ग्रहण करने हेन् विनांक 11-8-1980 के पूर्वाह्म में कार्यभार मुक्त करते हैं। सं० ए-47/65-प्रशासन—5—निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्र्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, अपने प्रसाद से श्री स्वर्ण सिंह, पुलिस उप अधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्र्यूरो को प्रतिनियुक्ति पर भारतीय पर्यटन विकास निगम में सुरक्षा अधिकारी के रूप में कार्यभार प्रहुण करने हेतु विनाक 5-8-1980 के अपराह्म में कार्यभार मुक्त करते हैं।

सं० ए-19021/2/77-प्रशासन-5--प्रत्यावर्तन हो जाने पर, श्री के० ए० जैनव, भारतीय पुलिस सेवा (बिहार:1964), पुलिस मधीक्षक, केन्द्रीय मन्वेषण ब्यूरो/विशेष पुलिस स्थापना की सेवाएं दिनांक 16-8-1980 (मपराह्म) से बिहार सरकार को वापस सोंपी जाती है।

सं० ए-19036/3/78-प्रशासन-5--प्रितिनियुक्ति की अविध समाप्त हो जाने पर, श्री एम० रामामूर्ति, पुलिस उप अधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण अपूरो, सी० आई० यू० (सुपुरावणेष) की सेवाएं दिनांक 13-6-80 के पूर्वाह्न से आंध्र प्रदेण सरकार को वापस सोंप दी गई हैं।

सं० ए-19021/6/80-प्रशासन-5---राष्ट्रपति भ्रपने प्रसाद से श्री जी० झा, भारतीय पुलिस सेवा (1967: उत्तर प्रदेश) को दिनांक 22-8-1980 (पूर्वाह्म) से भ्रगले भ्रादेश तक के लिए प्रतिनियुक्ति के भ्राधार पर, पुलिस भ्रधीक्षक, केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यारों के रूप में नियुक्त करते हैं।

> की ० ला० ग्रोवर, प्रशासनिक ग्रधिकारी (स्था०) केन्दीय अन्वेषण ब्यूरो

महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल नई दिल्ली, दिनांक 15 सितम्बर 1980

सं० ग्रो०दो 963/72-स्थापना—श्री के० जी० सी० के० रेड्डी, उप पुलिस ग्रिक्षिक के० रि० पु० बल, की सेवाएं पुलिस कम्पयूटर विंग, करनीटका सरकार, बंगलोर में प्रतिनियुक्ति पर जाने के फलस्वरूप, करनीटका सरकार को 14-6-80 (ग्रपराह्म) को निवित्ति की जाती है।

सं भो०-II-663/77-स्वापना—श्री जी० बी० राय ने सरकारी सेवा से निवृत होने के फलस्वरूप उप पुलिस श्रिधिक्षक के रि० ९० बल के पद का कार्यभार 31-8-80 (श्रपराह्म) को त्याग दिया।

सं श्री बो-1088/73-स्थापना—श्री टी० पी० मिश्रा ने सरकारी सेलवा से निवृत होने के फलस्वरूप उप पुलिस सिक्षक कै० रि० पु० बल के पद का कार्यभार 31-8-80 (ग्रपराह्म)

को स्थान विवा Division OD

Acc. No.

के० मार् के० प्रसाद, सहायक निवेधक प्रशासन

Date of

Coll No.

Processed

Ches know

Date of Transfer

महानिरीक्षक का कायलिय

केन्द्रीय भीष्ठोगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली, दिनांक 14 सितम्बर, 1980

सं० ई०-38013(3)/9/80-कार्मिक--ऋषिकेश को स्थानां-तरित होने पर श्री बा० एन० खन्ना ने 29 जुलाई, 1980 के धपरा हा से के० श्री० सु० ब० मुख्यालय, नई दिल्ली के सहायक कमांडेंट पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ई०-38013/3(3)/9/80-कार्मिक—हरिद्वार को स्थानांतरित होने पर श्री ग्रो० पी० भसीन ने 5 ग्रगस्त, 1980 के भ्रपराह्म से के० ग्रो० सु० व० यूनिट ए० एल० ग्राई० एम० सी० ग्रो०, कानपुर के सहायक कमांडेंट के पक्ष का कार्यभार छोड़ विया

गोरखपुर से स्थानांतरित होने पर श्री पी० म्रार० भुट्टन ने 7 म्रान्त, 1980 के पूर्वाह्न से के० श्री० मु० व० यूनिए ए० एल० माई० एम० सी० म्री०, कानपुर के सहायक कमांडेंट के पव का कार्यभार सम्भास लिया।

सं० ई०-38013/(3)/9/80-कार्मिक — ऋषिकेश से स्थानांतरित होने पर श्री एन० सी० सूद ने श्री ग्रजीत सिंह के स्थान पर 11 ग्रगस्त, 1980 के ग्रपराह्म से के० ग्री० सु० ब० यूनिट एस०ए०सी०, ग्रहमदाबाद के सहायक कमाडिंट के पद का कार्यभार संभाल लिया श्रीर श्री ग्रजीत सिंह सहायक कमाडिंट ने पन्ना को स्थानांतरित होने पर उक्त पद का कार्यभार उसी तारीख से छोड दिया।

सं० ई०-38013/(3)/9/80-कार्मिक—टूटीकोरिन से स्थानांतरित होने पर श्री पी० पी० जॉन श्रलैंक्स ने 28 जुलाई, 1980 के पूर्वाह्म से के० औ० सु० ब० यूनिट, एस० एच० ए० ग्रार० सेंटर श्री दारीकोटा रेज (ए० पी०) के सहायक कर्माडेंट के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० ई०-38013(3)/9/80-कार्मिक—कोचीन को स्थाई-नांतरित होने पर श्री के० एल० लुके ने 22 जुलाई, 1980 के ग्रपराह्म से के० ग्रो० सु० ब० यूनिष्ट, बी० पी० टी० विशाखापटनम के सहायक कमांडिंट के पद का कार्यभार छोड़ विया।

सं० ६०-38013(3)/9/80-कार्मिक—मत्रास से स्था-नांतरित होने पर श्री टी० पी० बालाकुष्णन् नाम्बियार ने 11 जुलाई, 1980 के पूर्वाह्म से के० श्री० सु० ब० यूनिट, न्यू मंगलीर पोर्ट के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार संभाल लिया।

दिनांक 12 सितम्बर, 1980

सं० ई०-38015(1)/2/77-कार्मिक पुर्नीनमुक्ति की सर्वाध समाप्त होने पर श्री एम० वेनूगोपाल ने 30 जून, 1980 के अपराह्म से के० श्री० मु० ब० यूनिट, श्राई० एस० श्रार० श्रो० सुम्बा के कमांडेंट के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ६०-38 013(2)/1/8 0-कार्मिक—दुर्गापुर से स्था-नांतरित होने पर श्री बनार सिंह भा० पु० वे० (हिमाचल प्रदेश: 67) ने 28 जुलाई, 1980 के पूर्वाह्न से के० श्रौ० सु० ब० यूनिष्ट एन० एफ० एस०, नयानांगल के कमांडेंष्ट के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० ई०-38013(3)/1/79-कार्मिक— सलेम को स्थानांत-रित होने पर श्री भार० पी० पिल्लइ ने 20 जुलाई, 1980 के भ्रपराह्म से के० भ्रौ० सु० ब०यूनिट, श्राई० एस० भ्रार० भ्रो० थुम्बा के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ई०-38013(3)/9/80-कार्मिक—- डिघाघाट से स्थानांतरित होने पर श्री एस० एल० प्रसाद ने 30 जुलाई, 1980 के पूर्वाह्न से के० ग्री० सु० ब० यूनिट, डी० एस० पी० दुर्गापुर के सहायक कमांडेट के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० ई०-38013(3)/9/80-कार्मिक—-धुम्बा से स्थानांत-रित होने पर श्री एस० एम० सैनी ने 27 जुलाई, 1980 के पूर्वाह्म से के० श्री० सु० ब० यूनिट, बी० पी० टी० विशाखापटनम के सहायभ कमांडेंट के पद का कार्यभार संभाल खिया।

> (ह०) अपठनीय महानिरीक्षक

भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नईदिल्ली-110011,दिनांक 10 सितम्बर 1980

सं० 11/98/79-प्रशा०-I—-राष्ट्रपति, अण्डमान व निकोबार द्वीप समूह प्रशासन के मुख्य सिचव श्री बी० के० सिंह को अण्डमान निकोबार द्वीप समूह, पोर्ट ब्लेयर में जनगणना कार्य निदेशालय में तारीख 22 जुलाई, 1980 के पूर्वाह्न से, ग्रगले भ्रादेशों तक, पदेन जनगणना कार्य निदेशक के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. श्री सिंह का मुख्यालय पोर्ट ब्लेयर में होगा।

दिनांक 12 सितम्बर 1980

सं० 11/29/80-प्रणा०-I—-राष्ट्रपति, उड़ीसा प्रणासनिक सैनिक सेवा के ग्रधिकारी श्रीपृणं चन्द्र रौय को उड़ीसा, कटक में जनगणना कार्य निदेशालय में तारीख 20 ग्रगरत, 1980 के पूर्वाह्म से श्रगले श्रावेशों तक, प्रतिनियुक्त पर स्थानान्तरण द्वारा उप निदेशक, जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री रौय का मुख्यालय बरहामपुर में होगा।

पी० पद्मनाभ भारत के महापंजीकार विप्त मंद्रालय

(भ्राचिक कार्य विभाग)

बैंक नोट मुद्रणालय

देवास, दिनांक 7 सितम्बर 1980

नस्ती क्रमांक बी० एन० पी०/सी०/5/80— प्रस्नोहस्ताक्षर-कर्ता निम्नलिखित स्थायी कनिष्ठ पर्यवेक्षकों को तवर्थ म्राधार पर तकनीकी मिक्षकारी मुद्रण एवं प्लेट निर्माण के पद पर रुपये 650-30-740-35-810 दरो० 35-880-40-1000 द०रो० 40-1200 (समूह ''ख'' राजपित्रत) के बेतनमान में बैंक नोट मुद्राणालय, देवास में उनके नाम के सम्मुख दर्शाई गई तिथियों से तीन माह के लिये या पद के नियमित रूप से भरे जाने तक जो भी पहले हो सहर्ष नियुक्त करते हैं।

1. श्री ए० डी० देशपाण्डे

28-8-80

2. श्री एस० के० सुक्ला

31-8-80

इस तदर्थ नियोजन से नियुक्तियों को इस पद पर बने रहने अथवा नियमित नियुक्ति के लिये कोई भोगाधिकार प्राप्त नहीं होंगें। यह तदर्थ नियुक्ति किसी भी समय बिना कोई कारण बताये समाप्त की जा सकती है।

विभागीय पदोन्नति समिति द्वारा लिये गये निर्णयानुसार उनके नाम को गुणानुकम में दशिया गया है।

> मु० बै० चार उप महाप्रबन्धक

भारत सरकार टकसाल

कलकत्ता-88, दिनांक 3 सितम्बर 1980

सं० पी० 92/80—भारत सरकार टरसाल, कलीपुर, कलकता ने स्थायी उप-लेखाकार श्री विलोचन चटर्जी को इस टकसाल के बुलियन रिजस्ट्रार के पद पर स्थानापन्न रूप में वेतन नियमानुसार राशि 640-40-1000-ई० बी०-40-1200 रुपये के वेतनमान में दिनांक 5-9-1980 से 7-10-1980 की अवधि तक के लिए नियुक्त किया जाता है। यह नियुक्त इसी टकसाल के स्थायी बुलियन रिजस्ट्रार श्री आर० एत० नियोगी के उक्त अवधि के लिए छुट्टी लेने के कारण उनके रिक्त पद पर की गई है।

एव० एम० गुप्ता टकसाल प्रविकर्ता भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा विभाग

भारत के नियंत्रक महालेखापरीक्षा का कार्यालय नई दिल्ली-110002, दिनांक 15 सितम्बर 1980

सं० 2248/सी० ए० I /384/67—सदस्य, लेखापरीक्षा बोर्ड तथा पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा (कोयला) कलक्रमां के कार्यालय में कार्यरत श्री ए० के० दत्ता लेखापरीक्षा ग्रिधिकारी (वाणिज्यिक) ग्रिपनी ग्रिधिवर्षिता श्रायु प्राप्त करने पर दिनांक 31-8-80 (अपराह्म) से सरकारी सेवा से मेवा निर्वेत्त हो गये।

सं० 2251/सी० ए० I/25-70—सदस्य, लेखापरीक्षा बोर्ड तथा पदेन निदेशक, वाणिज्यिक लेखापरीक्षा (कोयला) कलकत्ता के कार्यालय में कार्यरतश्री ए० के० दत्ता, लेखापरीक्षा श्रधिकारी (वाणिज्यिक) श्रपनी श्रधिविधिता श्रामु प्राप्त करने पर दिनांक 31-8-1980 (श्रपराह्म) से सरकारी सेवा में सेवा निवृत्त हो गर्ये।

> हरबंस लाल दानी संयुक्त निदेशक (वाणिज्यिक)

महालेखाकार का कार्यालय, आंध्र प्रदेश हैद्राबाद 11, दिनांक 11 सितम्बर 1980

सं० प्रणा० 1/8132/80-81/213—श्री सि० बि० श्रीनिवासन लेखा **मिक्ला**री, महालेखाकार कार्यालय ग्रांधा प्रदेश I सेवा से निव्श हुए दि 31-8-1980 श्रपराह्न।

सं० प्रशा० I/8-132/80-81/213—श्री पी० शेषादि लेखा श्रिधकारी, महालेखाकार कार्यालय ग्रांध्र प्रदेश II सेवा से निवृत्त हुए दि० 31-8-80 श्रपराह्म।

सं० प्रणा० I/8-132/80-81/213--श्री टि० वि० भिद्रिराजु लेखा श्रधिकारी, महालेखाकार कार्यालय श्रांध्र प्रदेण <math>I सेवा से निवृत्त हुए दिनांक 31-8-80 श्रपराह्न।

रा० हरिहरन. वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्र०)

महालेखाकार का कार्यालय,जम्मू व कश्मीर श्रीनगर, दिनांक 8 सितम्बर 1980

सं० प्रणा० I/60 (Gen) 80-81/2503-9—महा-लेखाकार, जम्मू व कश्मीर ने (ग्रगले श्रादेण दिये जाने तक) 29 ग्रगस्त 1980 (पू०) से निम्नलिखित स्थाई ग्रनुभाग ग्रिधकारियों को स्थानापन्न लेखा श्रिधकारी के रूप में प्रोन्नत किया है।

- 1. श्री बद्रीनारायण रैणा
- 2. श्री गुलाम ग्रहमद बानी
- 3. श्री गिरधारी लाल खाणू

हर प्रसाद दास वरिष्ठ उपमहालेखाकार (प्र०एं**व ग्र**०)

महालेखाकार का कार्यालय केरल

तिक्वनन्तपूरम, दिनांक 2 सितम्बर 1980

सं० स्थापना प्र०/9-86/खण्ड 2/99—श्री टी० के० आटी, ग्रनुभाग ग्रधिकारी (लेखा श्रीर लेखापरीक्षा) को 30 ग्रगस्त 1980 पूर्वाह्न से श्रगले ग्रादेशों तक लेखा ग्रधिकारी के रूप में स्थानापन्न होन हेसु नियुक्त करन के लिए महालेखाकार, केरल संतुष्ट दुए हैं।

> डी० शिवरामकृष्णन वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशासन)

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय, रक्षा लेखा महानियंत्रक,

नई दिल्ली-110022, दिनांक 10 सितम्बर 1980

मं० 18410 प्रकार - I - - 58 वर्ष की म्रायु प्राप्त कर लेने पर, श्री पदम कुमार जैन, रक्षा लेखा सहायक निर्धत्नक को दिनांक 31-3-1981 (ग्रपराह्न) से पेंगन स्थानापना को ग्रन्तरित कर दिया जाएगा भीर तदनुशार वे 31-3-1981 (ग्रपराह्न) से रक्षा लेखा विभाग के संख्याद्वल पर नहीं रहेंगे।

> ंग्रार० एल० बरुगी) रक्षा लेखा ग्रपर महानियंत्रक (प्रणा०)

रक्षा मंत्रालय

डी० जी० ग्रो० एफ० मुख्यालय सिनिल सेवा

आर्डनेन्स फैक्टरी बोर्ड

कलकत्ताः, दिनांक 3 सितम्बर 1980

सं० 21/80/ए०/ई०-1 (एनजी) — महानिदेशक प्रार्डनेन्स फैक्टरियां महोदय निम्नलिखित व्यक्तियों को उनके सामने दर्शाए ग्रेड में ग्रोर तारीखों से टी० एस० श्रो० की वर्तमान रिक्तियों में स्थानापन्न रूप से प्रोधन करते हैं:---

- 1 श्री हीरेन्द्र नाथ घोष सहायक स्टाफ दिनांक 20-8-80 स्थायी सहायक अफसर (तदर्थ) से आगामी आदेश न होने तक।
- 2 श्री योगिन्दर नाथ सहायक स्टाफ दिनांक 20-8-80 गोस्वामी स्थायी श्रफसर (तदर्थ) से आगामी सहायक आदेश न होने तक।

सर्वश्री घोष एवं गोस्वामी सहायक स्टाफ ग्रफसर के पद का उच्चतर कार्यभार दिनांक 20-8-80 से ग्रहण किया।

> डी० पी० चक्रवर्ती ए० डी० जी० स्रो० एफ/प्रशा० कृते महानिदेशक, आर्डनेन्स फैक्टरियां

भारतीय आर्डनेन्स फैक्टरियां सेवा कलकत्ता, दिनांक 29 अगस्त 1980

सं० 58/जी०/80---राष्ट्रपति महोदय निम्नलिखित ग्राफसरो को, स्थानापन्न महाप्रबन्धक सेलेक्शन ग्रेंड बी० डी० जी० ग्रो० एफ० स्तर-II के पद पर, उनके सामने दर्शायी गई तारीख से, आगामी आदेश होने तक, नियुक्त करते हैं:--

- 1. श्री ए० पी० भट्टाचार्या स्थानापन्न ए० डी० जी० म्रो० एफ०/ग्रेड 1 31 जुलाई 1980
- 2. श्री के०पी० आर०पिल्ले,स्थानापन्न महाप्रबन्धक/ग्रेड-१ 31 जुलाई 1980
- अी० एस० श्रीनिवासन, स्थानापन्ना
 महाप्रबन्धक/प्रेड-1 31 जुलाई 1980
 (निकट्नम परवर्ती नियम के श्रन्तर्गत)
- 4. श्री जे॰ डब्ल्यू॰ कावायेकर, स्थानापन्न महाप्रबन्धक/ग्रेड-1 31 जुलाई 1980
- श्री डी० आर० श्रय्यर, स्थानापन्न निदेशक,
 31 जुलाई 1980
- 6. श्री बी० एम० भण्डारकर, स्थानापन्न महाप्रवन्धक/ग्रेड-1 31 जुलाई 1980
- श्री एन० बालाकृष्णन, स्थानापन्न
 महाप्रबन्धक/ग्रेड-1 31 जुलाई 1980
- श्री बी० एन० भिदे, स्थानापन्न महाप्रचन्धक/ग्रेड-1 31 जुलाई 1980

- 9. श्री एन० एम० पटेल, स्थानापन्न ए० डी० जी० श्रो० एफ०/ग्रेड-1 31 जुलाई 1980
- 10. श्री बी० बी० घोष, स्थानापन्न महा-प्रबन्धक/ग्रेड-1 31 जुलाई 1980
- 11. श्री पी० के० बनर्जी, स्थानापन्न महाप्रबन्धक/पेड-1 31 जुलाई 1980
- 12. श्री आर० एस० जयसवाल, स्थानापन्न महाप्रबन्धक /ग्रेड-1 31 जुलाई 1980
- श्री के० डी० कालिया, स्थानापन्न महा प्रबन्धक/ग्रेड-1
 20 अगस्त 1980
- 14. श्री आर० के० मिल्ल, स्थानापन्न ए० डी० जी० स्रो० एफ०/ग्रेड-1 25 अगस्त 1980

मं० 59/जी० /80---राष्ट्रपति महोदय, निम्नलिखित अफमर को, स्थानापन्न ए० डी० जी० श्रो० एफ०/ग्रेड-1 के पट पर उनके सामने दर्शायी गई तारीख से, आगामी आदेश न होने तक निमुक्त करते हैं:--

श्री डी० एन० विज्ञावन, स्थायी एडीजीओएफ/ग्रेड-II 27 जून 1980

सं० 60/जी०/80—राष्ट्रपति महोदय, निम्नलिखित अफ्तमरों को, स्थानापन्न प्रबन्धक/वरिष्ठ एडी० जी० स्रो० एफ० के पद पर, उनके सामने दर्शायी गई तारीख से, आगामी स्रादेश न होने तक, नियुक्त करते हैं:—

- 1. श्री टी॰ रामाकृष्ण, स्थायी उप-प्रबन्धक 1 अप्रैल 1980
- 2. श्री पी० रामाहया,स्थायी उप-प्रबन्धक 1 अप्रैल 1980
- 3. श्री के० सी० मिकका, स्थायी उप-प्रबन्धक 1 अप्रैल 1980
- 4. श्री पी० एम० देशपान्डे, उप-प्रवन्धक 1 अप्रैल 1980
- 5. श्री एस० एन० तिवारी, स्थायी उप-प्रचन्धक 1 अप्रैल 1980
- 6. श्री डी० पी० दाम, स्थायी उप-प्रबन्धक 1 अप्रैल 1980
- 7. श्री बी० बी० वर्मा, स्थायी उप-प्रबन्धक 1 अप्रैल 1980
- श्री सी० आर० जैन, स्थायी
 उप-प्रबन्धक 15 मई 1980
- 9. श्री पी० एस० सोंधी, स्पायी उप-प्रबन्धक 16 जून 1980
- 10. श्री के० सी० श्रीखंडे, स्थायी उप-प्रवन्धक 16 जून 1980
- 11. श्री जी० श्राई० वेलिङ् मटन, स्थायी उप-प्रबन्धक 16 जून 1980

13. श्री पी० के० दास, सहायक प्रवत्धक

(परकाविधि)

12. श्री टी० एस० रामालिङ्गम, स्थायी	14. श्री श्रार० एस० पुरी, सहायक प्रवन्धक
उप-प्रबन्धक 31 जुलाई 1980	(परखावधि) 30 जून 1980
13. श्री एन० एम० अगरवाल, स्थानापन्न	15. श्रो ए० बन्दोपाध्याम, सहायक
एस॰ ग्रो॰/ग्रेड-1 31 जुलाई 1980	प्रन्बन्क (परस्वावधि) 30 जून 1980
14. श्री प्रेम नारायण, स्थानापम उप-	16. श्री बी० जी० स्वामी, स्थानापन्न
प्रजन्धक 31 जुलाई 1980	सहायक प्रबन्धकः 30 जून 1980
15. श्री बी० के० राक्य, स्थानापम उप-	17. श्री पी०टो० कटरे, स्थानापन्न सहायक
प्रबन्धक 31 जुलाई 1980	प्रन्बधक 30 जून 1980
16. श्री प्यारे लाल, स्थानापम्न उप-	18. श्रो पी० ए० देव, सहायक प्रबन्धक
प्रबन्धक 31 जुलाई 1980	(परखावधि) 30 जून 1 98 0
•	19. श्रो श्रार० ए० श्रजोज, सहायक प्रबन्धक
17. श्री भ्रो० पी० कालरा, स्थानापन्न उप-प्रवन्धक 4 श्रगस्त 1980	(परखावधि) 30 जून 1980
	20. श्री प्रार० गुरुपरान, सहायक प्रबन्धक
सं० 61/जी०/80राष्ट्रपति महोदय, निम्नलिखित	(परखावधि) 30 जून 1980
ग्रफसरों को, स्थानापन्न उप-प्रवन्धक/डी० ए० डी० जी०	21. भी एन० पी० बिस्वास, सहायक प्रबन्धक
भ्रो० एफ० के पद पर उनके सामने टर्भायी गई लारीख से,	(परखावधि) 30 जून 1980
आगामी आदेश न होने तक नियुक्त करते हैं:	22. श्री एन० कृष्णामूर्ति, स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक 30 जून 1980
1. श्री सुधेन्दु दास, सहायक प्रथम्बक	23. श्री श्रार० के० दीक्षित, सहायक प्रबन्धक
(परखावधि) 30 जून 1980	(परखावधि) 9 श्रगस्त 1980
 श्री एन० कोथान्दापणी, सहायक प्रबन्धक 	24. श्री बी० के० कंसल, सहायक प्रबन्धक
(परखाविध) 30 जून 1980	परवानधि) 9 अगस्त 1980
3. श्री बी० के० सी० संघी, सहायक	25. श्री महेश कुमार, सहायक प्रबन्धक
प्रबन्धक (परखाविष्ट) 30 जून 1980	(परवावधि) 9 भगस्त 1980
 श्री राजीन्द्र कुमार जैन, सहायक प्रवन्धक 	26. श्री एम० के० कौल, सहायक प्रबन्धक
(परखावधि) 30 जून 1980	(परखावधि) 9 श्र स्त 1980
5 श्री एम० एस० ফু৹णमूर्ति, सहायक प्रजन्धक	27. श्री एम० के० चक्रवर्ती, सहायक
(परखानधि) 30 जून 1980	प्रबन्धक (परखावधि) 9 ग्रगस्त 1980
 6. श्री बी० येसु, सहायक प्रचन्धक	28. श्री बीं० के० दे, सहायक प्रबन्धक
(परकावधि) 30 जूस 1980	(परखावधि) 9 भ्रगस्त 1980
	29. श्री ए०के० गांगुली, सहायक प्रबन्धक
7. श्री बी०के० तियारी, सहायक प्रवन्धक (परखाविधि) 30 जन 1980	(परखावधि) 9 श्रगस्त 1980
	30. श्री भार ्पी० भ हुजा, स हाय क प्रबन्धक
8. श्री एम० जी० अवस्थी, सहायक प्रबन्धक	(परवावधि) 9 श्रगस्त 19(0
(परखावधि) 30 जून 1980	
 श्री के० के० रस्तोगी, सहायक प्रवन्धक 	बी० के० मेहुता सहायक महानिदेशक, श्रार्श्वनेन्स फैक्टरियां
(परखायिध) 30 जून 1980	तिहु।पमः नहानवशामः, आङ्गलः भवटार्या
10. श्री एच०एम० सिंह, सहायक प्रवन्धक	
(परखानिध) 30 जून 1980	
।।. श्री एस० के० बत्ता, सहायक प्रश्नन्धक	वाणिज्य मंत्रालय
(परखाबधि) 30 जून 1980	हथकर चा वि कास भ्रायुक्त कार्यालय
K	•
12, एस० एस० पाल, सहायक प्रवन्धक (परवायिध) 30 जून 1980	नई दिल्ली, दिनांक 29 श्रगस् त 1980
(परसायाध) 30 जून 1980	Ho No-12025 (1)/2/00 200000 (m)

30 जून 1980

सं० ए.०-12025 (1)/3/80-व्यवस्था (क) — राष्ट्रपति, श्री श्ररुण कुमार जयसवाल की 18 जून, 1980 के पूर्वीक्षन से आगामी श्रादेशों तक के लिये बुनकर सेवा केन्द्र, पानीपत में सहायक निदेशक ग्रेंड 1 (डिजायन) के पद पर नियुक्त करसे हैं।

एन० पी० शेषाद्री संयुक्त विकास ध्रायुक्त (हथकरचा)

काण्डला मुक्त व्यापार क्षेत्र प्रशासन गांधी धाम (कच्छ), दिनां रु 10 सितम्बर 1980

मं० एफ० टी० जेड/प्रशासन/7/2/80-81--- प्रिधवार्षिकी ग्रायु हो जाने पर, श्री जे० पी० पगार, केन्द्रीय उःपादक णुल्क और मीमा शुरूक श्रध्यक्ष, श्रहमदाबाद जो महायक ममाहर्ती की प्रतिनियुक्ति पर काण्डला मुक्त त्यापार क्षेत्र में कार्य करते थे वे 30-8-1980 में श्रपराक्ष्त से महायक समाहर्ती के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

निरंजन सिह विकास श्रायुक्त काण्डला मुक्त व्यापार क्षेत्र

इस्पात ग्रीर खान मंत्रालय (खान विभाग) भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 6 सितम्बर 1980

मं० 6566 बी०/ए० 32013 (ए० प्रो०/78-8019 ए--भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के श्रधीक्षट श्री परिमल मुखर्जी को प्रणामनिक श्रधिकारी के रूप में उसी विभाग में बेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, अस्थाई क्षमता में, आगामी आदेग होने तक 14-8-1980 पूर्वीह्न से पदोष्ठात पर नियुक्त किया जा रहा है।

दिनांक सितम्बर् 1980

मं० 6742 बी०/ए०-19012 (लागत लेखापाल-डी० के० एस०)/80-19ए०--भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के लागत लेखापाल (तदर्थ) श्री दीशीप कुमार सेन को लागत लेखापाल के रूप में उमी विभाग में वेतन नियमानुमार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000 द० रो०-40-1200 र० के वेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में, आगामा आदेश होने तक 2 जुलाई, 1980 के प्रपराह्म में नियुक्त किया जा रहा है।

वो॰ एस॰ कृष्णस्वामी महा निदेशक

भारतीय खान ब्यूरो नागपुर, दिनांक 6 मितम्बर 1980

सं० ए०-19012 (121) 80-स्था० ए०--संघ लोक भेवा श्रायोग की सिफारिश पर डॉ० कोटा सूर्यानारायण मृति को विनांक 4 श्रगस्त 1980 के पूर्वाहन से भारतीय खान ब्यूरो में स्थानापन्न रूप में सहायक रसायनविद् के पद पर नियुक्ति प्रदान करते हैं।

सं० ए०-19011 (269) 80-स्था० ए०--संघ लोक सेवा ग्रायोग की सिफारिश पर राष्ट्रपति श्री सस्येन्द्र प्रकाश गोयल को दिनांक 8 ग्रगस्त 1980 के पूर्वाह्म से भारत य खान ब्यूरो में स्थानापन्न रूप में सहायक खान नियंत्रक के पद पर सहर्ष नियुक्ति प्रदान करते हैं।

> एस० वी० भ्रली कार्यालय ग्रध्यक्ष भारतीय खान ब्यूरो

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 6 सिप्तम्बर 1980

सं० ए० 1909/27/79 के० स० स्वा० यो०-I--स्वास्थ्य मेवा महानिदेशक ने कॉ० श्रीमिति विजय लक्ष्मी को केर्न्द्राय मरकार स्वास्थ्य योजना में 9-11-1979 पूर्वाह्न से ग्रस्थाई ग्राधार पर आयुर्वेदिक फिजिशियन के पद पर नियुक्त किया है।

एन० एन० घोष उप निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 10 सितम्बर 1980

सं० ए० 12026/13/79 (रा० म० लो० ग्र०) प्रशासन-I—राष्ट्रपति ने लेडी हार्डिंग मेडिकल कालेज तथा श्रीमती सुचेता कृपलानी ग्रस्पताल, नई दिल्ली के कनिष्ठ बायोर्केमिस्ट डॉ० एन० एम० कालराह को 12 ग्रगस्त, 1980 की ग्रपराह्म में ग्रागामी ग्रादेशों तक डा० राम मनोहर लोहिया ग्रस्पताल, नई दिल्ली में बायोर्केमिस्ट के पद पर ग्रस्थायी ग्राधार पर नियुक्त किया है।

डॉ॰ एन॰ एम० कालराह ने डा॰ राम मनोहर लोहिया प्रस्पताल, नई दिल्ली में बायोकैमिस्ट के पद पर प्रपनी नियुक्ति हो जाने के परिणामस्वरूप 12 धगस्त, 1980 की अपराह्म में लेडी हार्डिंग मेडिकल कालेज तथा श्रीमती मुचेता कृपलानी प्रस्पताल, नई दिल्ली में कनिष्ठ बायोकेमिस्ट के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

> माम लाल कुठियाला उपनिवेशक प्रशासन (संव्यवप०)

कृषि मंत्रालय (कृषि ग्रौर महाकारिता विभाग) विस्तार निदेशालय

नई दिल्ली, दिनाक 8 सितम्बर 1980

मं० मि० 3-48/79 स्था० (1) — प्रधीक्षक (क्षेणी प्रथम) के पद पर मर्बश्री एस० एत० धीर, के० ग्रार० विज और ओ० पी भमीन का तदर्थ नियुक्ति 1-9-80 में ग्रागे 28-2-81 या पदों के नियमिन रूप में भरे जाने जो भी पहले हो तब बनी रही।

दिनांक 10 सितम्बर 1980

सं० मि० 2-6-78-स्था० (1)—संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर डॉ० दिग्विजय सिंह को दूरिंग पश्चिकित्सक पशुपालन विभाग, बिसफी, मधुबनी (श्रिहार) को विस्तार निदेशालय, कृषि मंत्रालय, कृषि धौर सहकारिता विभाग में सहायक पशुधन अधिकारी, जीं० सी० एस० ग्रुप ''बी'' (राजवित्तत) (अलिपिक वर्गीय) के पद पर रुपये 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000 द० रो० 40 1200 के वैतन मान में वित्त मंत्रालय (व्यय विभाग) के कार्यालय जापन सं० एफ० 10 (24)—ई० 3/60 दिनांक 4-5-61 समय-समय पर यथा संशोधित में दी गई शतों के अनुसार प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण के आधार पर 1-9-1980 के पूर्वाल्व से नियुक्त किया गया।

बद्रीनाथ चड्ढा निदेशक प्रशासन

ग्रामीण पुर्नानर्माण मंद्रालय विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय फरीदाबाद, दिनांक 5 सितम्बर 1980

सं० ए० 19023/77/78-प्र०III—इस निदेशालय के प्रधीन गोहाटी में उस विष्ठ विषणन प्रधिकारी (वर्ण 1) के पद पर पदोक्सित होने के उपरान्त श्री एन० गोपाल ने तारीख 31-7-80 के अपराह्म में मद्रास में विषणन ग्रिधकारी के पद पर कार्यभार छोड़ दिया है।

सं० ए० 19023/78/78-प्रशास—हम निदेशालय के प्रधीन रायचूर में उप वरिष्ठ विषणन प्रधिकारी (वर्ग I) के पद पर पदोन्नति होने के उपरान्त श्री जे० एस० शास्त्री ने तारीख 5-8-80 के उपराह्म में हैदराबाद में विषणन प्रधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

दिनांक 6 सिनम्बर 1980

सं० ए० 19025/23/80-प्र०III—विभागीय पदोक्षति सिमिति की संस्तुतियों के अनुमार श्री भागचन्द जाट को इस निदेशालय के अधीन नागपुर में नारीख 5-8-80 (पूर्वाह्म) मे अगले आदेश होने तक स्थानापक्ष महायक विपणन श्रधिकारी (वर्ग I) नियुक्त किया गया है।

सं० ए० 19025/52/80-प्र०III—संघ लोक सेवा प्रायोग की संस्तुतियो के ग्रनुसार धी मुरेण चन्दर खुराना को इस निदेणालय के अधीन नई दिल्ली मे तारीख 29-7-80 (पूर्वा०), से अगले आदेश होने तक स्थानायम सहायक विषणन अधिकारी (वर्ग]]) नियुक्त किया गया है।

दिनांक 11 सितम्बर 1980

सं० ए० 19025/43/80/प्र०III—— निम्निलिखित विष्ठि निरीक्षकों को इस निदेशालय के अधीन उनके नाम के आगे लिखे स्टेशन पर ग्रौर उस तारीख मे अगले आदेण होने तक ग्रन्पकालीन ग्राधार पर स्थानापन्न सहायक विष्णन अधिकारी (वर्ग I) के रूप मे नियुक्त किया गया है।

1. श्री हरपदा कुण्डू	नई दिल्ली	9-6~80 (पूर्वी०)
2 श्रीटी०एम०जीनी	गृन्दूर	10-6-80 ,,
3. श्री एन० के० मि स ्रा	लखनऊ	17-5-80 ,,
4. श्रीएच०सी० बत्सल	नागपुर	26-6-80

सं० ए० 19027/2/80-प्र०III—इस निदेशालय के अधीन नागपुर मे पूर्ण रूप से तदर्थ आधार पर मम्पादन (विपणन पित्रका) के पद पर श्री पी० वाई० णिर्के की श्रन्थकालीन नियक्ति को 1-9-80 से तीन महीने की श्रविध के लिए सामान्य प्रतिनियुक्ति शर्तों पर या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाता है, दोनो मे से जो भी पहले घटित हो, बढ़ाया गया है।

वी० एल० मनीहार निदेशक प्रणासन कृते कृषि विपणन सलाहकार भारत गरकार

परमाणु कर्जा विभाग विद्युत प्रायोजना इंजीनियरीग प्रभाग बम्बई-5, दिनोक 30 श्रगस्त 1980

मं० विप्राइप/3 (262)/78-प्रणासन 11886— निदेशक विश्वत प्रायोजना इंजीनियरीग प्रभाग, बम्बई एतद्द्वारा इस प्रभाग के एक स्थायी वैयक्तिक महायक एवं स्थानापन्न आशानिपक-III श्री के० जी० वासवानी को प्रगस्त 27, 1980 के पूर्वाक्ष से मितम्बर 26, 1980 के ध्रपराहन तक के लिए उसी प्रभाग में सहायक कार्मिक अधिकारी के पद पर अस्थायी रूप से नियुक्त करते हैं, यह नियुक्ति महायक कार्मिक अधिकारी श्री आर० सारंगपाणी के स्थान पर की जा रही है जो छुट्टी पर गए हैं।

य० वि० थने प्रशासन श्रधिकारी

ऋय एवं भंडार निदेशालय

बम्बई-400001, दिनांक 21 ग्रगस्त 1980

सं० डी० पी० एस०/बी० 74/प्रणा०/14758—परमाणु ऊर्जा विभाक के कय और भंडार निदेशालय के सहायक क्रय अधिकारी श्री वी० भूतिलगम ने मैंसर्स रिचर्डसन एण्ड कुडास (1972) लिमिटेड, बम्बई में भ्रपनी प्रतिनियुक्ति की ग्रवधि समाप्त हो जाने पर, इस निदेशालय में सहायक क्रय ग्रधिकारी के पद का कार्यभार 29 जुलाई, 1980 (पूर्वाह्न) में संभास लिया।

के० पी० जोसफ सन-भ्रधिकारी

नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र

हैदराबाद-500762, दिनांक 14 नवम्बर 1979

श्रादेश

स० ना है स/काप्र 5/1711/संजनसं०/1854—1. जब श्री ए० एन० सुरेश कुमार संधिहीन जंगरोधी इस्पात निलका संयंत्र में कारीबर 'ग्र' के पद पर कार्यरत थे, उन्होंने दिनांक 27-1-1979 से 12-2-1979 पर्यन्त, दिनांक: 13-2-1979 के ग्रवकाश को जोड़कर, 15 दिन का ग्रवकाश देने के लिए ग्रावेदन किया, जिसे जोड़ने की ग्रनुमित के साथ उनको ग्रवकाश ग्रहण करने की मजूरी दे दी गयी;

- 2. ग्रीर जब कि उक्त श्री सुरेश कुमार ने दिनांक 14-2-1979 को ग्रपना कार्यभार नहीं ग्रहण किया, किन्तु उस तिथि से हो वह बिना मंजूरी के ग्रनुपस्थित रहे;
- 3. ग्रीर जब कि ज्ञापन संख्या ना ई० स०/न० सं०/स०-252/521, दिनांक 5-3-1979 के ब्रास उक्त श्री सुरेण कुमार को ग्रपने काम पर तत्काल लौढने के खिये निर्देश दिया गया;
- 4. श्रीर जब कि उक्त ज्ञा० सं० ना० ई० स०/न० सं०/ स०-252/521, दिनांक 5-3-1979 को पानती सह पंजीकृत डाक द्वारा उक्त श्री सुरेश कुमार के अंतिम ज्ञात पते श्रयांत्: निवास सं० 237, पिकेट, सिकन्द्राबाद-(धा० प्र०) पर प्रेथित करने पर, डाक श्रधिकारियों ने इस श्रभियुक्ति के साथ लौटा दिया, "मात दिन जाने पर सम्पर्क नहीं हुआ। वित्तरण समय में व्यक्ति नहीं मिला";
- 5. स्पौर जब कि उक्त श्री मुरेम कुमार निरंतर श्रनु-पस्थित रहे तथा नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र को अपना ग्रता-पता सुचित करने में प्रममर्थ रहे।
- 6. भ्रौर जब कि उक्त श्री सुरेण कुमार स्वेष्छा से सेवा त्मागने के दोकी रहे हैं:

2-266GI/80

- 7. श्रीर जब कि नाभिकीय ईंधन सिमिश्र को श्रपना वर्तमान ग्रता-पता सुचित किये बिना ही उन के सेवा त्यागते के कारण, श्रधोहस्ताक्षरी संतुष्ट है कि नाभिकीय ईंधन सिमिश्र के स्थायी आदेशों के अनुच्छेद 41 और/या केन्द्रीय नागरिक सेवा (वर्गीकरण, नियत्रण श्रीर श्रपील) नियम 1965 के नियम 14 के श्रनुसार जांच करना युक्तियुक्त व व्यावहारिक नहीं है;
- 8. श्रीर श्रव श्रधोहस्ताक्षरी नाभिकीय इँधन सम्मिश्र के स्थायी श्रावेशों के श्रनुष्ठेद 42 जिन्हें परमाणु ऊर्जा विभाग के श्रावेश सं० 22(1)/६० ए० दिनांक 3-12-1970 श्रीर/ए० कीए नामिक ए, निमंद्रण श्रीर श्रपील) भे के साथ संयोजित करते ७० प्र का प्रयोग करते हुए एतब्द्वारा उक्त श्री सुरेश कुमार को सेवाश्रों से तुरंत प्रभाव से हदा देने का श्रावेश देते हैं।

एन० कोंडल राव मुख्य कार्यपालक

पता:-श्री ए० एन० सुरेश कुमार, नि० सं० 237, पिकेट, सिकन्द्राबाद- (आं० प्र०)

> हैदराबाद-500762, विनांक 13 जुलाई 1980 आदेश

सं० ना० ई० म०/का० प्र० 5/2606/1411/1383—
1. जुब कि श्री एम० ए० लतीफ खान प्रनुरक्षण ईंधन संयंत्र
में कारीगर 'ग्र' के पद पर कार्यरत थे, वे बिना किसी पूर्व
प्रनुमोदन के दिनांक 26-5-1979 से प्रनुपस्थित रहे, किन्तु
उन्होंने दिनांक 26-5-1979 से 7-10-1979 पर्यन्त श्रपनी
प्रनुपस्थित की श्रवधि का श्रस्वस्थता-प्रमाण पत्र भेजा;

- 2. भीर जब कि नाभिकीय इँधन सम्मिश्र प्रशासन द्वारा श्री लतीफ खान को एक तार प्रेषित कर तत्काल काम पर ग्राने के लिये कहा गया; भीर तार की एक प्रति डाक द्वारा संदर्भ सं० का० प्र० 4/ल-30/वि० श्र० सं०/3043, दिनांक 29-11-1979 को भेजी गयी जिसमें उन्हें काम पर तत्काल लौदने के लिये, जो दिनांक 5-12-1979 के पमचात न हो, श्रादेश दिया गया; श्रीर यदि वह श्रव भी श्रस्तस्य हों तो उन से नाभिकीय इँधन सम्मिश्र के स्वास्थ्य श्रीधकारी के समक्ष दिनांक 5-12-1979 या, उससे पूर्व समुपस्थित होने के लिये कहा गया;
- 3. भ्रौर जब िक दिनांक 29-11-1979 की उक्त टिप्पणी की पावती सह पंजीकृत डाव द्वारा उनके ज्ञात पते भ्रथीत् निवास सं० 16-5-1968/1, फरहत नगर, दबीर पुरा, हैदराबाद, पर भेजा गया, जो बिना वितरित किये हुए डाक भ्रधिकारियों द्वारा इन श्रभ्युक्तियों के साथ लौटा दिया गया, "इस निवास सं० के मकान में इस नाम का कोई व्यक्ति नहीं रहता है। प्रेषक को वापस किया जाता है;

- 4. ग्रीर जब िक श्री लतीफ खात श्रनुबंधित तिथि 5-12-1979 के पश्चात् भी स्वास्थ्य परीक्षा के लिये नाभि- कीय ईंधन सम्मिश्र के स्वास्थ्य अधिकारी के समक्ष उपस्थित नहीं हुए, यद्यपि उन्होंने दिनाक 8-10-1979 से 10-2-1980 पर्यन्त एवं दिनांक 12-3-1980 से 13-5-1980 पर्यन्त का श्रविध का श्रस्वस्थता-प्रमाण पत्न प्रस्तृत किया;
- 5. और जब कि अनुणासनिक प्राधिकार ने श्री लतीफ खान के विरुद्ध नाभिकीय-ईंधन सम्मिश्र के स्थायी आदेशों के अनुच्छेद 41.2 (ii) के अनुसार जांच करने का प्रस्ताव किया, और ज्ञापन सं० ना० ई० स/का प्र 5/2606/1411/975 दिनांक 26-5-1980 के अनुसार एक अभियोग पत्र पावती सह पंजीकृत डाक द्वारा निम्न पते पर प्रेषित किया; "श्री लतीफ खान, निवास सं० 16-5-68/1, परहत नगर, दबोर पुरा, हैदराबाद";
- 6. श्रीर जब कि उक्त ज्ञापन सं० ना ई स/का प्र 5/2606/1411/975, दिनाक 26-5-1980 जो निवास सं० 16-5-68/1, फरहत नगर, दबीर पुरा, हैदराबाद पर भेजी गयी थी, डाक श्रिधकारियों द्वारा बिना वितरित किये हुए इस श्रश्युक्ति के साथ वापस की गई, "इस निवास सं० मकान में इस नाम का कोई व्यक्ति नहीं रहता है"।
- 7. और जब कि उक्त लतीफ खान निरंतर श्रनु-पस्थित रहे श्रीर नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र को ग्रपना श्रता-पत्ता सुचित करने में श्रसफल रहे;
- 8. श्रीर जब कि उक्त श्री लतीफ खान स्वेच्छा से सेवा त्यागने के दोणी है;
- 9. श्रीर जब िक नाभिकीय ईंधन सम्मिश्न को श्रपना वर्तमान श्रता-गता सुचित किये बिना ही उनके सेवा त्यागने के कारण, श्रधोहस्ताक्षरी संतुष्ट है िक नाभिकीय ईंधन सम्मिश्न के स्थायी श्रादेशों के श्रनुच्छेद 41 श्रीर/या केन्द्रीय नागरिक सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण व श्रपील) नियम 1965 के नियम 14 के श्रतुसार जांच करना युक्तियुक्त व व्यावहारियं नहीं है;
- 10. श्रतः प्रव नाभिकी । ईंधन सम्मिश्र के स्थायी ग्रादेणों के धनुच्छेद 42 जिन्हें परमाणु ऊर्जा विभाग के ध्रादेण सं० 22(1)/68-प्रगासन 2, दिनांक 7-7-1979 श्रीर/या कन्द्रीय नागरिक देवा (वर्गीकरण, नियंत्रण व ध्रपील) नियम 1965 के नियम 19 (ii) के साथ संयोजित करते हुए व उनमें प्रदत्त श्रिथिकारों का प्रयोग करते हुए ग्राधोहस्ताक्षरी एनद्द्रारा श्रनुरक्षण ईंधन संगंत्र के कारीगर 'ग्र' उबन श्री लतोफ खान को गेताश्रों स तुरंत प्रभाव से ह्टा देने का ग्रादेश देते हैं।

एन० कोंडल राव *मुख्य कार्यपालक*

श्री लतीफ खान, निवास सं० 16-5-68/1, फरहत नगर, दबीर पुरा, हैदराबाद।

परमाणु खनिज प्रभाग

हैदराबाद-500016, दिनाक 8 सितम्बर 1980

सं० प ख प्र-51/(35)/80-पेन्शन----मरकारी भेवा से स्वैच्छा पूर्वक निवृत्ति लेने के फलस्वरूप श्री श्रार० एन० दे, स्थायी सहायक/स्थानापन्न कार्मिक श्रीधकारी ने परमाणु जर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग में ग्रपने पद का कार्यभार 31 श्रगस्त, 1980 के श्रवराह्न से त्याग दिया है।

दिनांक 16 सितम्बर 1980

सं० प ख प्र-1/6/79-प्रशासन—परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खानिज प्रभाग के निदेशक एतद्द्वारा विद्युत परियोजना इन्जीनियरी प्रभाग के एक स्थार्या उच्च श्रेणी लिपिक श्री के० ए० पिल्ले, जो राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना में अस्थार्या सिलेक्गन ग्रेड लिपिक के पद पर काम कर रहे थे, को परमाणु खानिज प्रभाग में 10-7-1980 के पूतिह्न से लेकर श्रगले श्रादेश होने तक श्रम्थायी महायक कार्मिक श्रिधकारी नियुक्त करते हैं।

एम० एम० राव वरिष्ठ प्रणासन एवं लेखा श्रधिकारी

भारी पानी परियोजना

बम्बई-400008, दिनांक 9 सितम्बर 1980

मं० 05012/आर० 4/आं० पी०/3955—भारी पानी परियोजना के, विशेषकार्य-अधिकारी, श्री अभामलई नटराजन, आपूर्ती निदेशक (टेक्सटाइल) के कार्यालय के स्थायी अवर श्रेणी लिपिक तथा भारी पानी परियोजना (तृतीकोरिन) में स्थानापस सहायक लेखाकार को उसी कार्यालय में 14 अप्रैल, 1980 (पूर्वाल्ल) से 16 मई, 1980 (प्रपराह्ल) तक के लिए श्री ए० एन० मुत्तुस्वामी, सहायक लेखा अधिकारी, भारी पानी परियोजना (तृतीकोरिन) के स्थान पर अस्थायी तौर पर तदर्थ आधार पर सहायक लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

सं० 05012/म्रार० 4/म्रो० पी०/3956--भारी पानी परियोजना के, विशेष-कार्य-म्रिधिकारी,श्री म्रंगराय नाटेसा म्रईयर मृत्तुस्वामी, राजस्थान परमाणु-विद्युत परियोजना के स्थायी लेखाकार तथा भारो पानी परियोजना (तूतीकोरिन) के स्थानापन सहायक लेखा प्रधिकारी को उसी परियोजना में 14 म्रप्रैल, 1980 (प्रवाह्म) से 16 मई, 1980 (प्रपराह्म) तक के लिए, श्रो के० के० गोपालकृष्ण, लेखा म्रधिकारी-II, जो छुट्टी पर है, के स्थान पर श्रस्थायी रूप में तदर्थ म्राधार पर स्थानापन्न लेखा म्रधिकारी-II, नियक्त करते हैं।

श्रार० मं।० कोटियनकर प्रशासन श्रधिकारी

पर्यटन श्रीर नागर विमानन मंत्रालय

भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिली-3, दिनांक 9 सितम्बर 1980

सं० ए० 32013 (मौ० वि० उ० म० नि०)/1/80-स्था०-1—राष्ट्रपति, भारत मौसम विज्ञान विभाग के निम्नलिखित निदेशकों को उनके नामों के आगे दिये गये दिनांक से 3 महीने के लिये या इन पदों के नियमित रूप से भरे जाने तक जो भी पहले हो, तदर्थ आधार पर इसी विभाग में मौसम विज्ञान के उपमहानिदेशक के पद पर स्थानापन्न रूप में नियमत करते हैं।

1. श्री एव० एम० चौधरो	-	•	25-7-1980
2. ४४ ।० ए० के० मुखर्जी	•		24-7-1980
			(श्रवराह्न)
3. डा०ए०ए० रामाशास्त्रं _।	,	•	16-8-1980
4. श्री के०वी० राव			1-8-1980
 डा० ए० एम० रामानाथन 			24-7-1980
 डा० एस० एम० कुलश्रेष्ठ 			24-7-1980
7. श्री एस० एन० विपाठी			24-7-1980

एस० के० दास, मौसम विज्ञान के श्रपर महानिदेशक (उपकरण) **इसे** मौसम विज्ञान के महानिदेशक

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय नई दिल्ली, विनांक 8 सितम्बर 1980

सं० ए० 12025/11/79-ई० एस०—राष्ट्रपति ने भारतीय वायुसेना के सर्वर्थः एम० एस० राना ग्रांर एस० एस० राय कनिष्ठ वारंट ग्रधिकारियों को कमणः दिनांक 14-8-1980 तथा 19-8-1980 (पूर्वाह्म) से विमान निरीक्षकों के पद पर 3 वर्ष के लिए स्थानान्तरण पर प्रतिनियुक्त के ग्राधार पर नियुक्त किया है ग्रांर उन्हें कमणः नियंत्रक विमान निरीक्षण बम्बई के कार्यालय नथा क्षेत्रीय निदेशक, बम्बई के कार्यालय में नियुक्त किया है।

ग्रार० एन० दास सहायक निदेणक प्रशासन, **कृते** महानिदेशक नागर विमानन

नई दिल्लो, दिनांक 5 सितम्बर 1980

मं० 32013/2/79-ई०-I--इस विभाग की विनांक 14-12-1979 की अधिसूचना संख्या ए० 32013/2/79-ई० 1 के कम में, राष्ट्रपति ने श्री श्रार० नर्रामहम, वरिष्ठ वैज्ञानिक श्रिष्ठकारी को दिनांक 31-3-1980 के बाद 30-9-1980 तक श्रयवा पद के नियमित श्राधार पर भरे जाने तक, इनमें से

जो भी पहले हो, नागर विमानन विभाग में उपनिदेशव, अनुस्न्धान और विकास के पद पर तदर्थ आधार पर निय्क्त किया है

2. इस कार्यालय की दिनांक 11-8-1980 की सम-संख्यक ग्रिधमूचना को एसदद्वारा, रह किया जाता है।

> चितरंजन कुमार बत्स सहायक निदेशक, प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 8 मितम्बर 1980

मं० ए.० 12025/11/79 ई० एम०—राष्ट्रपति ने भारतीय वायु सेना के श्रं: तेण पाल धर्मा, किनण्ठ वारट श्रधिकारी को दिनांक 18-8-1980 (पूर्वाह्म) में विमान निरीक्षक के पद पर 3 वर्ष के लिए स्थानान्तर पर प्रतिनियुक्ति के श्राधार पर नियुक्त किया है श्रौर उन्हें क्षेत्रीय निदेशक, दिल्ली क्षेत्र सफदरजंग एश्ररपोर्ट के कार्यालय में तैनात किया है।

दिनांक 11 सितम्बर 1980

सं० ए० 32013/3/79-ई० एस०—राष्ट्रपति ने निम्न-लिखित दो श्रिधकारियों की उपनिदेशक/नियंत्रक विमान निरीक्षण के पद पर, उनके नाम के सामने दी गई तारीख से आगे 31-12-1980 तक या ग्रेंड में, नियमित नियुषित होने तक, जो भो पह हो, तदर्थ नियुक्ति को जारी रखने की अनुमति दी है:—

- 1. श्री एस० राजन 31-2-1980 के बाद।
- 2. श्री वीं डीं मेठी 27-12-1979 के बाद।

ऋार० एन० दास महायक निदेशक, प्रशासन

केन्द्राय उत्पादन गुरुक एवं सीमा शुरुक समाहती का कार्यालय

मदुरई, दिनांक 4 सितम्बर 1980

सं० 3/80---केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के निम्नलिखित विरिष्ठ श्रेणी निरीक्षकों की नियुक्ति श्रगले श्रादेश होने तक ए० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान पर स्थानापन्न रूप से ध्रधी-क्षक श्रुप 'वीठ' के रूप में की गई है। श्रधीक्षकों के रूप में कार्यभार ग्रहण किये गये स्थान एवं तारीख उनके नाम के सामने दिये गए अनुसार हैं।

ऋम सं०	श्रधिकारी का नाम	नियुष्त स्थान	कार्यभार ग्रहण को गई तारीख
1	2	3	4
1.	श्री पी० स्टानिसनाम	तिमा शुरुक साग, रामनाथः	28-05-1980 इरम्

1	2	3	4
	र्वेश्री '० ए० देवादुरै	शिवकाशी रेज- III	11-06-1980
3. एम	न० एम० क्रुब्णमूर्ति	सा तू र रेंज-I	16-06-1980
4. ए	॰ मु त्तुचे ल्लन	भ्रंबासमुद्रम रेंज-I	16-06-1980
5. टी	० ए० गणेणन	लक्ष्मीपुरम रेंज (स्थान) कोविलपट्टी	23-06-1980
6. ए	२० देवराजु लु	बी० हेच० ईं० एंल० क्षेत्र, तिरुची	23-06-1980
7. ए	न० वी० वेंकटरामन	श्रंबासमुद्रम रेंज-II	26-06-1980
8. एम	।० मंकर राजा	शिवकाशी रेंज- 5	28-06-1980
9. एम	४० भिवशं करन	शिवकाणी- प्रभाग	09-07-1980
10. एर	त० पट्टाभिरामन	मुख्यालय- मदुरई	11-07-1980
11. जे	पाल राजनायगम	वही -	11-07-1980
12. श्रा	र० गणेशन	गोधीनगर रेंज स्थान कोविलपट्टी	23-07-1980
13. श्री	मती जे० मुसुमणी	के० उ० शु <i>०</i> , प्रभाग, मकुरई	01-08-1980
14. एन	ा ० गो पालन	•	08-08-1980
15. के	० आर० नरसिंग राव	'मुख्यालय, म दुरई	08-08-1980
16. हैंच	তেহীত জীৱীণাণ্ডি <mark>য়েদ</mark> ৰ	बत्लगुण्डु रेंज	08-08-1980
17. पी	० गणमुगम	ति रुत्तुरंपू ण्डी	12-08-1980
18. ए₹	१० वनमामलै	प्रभाग कार्या- लय, तिरुची	18-08-1980
19. एरू	ा० राजगोपालन	ति इ त्तंगल रेंज-	22-08-1980

सं० 4/80—केन्द्रीय उत्पादन गुल्क के मिम्नलिखित कार्यालय अधीक्षकों की नियुक्ति अगले आवेश होने तक रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान पर स्थानापन्न रूप से प्रशासनिक अधिकारी ग्रूप 'बीठ' के रूप में की गई है। प्रशासनिक अधिकारियों के रूप में कार्यकार ग्रहण किये गये

स्थान	एवं	'तारीख	उनके	नाम	के अभगो	दिये	गये	अनुसार
हैं।								

क्रम सं०	अधिकारी का नाम	नियुक्त स्थान	कार्यभार ग्रहण की गई तारीख
सर			
1. र्व	ो ं श्रीनियोस न	प्रभाग कार्यालय, विडीगल	08-08-1980
2. ए	स०आर० गणपतिरामन	प्रभाग कार्यालय शिवकाशी	, 12-08-1980
			आर ० जयरा मन समाहर्ता

नागपुर, दिनांक 6 सितम्बर 1980

सं० 7/80—इस समाहतीं में व अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुरूक श्रेणी ''ख'', मुख्यालय, नागपुर श्री डब्स्यू० आर० तारे, की भारत सरकार, विल मंत्रालय, (राजस्व विभाग), नई दिल्ली के दिनांक 21-2-1980 के आदेश ऋ० 29/80 द्वारा अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुरूक, श्रेणी 'क' के पद पर पदोन्नति होने पर, उन्होंने अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुरूक, श्रेणी ''क'' मुख्यालय नागपुर के पद का दिनांक 2 जून 1980 के पूर्वाह्न से कार्यभार संभाल लिया।

सं० 8/80—त्तवमंतर, श्री बंद्यपू० आर० तारे, अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद मुल्क, श्रेणी "क" मुख्यालय, नागपुर की भारत सरकार, वित्त मंद्रालय (राजस्व विभाग), नई दिल्ली के दिनांक 22 जुलाई, 1980 के आदेश क्रमांक 95/80, मिसिल संख्या ए० 22012/8/80-ए० डी०-II द्वारा भारतीय सीमा तथा केन्द्रीय उत्पाद मुल्क सेवा, श्रेणी "क" में सहायक समाहर्ता (कनिष्ठ वेतनमान) के पद पर पदोक्षति होने पर उन्होंने सहायक समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पाद मुल्क प्रभाग-I, नागपुर के कार्यालय का, श्री जे० टी० डोंगरे, सहायक समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पाद मुल्क प्रभाग-II, नागपुर को धित-रिक्त कार्यभार से मुक्त कर, दिनोंक 6 ग्रगस्त, 1980 के पूर्वाह्म से कार्यभार स्माहर्ता, केन्द्रीय उत्पाद मुल्क प्रभाग-II, नागपुर को धित-रिक्त कार्यभार से मुक्त कर, दिनोंक 6 ग्रगस्त, 1980 के पूर्वाह्म से कार्यभार स्माहर्ण किया।

सं० 9/80—इस समाहर्ताक्षेत्र के केन्द्रीय उत्पाद शुल्क प्रभाग-I, नागपुर के कार्यालय के सहायक समाहर्ता, श्री बी० एल० गांजापुरे ने आयु सीमा प्राप्त करने पर ने दिनांक 31-7-1980 के प्रपराह्व से सरकारी सेना से मुक्त हो गये हैं।

के० शंकररामन, समा**हर्जा**

पूर्वोत्तर सीमा रेलवे

मालीगाव, दिनांक 10 सितम्बर 1980

सं० ईं०/55/III/97 (श्रो०)—श्री एम० सिंह, श्राई० ध्राप० ए० एस० श्रिकारी की दिनांक 24-3-79 से श्रवर वेतनमान (श्रेणी-I) में पुष्टि की जाती है।

बी० वेंकटरमणी महाप्रबधक,

दक्षिण रेलवे

मद्रास, दिनांक 15 सितम्बर 1980

सं० फ०/पी० सी०/वी० बी०/7276—श्रीवी० बालकृष्णन II को, भी लेखा परीक्षा, निदेशक, दक्षिण रेलवे, मद्रास के कार्यालय में ग्रधीनस्थ रेलवे लेखा परीक्षा सेवा संवर्ग के एक स्थायी सदस्य हैं, लेखा परीक्षा निदेशक, द्वारा ६० 840-1200 के वेतनमान में लेखा परीक्षा ग्रधिकारी के पद पर स्थानापन्न तौर पर पदोन्नत किया जाता है।

यह पदोन्नति पूर्णतः तदर्थ म्राधार पर है म्रौर उच्चतम न्यायालय में म्रनिणीत रहने वाले भामलों में उम न्यायालय द्वारा सुनाए जाने वाले म्रन्तिम निर्णय पर निर्भर करती है।

> टी० बो० नागराजन, लेखा परीक्षा निदेशक

विधि, न्याय एवं कम्पनी कार्य मंद्रालय (कम्पनी कार्य विभाग) कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 एवं मैसर्स फार्म टूल्म प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

बम्बई, दिनांक 5 सितम्बर 1980

सं० 4186/560(3)—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एतद्दारा यह सुचना दी जानी है कि इस तारीख से तीन मास के श्रवसान पर मैं मर्स फार्म टूल्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशत न किया गया तो रिजस्टर में काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी श्रधिनियम, 1956 एवं मैसर्स फेमस चिट फंड प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

बम्बई, दिनांक 5 सितम्बर 1980

सं० 8871/560(5)—कम्पनी श्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसरण में एतदहारा मुचन

दी जाती है कि मैंसर्म फेमम चिट फंड प्राइवेट लिमिटेड का नाम भ्राज रिजस्टर से काट दिया गया है भ्रौर उक्त कुम्प्रनी विघटित हो गई है।

कम्पनी ग्रधिनियम, 1956 एवं मैसर्स ऐल्युमीनाईज्ड स्टील्स लिमिटेड के विषय मे

बम्बई, दिनांक 5 सितम्बर 1980

सं० 13432/560(3)—कम्पनी ग्राधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचनादी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मैसर्स एल्युमीनाज्ड स्टील्स विमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशत न किया गया तो रिजन्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 एवं मैसर्स एम० ए० मीसरी एण्ड कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में बम्बई, दिनांक 5 सितम्बर 1980

सं० 1359/560(3)—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद द्वारा यह सूचनादी जाती है कि इस तारीख में तीन मास के श्रवसान पर मैंसर्स एस० ए० मीसरी एण्ड कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिश्वत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा श्राँर उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

एस० सी० गुप्ता कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार महाराष्ट्र, बम्बई

कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 445(2) के अधीन सूचना: मेसर्स सुभेसागर कोटन मिल्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

श्रहमदाबाद-380 009, दिनांक 8 सितम्बर 1980

सं० 2423/लीक्वीडेशन—कम्पनी श्रर्जी नं० 15 श्राफ 1979 में श्रहमदाबाद स्थित उच्च न्यायालय के तारीख 9-1-1980 के आदेण द्वारा मैसर्स सुमेसागर कोटन मिल्स प्राइवेट लिमिटेड का परिसमापन का श्रादेश दिया गया है।

> न्हि० वाय० राणे सहायक प्रमंडल पंजीयक गुजरात, अहमदाबाद

कम्पनी अधिनियम, 1956 श्रौर नार्दर्न इंडिया मर्केन्टाइल एजेन्सीज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कानपुर, दिनांक 8 सितम्बर 1980

सं० 9303**/90**0 एल०/सी०~—कम्पनी श्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुमरण में एतद्दारा यह मुचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के श्रवसान पर नार्दन इंडिया मर्केन्टाइल एजेन्सी आ प्राइवेट लि॰ का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशात न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जायेगा श्रीर उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

> भ्रो० पी० च**ड्ढा**, कम्पनियों का रजिस्ट्रार यू० पी०, कानपुर

कार्यालय शासकीय समापक, दिल्ली (छच्च न्यायालय दिल्ली से संलग्न)

नई दिल्ली, दिनांक 12 सितम्बर 1980 न० कम्पनी लिक्नी (191)2/5378-फोर्म नं० 152 कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 लेनदारों द्वारा ऐन्छिक समापन

धारा 516 के श्रन्तर्गत समापक की नियुक्ति सम्बन्धी नोटिस

कम्पनी का नाम मैसर्स गोगी चिट फंड प्राइवेट

लिमिटेड ।

व्यापार की प्रक्रिया चिट फंड ।

रिजस्टर्ड म्नाफिस का पता 32/7, पंत नगर, जंगपुरा, नई

दिल्ली 1

ममापक का नाम तथा पता गासकीय समापक, उच्च न्यायालय

से संलग्न 16 रिंग रोड, इन्द्र प्रस्थ

एस्टेट, नई दिर्ला ।

नियुक्ति की तिथि 17 मार्च, 1980

किसके द्वारा नियुक्ति दिल्ली छच्च न्यायालय केस संख्या

सी० ए० 58 वर्ष 1980।

पी'० <mark>चन्द्रा</mark> सहायक शासकीय समापक, दिल्ली प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

प्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ(1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज

ठक्कर बंगला, गिरीपीट नागपुर-10 नागपुर, दिनांक 31 जुलाई 1980

निवेश सं० फा० स० नि०स० श्रा० श्रा०/श्रर्जन/147/ 80-81---यतः मुझे ए० के० बिलय्या,

आयकर ब्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के ब्रिवीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से ब्रिविक है

श्रीर जिसकी खसरा नं 0 107/1 ख, प० ह० नं 0 10, है तथा जो देवई गोविंदपुर तुकुम, में स्थित है) श्रीर इससे छपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्सा श्रिधकारी के कार्यालय चंद्रपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 21-1-80 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल को एखह प्रतिशत से श्रिक है श्रीर प्रन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक

(क) ध्रन्तरण से तुई किसी आय की बाबत उक्त ध्रधि-नियम के घ्रधीन कर देने के घ्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या

रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(का) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ब्रतः भ्रव, उनत अधिनियम, की घारा 269-ग के भ्रमुसरण में, मैं, उनत अधिनियम की घारा 269-थ की उपधारा(1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, बर्षात्:--- श्रीमती भिवराबाई सीताराम सोनुने, श्रीमती पोयराबाई रामा वधाई, श्रीमती भुलवाई नारायण मोहुते, श्रीमती मैनाबाई राधोबा मोहले सी रहनेवाले देवई गोविन्पूर तुष्ठुन. त० और जि० चंद्रपूर

(म्रन्तरक)

 श्रीमती सुरेखा रामचंद्र रणथीवे, वेवई गोविंदपूर तुकुम, ता० जि० चंद्रपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति ने अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा प्रघोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जो छक्त भिन्न नियम के भन्याय 20-क में परिभाषित है, वही भर्य होगा जो छस भन्याय में विया गया है।

अनुसूची

खसरा नं० 107 /1 ख प० ह० नं० 10, मौजा देवई गोविंदपुर तुकुम त० जि० चन्त्रपुर, 2-00 एकड़ जगह।

> एस० के० बिलय्या, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, नागपुर

तारीख: 31-7-80

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयकर भी भी नयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269- थ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कायां तय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्थन रेंज

पूना-411004, दिनांक 12 सितम्बर 1980

निर्देश सं० सी० ए० 5/जोपडा/फरवरी 1980-481/80-81 ---यतः मुझे भ्रे० सी० चंद्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० सी० एस० नं० 5990, 5990/1 से 5990/32 सि० एस० नं० 6000, 6001, 6001/1 से 6001/9, 6002, 6003, है तथा जो चोपड़ा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दुय्यम निबंधक चोपड़ा में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, तारीख फरवरी 1980।

को पूर्वार्थसं संपित्सि के उचित बाजार मूख्य से कम के देरेंसमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एंसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्विषय से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/य.
- (स) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 259-ग के अनुसरण में, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ कर उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- 1. श्रीमती बनारसीवेबी मगनलाल गेट ग्रग्नवाल (2) श्रीमती विद्यादेवी राधेश्याम गिदोडिया (3) श्री महेशकुमार मगनलाल ग्रग्नवाल (पूर्ति)बिल्डिंग ग्रागरा रोड धुले
- 2. श्री जोपड़ा गेटकरी सहकारी खरेदी विक्री संघ लि०, चोपड़ा जि० जलगांव

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन की अविध या तत्सम्बधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध धाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृष्टीका ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पद्धिकरण:-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया हैं।

अनुसूची

स्थावर सम्पति जो ला० चोपडा जि० लगांव में स्थित है। उसका वर्णन नीचे किया है।

सि० स० मं० 5990, 5990/1 से 5990/32, सि० स० मं० 6000, 6001, 6001/1 से 6001/9, 6002, 6003, ग० न० 1350, 1357, 1358, 1354, 1353, 1355, 1356, 1351 जिसमें जिंगिंग फेंक्टरी प्रोसिंग फंक्टरी ओईल मिल लेथ ग्रौर मिशनरी, बॉइलर ग्रौर स्टोग्नर, दो गोडाउन, बेल, इलेक्ट्रिक मोटरस् ग्रौर इलेक्ट्रिक फिंटिंग्स नौकरोंके गृह ग्रौर कर्मचारियों के गृह, ग्रांतिथी गृह ग्रौर बंगले, वगैरे हैं।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख कः 338 जो फरवरी 1980 को दश्यम निबंधक चोपड़ा के दफ्तर में लिखा है)।

> ए० सी० चंद्रा सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना

तारीख: 12-9-1980

प्ररूप धाई० टी० एन• एस०--

आधिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 थ (1) के धधीन मूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज अहमदाबाद

भ्रहमदाबाद, दिनांक 18 भ्रगस्त 1980

निदेश सं० पि० भ्रार० नं० 975/ एकवी-23-II/80-81—अत: मुझे एस० एन० मण्डल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की खारा 269-ख के अधीन सक्तम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उक्ति बाजार मूल्य 25,000/- क्यये से अधिक है और जिसकी सं० भ्रार० एस० नं० 363, एच० 1 एफ० पी० नं० 40 ए हैं। तथा जो कतरगाय) सूरत में स्थित हैं (भ्रीर इससे उपावश्च अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत हैं), रजिस्ट्रीकर्सा प्रधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 9-1-1980 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की वर्ष है और मुक्षे यह बिश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत धिक है और धन्तरक (धन्तरकों) और धन्तिन्ती (अन्तरित्वों) के बीच ऐसे धन्तरक के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक किखित में बास्तिक क्य से किखा नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (खा) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनाओं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया थया वा या किया जाना चाहिए जा, खिपासे में सुविधा के निए;

अत:, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुतरण में, में, छव्त अधिनियम की धारा 269-य की बणधारा (1) के अधीन निम्नसिधित व्यक्तियों, अथौत:---

- (1) चमपकलाल हरिकशनदास उर्फ गोरधनदास;
- (2) मटवरलाल चमपकलाल; (3) रमेशघन्द्रा धमपकलाल, लाल दरवाजा, मोतीशेरी, सूरक्ष (श्रन्तरक)
- (2) श्री कानजिभाई डूगरभाई पटेल, भटवालाणी वाडी, वारछा रोड, देना बैंक दरवाजा के सामने, सूरत (श्रन्तरिति)

को यह मुजना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रजन के लिए कार्यवाहियां करला हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी खाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की प्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होतो हो, के भीतर पूर्वीवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 15 दिन के भीतर उक्त स्थापर संपत्ति में हिनबढ़ किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त अब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के श्रष्ट्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा जो उप श्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत जो कतारगांव, भ्रार० एस० एन० नं० 363,एच० 1, एफ० पी० नं० 40 ए, सब प्लाट नं० 15ए में स्थित है जो सूरत रजिस्ट्रार के कार्यालय में विलेख तारीख 9-1-80 में रजिस्ट्री की गयी है।

एस० एन० मांडल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, ग्रहमदाबाद

सारीख: 18-8-198**0**

प्ररूप माई० टी० यन० ऐम०-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर ध्रुंधायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

ग्रहमदाबाद दिनांक 18 ग्रगस्त 1980

निर्देश सं० ग्रार० नं० 976/एक्वी-23-II/80-81----ग्रतः मुझे एस० एन० मांडल,

भायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुपए से श्रधिक हैं भौर जिसकी सं० श्रार० एस० नं० 363, टि० पी० एस० एस० नं० 4 है। तथा जो सब पल्ट नं०

15-ए, कातरगाँव, सूरत में स्थित हैं (श्रीर इससे खपाबद, श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से अणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 9-1-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृह्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वात करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृह्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है धीर पन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए लय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण निष्वि पित में वास्तविष्ठ रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की वाबत उक्त ग्रधि-नियम, के ग्रधीन कर देने के ग्रग्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसे किसी ग्राय या किसी धन या प्रन्य पास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर मिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिनियम, या धनकर ग्राधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

बतः, भव, उक्त मधिनियम की घारा 269-म के अभु-सरण में, में, उक्त मधिनियम की घारा 269-म की उपमाश (1) के अधीन निम्नलिखित अपितयों, भर्मात्।—-

- (1) चमपकलाल हरिकशन दास उर्फ गोरधनदास, (2)
- (2) नटवरलाल धमपकलाल, (3) रेमेणधन्द्रा धमपकलाल, लाल दरवाजा, मोतीणेरी, सूरत (ग्रन्तरक)
- (2) श्री मनजि भाई दुनगाभाई , भटवालागी वाडी, वराछा रो,ड देना बैंक गली के सामने, सूरत (श्रन्तरिति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकत समात्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

एक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रम्य व्यक्ति द्वारा, श्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

रुपष्टीकरण:--इसमें प्रमुक्त गर्व्हों भौर पदों का, जो उस्त मिध-नियम के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

अमुसुची

मिलकत जो कतारगांव ग्रार० एस० नं० 363 एच०, दि० पि० एस० मं० 4, फैनल प्लाट नं० 40, ए, सब-फ्लाट नं० 15 ए०, में स्थित हैं। जो सूरत रजिस्ट्रार के कार्यालय में तारीख 9-1-1980 में रजिस्ट्री की गयी है।

एस० एन० मान्बल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II श्रष्टमदाबाद

सारीख: 18-8-1980

मोह्नर:

त्ररूप आई० टी० एन० एस०---

व्यायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के मधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II,

ग्रहमदाबाद, दिनांक 18 ग्रगस्त 1980

निर्देश सं० पि० श्रार० नं० 977 एक्वी 23- /80-81—श्रतः मुझे, एस० एन० मांडल, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ध्रधिनियम' कहा गया है), भी धारा 269-ख के अधोन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से

भौर जिसकी सं० वार्ड नं० 17, स्रौर, एस० नं० 2 है तथा जो श्रदाजन, सूरत में स्थित हैं (स्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधि-कारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 4-1-1980

(1908 को 16) के अधीन 4-1-1980
को पूर्वोबत सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के
पूर्यमान प्रतिफल के उचित बाजार मूस्य से कम के
पूर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से धानिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक कप से
कचित नहीं किया गया है:---

- (क) भ्रम्तरण से हुई किसी भाय की बावत, उनत स्रधि-नियम के स्रधीन कर देने के भन्तरफ के बायिस्त में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; भोर/या
- (था) ऐसी किसी धाय या किसी धन या धन्य धास्तियों की, जिन्हें भारतीय धायकर धिष्ठित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रक्रितियम, या धनकर धिष्ठित्यम, 1957 (1357 का 27) के प्रयोजनार्च धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए,

श्रव: श्रव, उक्त श्रविनियम की बारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त श्रविनियम की बारा 269-व की उपवारा (1) के श्रवीन निम्नलिखन व्यक्तियों, अर्थात्:---

- (1) मानेकबेन, खोमेद पेसढानजी के पुत्री और श्ररचसा कावसजी सुरेल की विधवा बिलिनिवाणी 1, सैयादपुरा, सूरत (भ्रन्तरक)
- (2) श्री दिन्धान जसदास रायल 54 संगम सोक्षायटी रानदेर रो। सूरत (ग्रन्तरिति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पक्ति के प्रजंन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजॅन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की प्रविध या तन्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मंपत्ति में हित-बढ़ा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वडडोकरण :--इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्यात 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

मिलकत जो श्रदाजन, वार्ड नं० 17, श्रार० एस० नं० 2 में स्थित है। जो सूरत रिजस्ट्रार के कार्यालय में तारीखा 18-8-1980 में रिजस्ट्री की गयी है।

एस० एन० मांवल सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज-II, भ्रष्टुमवादाद

बारीख: 18-8-1980

प्ररूप गाई० टी० एन० एस०-----

भायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहदाबाद

ग्रहमदाबाव, विनांक 18 ग्रगस्त 1980

निर्देण सं० पी० भार० नं० 978/एकयी 23/II/80-81--भनः मुझे एस० एन० मांडल,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- ६० से प्रधिक है

श्रौर जिसकी संव् वार्ड नंव 4, नोद नंव 4/1651 बीव है। तथा जो सरदार मार्केट, सहारा धरवाजा, सूरत में स्थित हैं (ग्रौर इससे उगाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ताव 5-1-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिगत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रवतरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त भ्रष्टिनियम के भ्रष्टीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी झन या धन्य आस्तियों को, जिण्हें भारतीय आय-कर प्रश्विनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त स्विधिनमम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः श्रव, उक्त श्रिष्ठिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त श्रिष्ठिनियम की धारा 269-क की उपधारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, श्राण्टाः—

- (1) मेसेसं वसम्लाल अथग्तीलाल , वि० के० ग्रांर ग्रोनर श्रो जयन्तीलाल ग्रतमाराम, 1 12 ए, सुसमा सोसाईटी, गोपिपुरा सुरत। (ग्रन्तरक)
- (2) भागीक्षार आर्रेर वहित्रन करता श्री जयना दास वियवन दार, के द्वारा मेंसेरेस राज ट्रेडिंग कं०, गोपिपुरा बोराबद सुरत (भ्रन्तरिति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पक्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तानील से 30 दिन की ध्रविध, जो भी ध्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्पटिशकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो 'उनत ध्रिधिनियम', के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित है, वही भ्रयं होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में दिवा गया है।

वनुसूची

मिलकत जो साहरा दरवाजा, सरदार मार्केट, वार्ड, नं० 4, नोद नं० 4/1651 बी सूरत में स्थित हैं। जो सूरत रिजस्ट्रार के कार्यालय में तारीख 5-1-1980 में रिजस्ट्री की गयी है।

एस० एन. माँडल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज II अहमदाबाव

तारीख: 18=8-1980

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-11, अहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 19 भगस्त 1980

निर्देश सं० पी० आर० नं० 979 मकयी 23-/II/80-81--- अत: मुझे एस० एन० मंडल,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० नोद नं० 350, वार्ड नं० 1, पोपट महीला, है। तथा जो नानमुरा, सूरत में स्थित है (ग्रौर इसमे उपाधन अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 15-1-1980

को पूर्वाक्त संपित्त के उचित काजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपित्त का अनित बाजार मूल्य, उनके द्वयमान प्रिजिक्त में, ऐसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिमों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

असः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ण के अनुसरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों अधीतः--

- (1) धिनाबन, केकसरू होरमसजी धिसावाला कि पुत्री, सोनासुर लेथिन, मरैन लैन1, बाम्बे।
- (2) आलबेन केकसरू होरमासजी धिसावाला के पुत्री, पोगडसहोलो, नानपुरा सुरत।
- (3) मणिबेन बहागीरी, धुमासीया की० पत्नी धुमास दा चोरथासी।
- (4) नालिजर कैकसारू धीसावाला कोलाबा, कुकसारू बाग, आम्बे
- (5) नैसीर,केकपारू धीमावाला,मुगलीसारा,सूरत ।
- (6) रूसी केकसारू धीसावाला, रसष्ठमभाला ययकला बांम्बे। सुधाबेन बेलवनाराई लायसिवाला, 1/350, पोपढ महोस्रो, नानपुरा सूरत। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- सब्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्यक्कोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

पिलकत जो नोद नं० 350 वार्ड नं० 1, पोपट महोलो, नानपुरा, सूरत में स्थित है। जो सूरत रिजम्ट्रार के कार्यालय; तारीख 15-1-1980 में रिजस्ट्री की नयी है।

> एस० एन० मांडल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज II, ग्रहमवाबाव।

ता्रीखा; 19-8-1980

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) जीन रेंज अहमदाबाद

अमदाचाद दिनांक 11 श्रगस्त 1980

अगयकर किंपिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० धीनानी ओईल मील है तथा जो फुतीम्राना जिना जुनागढ़ में स्थित हैं (भीर दूसके उन्नानद्ध अणुमूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय, में रिजस्ट्रीकरण धिनियम, 1908 (1908 का 16) के भाषीन 10-1-1980

को पूर्वाक्स सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वो क्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविश रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी क्षाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के पायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियन, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

अतः जन, उक्त जिधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीश निम्मतिचित व्यक्तियों, अर्थाक्:---

- (1) श्री करसनवास पुंजाभाई थोबानी और दूसरे लीमडा चोक, भद्राकाली रोड, पोरबंदर (धन्तरक)
- (2) श्री करसनदास वालजी भ्रीर दूसरे थोबानी गीनीग फेक्टरी, कुटीयाना, जिला, जुनागढ़ (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्स अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विवस गया है।

अनुसूची

थोबानी आईल मील से जानकारी मिलकल कुटीयाना, जिला जुनाग में स्थित है, जो सब रिजस्ट्रार मानावदर, द्वारा विधि रिजस्टर्ड है जिसका जिकी दस्तावेज नं० 1592/10-1-80 इस तरह मिलकत का पूर्ण वर्णन इस में दिया गया है।

एस० एन० मन्डल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेज अक्षमदाबाव

तारीख: 11-8-1980

मोहरः

प्ररूप आइ' ० टी ० एन ० एस ०--

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सृचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

ब्रहमदाबाद दिनांक 11 अगस्त 1980

निर्वेश सं० पी० आर० नं० 1148 ए० सी० न्यू० 23-]/ 80-81---यत: मुझे, एस० एन० मंडल

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/ रा॰ से अधिक है।

भौर जिसकी सं० थोबानी ओईल मिल है तथा जो कुटीयाना जिला, जूनागढ़, में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 10-1-1980

को पूर्वाक्त सम्पति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दिष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिकक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा का लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हुं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण मो. मी. उकत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नीलिसित व्यक्तियों अर्थातः—

- (1) श्री कसनदास पुन्जाभाई योबानी, लिमडा चोक, भद्राकाली रोड, पोरबंदर (श्रन्तरक)
- (2) श्री श्रहर जेठाभाई करसन और दूसरे थोबानी गिनिंग फैंक्टरी, कुटियाना, जिला जूनागढ़। (श्रन्तरिति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पग्स लिखित में किए जा सकोंगे.

स्पष्टिकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

अनुसूची

श्रोधानी ओईल मिल रें जानकारी मिलकियत कुटीयाना, जिला जूनागढ़ में स्थित है, जो सब रजिस्ट्रार मानाघदर द्वारा विधि रजिस्टर्ड है, जिसका बिकी दस्तावेज नं० 1593 10-1-80 इस तरह मिलकियत का पूर्ण वर्णन इसमें दिया गया है।

> एस० एन० मन्डल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख: 11-8-1980

प्ररूप आई ० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज-, अहमवाबाव

अहमदाबाद, दिनांक 18 अगस्त 1980

निर्देश सं० पी० आर० नं० 1150 ए० सी० क्यू०-23-1 /80-81—अत: मुझे एस० एन० मांडल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रौर जिसकी वं टी॰पो॰एस॰ नं 18 एफ॰ पी॰ नं 8, है। तथा जो दुकान नं 14 इहियाभाई चीमनलाल क्लोथ मार्केट शएरकोटडा अहमदाबाद में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद अनूसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16-1-1980।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से एसे दूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक इत्य से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (श्व) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम. 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अब, अक्त अधिनियम नी धारा 269-ग के, अनुसा में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (१) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:---

- (1) में भणुरेस कोर्पोरेशन हिस्सेदा द्वारा, श्री छ। बु-भाई दशरथलाल पटेल 111, सरकीवाड, सारंगपुर, श्रह्मदाछाद (धन्तरक)
- (2) रामिकशोर बाबुलाल जैन 703, न्यू क्लोथ मार्केट रायपुर दरवाजा के बाहर, श्रहेमेंदाबाद (ग्रन्तरिति)

को यह सूचना बारी करके पूर्वाक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वासीप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अमृसुची

एक दुकान नं० 14, जो भूललीय जमीन पर खड़ी है, उसका माप 14.46 वर्ग मीटर, जिसका नं० एफ० पी० नं० 8 टी० पी० एस०, 18 से है, वह डाह्याभाई जीमनलाल क्लोथ मार्केंड शरस्रकोडडा भ्रहमदाबाद में स्थित है उसका पूरा वर्णन रजिस्ट्रीऋत बिकी दस्तावेज जैसे की रिका० नं० 1336 ता० 16-1-1980 में दिया गया है।

एस० एन० मोडल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद

सारीख: 18-8-1980

प्राख्य आई० टी० एन० एस०----

आयकर प्रवितियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-म (1) के प्रधीन सुमना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्रण) मर्जन रेंज,-I अहमदाबाद

श्रहमदाबाद दिनांक 18 श्रगस्त 1980

निर्देश नं० पी० श्रार० न० 1151 ए० सी० क्यू० 23-/80-81--श्रतः मुझे एस० एन०मां छल,

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- कार्ये से श्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० टी० पी० एस० नं० 18, एफ० पी० नठ० 8 है तथा जो शरकोटार, डी० सी० क्लोथ मार्केट, श्रहमदाबाद में स्थित है (श्रौर इससे उवाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद, में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 16-1-1980

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भौर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया भग्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य, से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त भाध-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कभी करने या उससे बनने में सुविधा के सिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या जिसी धन या अन्य घास्त्यों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रीधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रीधिनयम, या धनकर ग्रीधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः, श्रव, उक्त श्रधिनियम की घारा 269-ग के समु-सरण में, में, उक्त श्रधिनियम की घारा 269-व की उपघारा के अधीन निम्नलिक्त व्यक्तियों, शर्यादः --

- (1) मैं भथुरेश कार्पोरेशन, भागीदार द्वारा, बाबुभाई दशरणलाल पटेल, 11, सरकीवाड, सारंगपुर, धहमदाबाद (म्रन्तरक)
- (2) मैं ० हरसदकुमार द्वारकादाम सगार के वाली, विभुषन हरसदकुमार मानेक चौक, धाचीनी पोल, ग्रहमदाबाद (भ्रन्तरिती)

को यह मुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भजेन के लिए कार्येकाहियां करता हूं।

उपत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब के किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के शब्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं शर्य होगा, जो उस शब्याय में दिया गया है ।

प्रनुसूची

एक दुकान नं० 27 भूतलीय जमीन पर खड़ी, जिसका माप 14.71 वर्ग मीटर है, टी० पी० एस० 18 का एफ० पी० नं० 8 है, जो शहरकोटडा, श्रहमदाबाद में स्थित है। जो रिजस्ट्रीकृत बिकी दस्तावेज द्वारा रिज० नं० 1332 ता० 16-1-1980 में पूर्ण वर्णन होया गया है।

> एस० एन० मांडल सक्षम प्राधिकारी, सङ्घायक ग्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण); ग्रर्जन रेंज-I ग्रहमदाबाद

तारीख: 18-8-1980

मोहर:

4--266GI/80

प्ररूप आह². टी. एन. एस.-----

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, श्रहमवाबाद,

श्रहमवाबाद, दिनांक 18 श्रगस्त 1980

निर्देश सं० पी० घार० नं० 1152 ए० सी० क्यू० 23-1/80-81—घतः मुझे एस० एन०, मांडल,

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० टी० पी० एस० 18 का एफ० पी० नं० 8, हैं । तथा जो शाहरकोटडा, डी० सी०, क्लोथ मार्केट स्रहमदाबाद, में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रीधकारी के कार्यालय स्रहमदाबाद, में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन 16-1-1980

को पूर्णोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, ऐसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक कप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ओर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कहें, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मो: मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निचित व्यक्तियों अधितः—

- (1) मैंसर्स मनुरेश कोपोरिशन, भागीवार द्वारा, श्री बाबुभाई दशरथ लाल पटेल 111, सरकीवाद, सारंगपुर, म्रहमदाबाद (म्रन्तरक)
- (2) श्री महेन्द्र कुमार मानचन्द भद्रेश्वर सोसायटी, एच० बी० कापडीया हाई स्कूल के पीछे दिल्ली दरखाजा अहार, ग्रहमदाबाद (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सध्यत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृषांकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अथाहस्ताक्ष्री के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्मब्दीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहो अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्स् ची

एक दुकान नं० 2 भूतलीय जमीन पर खडी, जिसका माप 14.13 वर्ग मीटर है, टीपीएस० 18 का एफ० पी० नं० 8 है, जो शाहरकोटडा, श्रहमदाबाद मे स्थित है, जो रजिस्ट्रीकृत बिक्री दस्तावेज द्वारा रजि० नं० 1333 ता० 16-1-1980 में पूर्ण वर्णन किया गया है।

> एस० एन० मांडल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I ग्रहमदाबाद

तारीख: 18-8-1980

प्रकप आई॰ टी॰ एन॰ एस॰---

आयमार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च (1) के व्यक्तीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
प्रजेन रेंज-I, अहमदाबाद
प्रहमदाबाद, दिनाक 18 ग्रगस्त 1980

निवेश सं० पी० घार० नं० 1153 ए० सी० क्यू० 23-I/80-81—ग्रत: मुझे एस० एन० माण्डल,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत प्रधिनियम' कहा नया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- र० से प्रधिक है

श्रौर जिसकी सं. टी० पी० एस० 18 का एफ० पी० नं० 8 है। तथा जो शहरकोटडा, ग्रहमदाबाद, में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद, में रिजस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 16-1-1980

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुईं किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी अध्य या किसी घन या अन्य आस्तियों का जिन्हें भारतीय प्राय-कर आधिनियम, 1922 (1922 का 11) या छक्त मौमनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रतोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, फियाने में सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त प्राधिनियम की घारा 269-म की उपधारा (1) के अधोन, निम्नतिखित व्यक्तियों, वर्षात्:—

- (1) श्री मेसर्स, मधुरेस कोर्पोरेशन भागीदार द्वारा श्री बाबुभाई दशरथलाल 111, सरकीवाड, सारंगपुर, श्रहमदाबाद (ग्रन्तरक)
- (2) श्री जासुदबहन चीमनलाल शाह थेयरपुर नगर सोसायटी, नया वाङ्ग श्रहमवाबाद (श्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उनत संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर जक्त क्यांबर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा सम्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उपत अधि-नियम, के भव्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अव्याय में दिया गया है।

अनुसुची

एफ० दुकान न० 24, भूतलय जमीन पर खड़ी, जिसका माप 14 81 वर्ग मीटर है, टीपीएग० 18 का एफ० पी० न० 8 है। जो शहरकाटडा श्रहमदाबाद में स्थित है, जो रिजस्ट्रीकृत बीक्री दस्तावेज द्वारा रिज० न० 1336 ता० 16-1-1980 में पूर्ण वर्णन हो गया है।

> ए० एन० माण्डल सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेज-प्र श्रहमवाबाद

तारीख: 18-8-1908

प्रकथ माई॰ टी॰ एन॰ एस॰----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

श्रहमदाबाद दिनांक 18 श्रगस्त 1980

निर्देश सं० पी० श्रार० नं० 1154 ए० सी० क्यू० 23-1/80-81—श्रत: मुझे एस० एन० माण्डल, श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिंधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उक्ति बाजार मूख्य 25,000/- द॰ से अधिक है भीर जिसकी सं० एस० नं० 2 ए० टी० पी० एस० नं० 18 का एफ० पी० नं० 8 है। तथा जो शहरकोटडा झहमदाबाद, में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रमुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विश्वत है), रिजस्ट्रीकर्सा श्रधिकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद, में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 30-1-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उक्ति बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए पन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उक्ति बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत अधिक है और धन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय याया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण तिखित में वास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है:---

- (का) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम के धधीन कर देने के धन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बजबे में सूविधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी आम या किसी धन या घण्य धास्तियों की, जिन्हें भारतीय भायकर घिविनयम, 1922 (1922 का 11) या उन्त घिविनयम, बा धन-कर घिविनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती धारा प्रकट नहीं किया वया या या किश जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के बिए।

वतः सव, उनतं समिनियमं की बारा 269वं के अनुसरक में, में, उनतं समिनियमं की भारा 269वं की उपमारा (1) के अधीत, निम्नलिखित व्यक्तियों, मधीत:---

- (1) श्री मेसर्स मधुरेश कोर्पोरेशन भागीदार द्वारा, श्री बाब्भाई दशरथलाल पटेल, 111, सरकीवाड, सारंगपुर महमदाबाद। (म्रन्तरक)
- (2) श्री कैलाणचंद्र रामधनजी, 20, सुरासनगर सोसायटी नवरंगपुरा, श्रहमदाबाद (श्रन्तरीति)

को यह सूचना जारी करके पूर्जोक्त धम्पत्ति के अर्जन के शिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के समान्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविष्य मा तस्तम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविष्य, जो भी भविष्य बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितयह
 किती प्रक्ष्य व्यक्ति द्वारा, भन्नोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वव्दीकरण--द्रममें प्रयुक्त शढ़ां और पर्वोक्ता, जा उक्त अधिनियम के प्रव्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रयं होगा भी उस प्रव्याप में विद्या गया है।

अनुसूची

एक दुकान नं० 19, भूतलीय जमीन पर खड़ी, जिसका माप 14.50 वर्ग मीटर है, एस नं० 21 ए टी० पी० एस० नं० 18का एफ० पी० नं० 8 है, जो गहरकोटडा,श्रहदामबाद में स्थित है, तथा रजिस्ट्रीकृत बिक्री दस्तावेज द्वारा रजि० नं० 2189 ता० 30-1-1980 में पूर्ण वर्णन हो गया है।

> एस० एन० माण्डल, सक्षम ग्रधिका**लै₃** सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I श्रहमदाबाद

तारीख: 16-8-1980

प्रकप धाईं • टी • एव • एस • ~----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीर सूचना

भारत सरकार

का**यांसय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)** श्रर्जन रेंज-^I, अहमदाबाद

श्रह्मदाबाद, दिनांक 18 ग्रगस्त 1980

निर्देश ग० पी० श्रार्० नं० 1155 ए० सी० क्यू० 23-I/80-81—यतः मुझे, एग० एन० माङल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उत्तत अविनियम' कहा गया है), की भारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर मं उत्ति, जिसका चिकत बाजार मूक्य 25,00 छं- रूज में अधिक है

स्रौर जिसकी सं० एस० नं० 2 ए, टी० पी० एस० नं० 18 का एफ० पी० नं० 8 है। तथा जो गरहकोटडा, स्रहमदाबाद में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद्ध स्रनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विजित है), रिजस्ट्रीकर्चा अधिकारी के कार्यालय, स्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 जा 16) के स्रधीन 30-1-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति क उचित बाजार मूह्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और भुके यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूह्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पत्तह प्रतिशत अबिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अग्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे ब्रग्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निश्विकित उद्देश्य में उक्त धन्तरण लिखित में वास्त्रविक कप से किंवत नहीं किया गया है।

- (क) भ्रम्तरण से हुई किसी आय की बाबन उकत अधिनियम के अधीन कर देने के भ्रम्तरक के दायित्व म कमी करने या उससे बचने में सुविधा के त्या । और। या
- (ख) ऐसी फिसी आए या किसी धन या अन्य आस्तियों की, किस्हें भारतीय आवकर अधिनियम, 1922 (192 : 11) या स्वस्त अधिनियम, प्रा सन्यक्तर पश्चितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रको पास सन्तिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था स्वीतिया आता जाहिए वा, श्विपाने में सुविधा के लिए;

जाता अब, उपत अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, में उनत अधिनियम की धारा 269-च की चपवारा (1) के अधीत; निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जीत्:——

- (1) मैंसर्स, मथुरेस कोर्पोरेशन भागीदार द्वारा, श्री बाबुभाई वशरथलाल पटेल, 111, सरकीवाड, सारंगपुर, श्रहमवाबाद । (श्रन्तरक)
- (2) श्री जानी, प्रविनचंद्र डाह्याभाई लवरीनी पोल धनासुधारनी पोल, ग्रहमदाबाद (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मंबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्नंबंधी व्यक्तिमों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ब) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के मीतर उक्त व्यावर संपत्ति में हितबढ़ किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण --- इसमें प्रमुक्त भव्दों श्रीर पदां का, जो उवस धिक्षित्मम के कद्याय 20-क में परिभाणित हैं, बही श्रथं होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एफ० दुकान नं० 11, जो भूतलीय जमीन पर खड़ी, जिसका माप 14.58 वर्ग मीटर है, एस० नं० 2-ए, टी० पी० एस० नं० 18 का एफ० पी० नं० 8 है, जो शहरकोटडा, अहमदाबाद में स्थित है, राजिस्ट्रीइन बिकी दस्तावेज द्वारा राजि० नं० 2183 ता० 30-1-1980 में पूर्ण वर्णन किया गया है।

एस० एन० माण्डल सक्षम श्रधिका**लै** सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, महमक्षाबाय

तारीख: 18-8-1980

प्ररूप आई० ठी० एन० एस०---

आयकर ग्रधिनियम, 1981 (1981 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

> भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्रण)

> > श्चर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 18 श्रगस्त 1980

निर्देश सं० सी० ग्रार० नं० 1156 ए० सी० क्यू० 23-I/80-81—यतः मुझे एस० एन० मांडल ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क्पये से ग्रिधिक है ग्रीर जिसकी सं० टी० पी० एस० नं० 18 का एक० पी० नं० 8 है। तथा जो शहरकोटडा, ग्रहमदाबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण क्प दिसे विश्वत है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, ग्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन 30-1-1980

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तिरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर प्रन्तरक (प्रन्तरकों) ग्रीर प्रन्तिरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त ग्रान्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रीध-नियम, के ग्रीमिन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रन्थ भास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था श्रिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अव, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के धनु-सरम में, में, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अमीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रर्णात्:—

- (1) न्यू मेसर्स मंपॉरिश कोपेरिशन, भागीदार बाबुभाई दशहरथ लाल, 111, सरकीवाद सारंपुर, ग्रहमदाबाद (श्रन्तरक)
- (2) श्री राजकुमार ऋिपालदास, पन्चाल नगर नवा वाडाब रोड, ग्रहमदाबाद । (ग्रन्तरिति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भ्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रिष्ठि-नियम के श्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं श्रथं होगा, जो उस श्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एफ० दुकान नं० 3 जो भूललीय जमीन पर खड़ी माप 14.10 वर्ग मीटर टी॰ पी॰ एस॰ 18 का एफ० पी॰ न॰ 8 हैं, जो णहरकोटडा, प्रहमदाबाद में स्थित है, जो रिजस्ट्रीकृत बीकी दस्तावेज द्वारा रिजि॰ नं॰ 2193 ता॰ 30-1-1980 में पूर्ण वर्णन किया गया है।

> एस० एन० **मांडल** सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-I श्रहमदाबाष

तारीख: 18-8-1980

मोहर .

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

काय लिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-I, धहमदाबाद

भ्रहमवाबाद, विनांक 18 अगस्त 1980

निर्देश सं० पी० श्रार० नं० 1157 ए० सी० स्यू० 23-I /80-81—यतः मुझे एस० एन० मांडल,

क्सयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-कः के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त जिसका उक्तित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० टी० पी० एस० नं० 18 का एफ० पी० नं० 8 है। तथा जो शहरकोटडा श्रहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड श्रनूसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ना श्रधिकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908न का 16) के श्रधीन 30-1-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है भीर अन्तरिक (अन्तरकों) भीर अन्तरिता (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत जनत प्रधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या प्रत्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

धतः अव, उक्त भविनियम, की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त भविनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1) के अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थाण् :--

- (1) मेसर्स मधुरेस कोपोरिशन, भागीदार द्वारा, श्री बाबुभाई दशरथलाल, 111, सरकीवाडा, सारंगपुर हम-श्रहमदाबाद (ग्रन्तरक)
- (2) (1) प्रेमचन्द क्रिपासदास (2) जगदीण क्रिपासदास, 1, पंचाल नगर, नवा वाडज रोड श्रहमदाबाद (मन्तरिति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 विन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खन) इस सूचना के राजयत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-वड़ किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकते।

श्यक्तिकारणः --इसमें प्रमुक्त शब्दों घीर मदों का, जो छक्त प्रशिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है। वही अर्थे होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

प्रमृत्सुची

एक दुकान नं० 18, जो भूतलीय जमीन पर खडी माप 14.88 वर्ग मीटर, टी० पी० एस० नं० 18 का एफ० पी० नं० 8 है, जो शहरकोटडा, श्रहमदाबाद में स्थित है, जिसका पूर्णवर्णन रिजस्ट्रीकृत, बिकी दस्तावेज द्वारा रिज० नं० 2192 ता० 30-1-1980 में दिया गया है।

> एस० एन० मांडल सक्षम प्राधिकारी स**हायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षक्षण)** श्रर्जन रेंज-I श्रहमदाबाद

तारीख : 18-8-1980

प्ररूप प्राई॰ टी॰ एन॰ एस॰----

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा, 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आय**कर आयुक्त (निरीक्तण**)

श्रर्जन रेंज, अहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 18 श्रगस्त 1980

निर्देश सं० जी० आर० नं० 1158 ए० सी० क्यू०, 23-1/80-81—अतः मुक्षे एस० एन० मडल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-ख के अधीन समम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- व० से अधिक है

श्रौर जिसकी मं० पी० सी० एस० न० 18 का एफ० पी० नं० 8, है। तथा जो गहरकोटडा, श्रहमदाबाद, में स्थित हैं (श्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत हैं), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद, में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन ता: 5-1-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है धीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत अधिक है धीर धन्तरिक (धन्तरिक) धीर धन्तरिक (धन्तरिक) धीर धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाथा गया प्रतिफन, निम्नलिखित उद्देश्य से उसत धन्तरम, निम्नलिखित उद्देश्य से उसत धन्तरम,

- (क) घन्सरण से हुई किसी घाय की बाबत, उक्त ग्रीवन नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में पुविधा के बिए; धीर/या
- (ख) ऐसी जिसी घाय या जिसी धन या घग्य धास्तिकों को जिग्हें भारतीय भाय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना घाहिए बा, छिपाने में सुनिधा के लिए;

धव, उक्त प्रशिनियम की भारा 269-म के प्रनुसरक में मैं, उक्त प्रविनियम की धारा 269-व की उपवारा (1) के अधीन बीनिक्नसिक्तिक व्यक्तियों, प्रकृति:---

- (1) मैसर्स मधुरेस कोर्पोरेशन भागीदार हारा, श्री बाबुभाई दशरथलाल, 111, सरकीवाड, सारंगपुर, श्रहमदाबाद (श्रन्तरक)
- (2) श्री मनोहरलाल मत्यनारायणद काबरा श्रनन्त स्मृति, हिन्दु कोलोनी रोड़, नं० दादर बम्बई (ग्रन्तरिति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

जनत सम्पत्ति ने अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविष, जो भी भविष बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की वारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी अस्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्तीकरण। इसमें प्रमुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उनत सिंध-नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं सर्व होगा, जो उस सब्याय में विया गया है।

अनुसूची

एक दुकान नं० 6, जो भूतलीय जमीन पर खड़ी, माप 14.59 वर्ग मीटर, टी० पी एस०, नं० 18 का एफ० पी० नं० 8 है, जो शहरकोटडा, श्रहमदाबाद में स्थित है, जिसका, पूर्ण वर्णन रजिस्ट्री∌त बिकी दस्तावेज द्वारा रजि० नं० 295 ता० 5-1-1980 में दिया गया है।

> एस० एन० मण्डल मक्षम प्रोधिकारी सहायक म्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-र्म म्रहमदाबाद

तारीख: 18-8-1980

मोहरः

प्रकप भाई • टी • एन • एस • ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269 व(1) के अधीन मुचना

मारत सरकार

कार्यालय, महायक श्रायकर **धायुक्त (निरीक्षण)** श्रर्जनरेज-, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनाक 18 श्रगस्त 1980

निर्देश सं० सी० श्रार० नं० 1159 ए० सी० क्यू० नं० 23/1/80-81—श्रतः मुझे एस० एन० मांडल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्जात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 2.9-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/-व • से प्रधिक है

भीर जिसकी सं० टी० पी० एस० 18 का एफ० सी० नं० 8, है। तथा जो शहरकोटडा, श्रहमदाबाद में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनूसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ण श्रधिनियम के कार्यालय, श्रहमदाबाद, में रिजस्ट्रीकर्रण श्रधिनियम के कार्यालय, श्रहमदाबाद, में रिजस्ट्रीकर्रण श्रधिनिम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 16-1-1980 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उनित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है बीर मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यवा । वॉक्त सम्पति का उनित बाजार मूल्य, उसके
बृष्यमान प्रतिकत से, ऐसे वृष्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रम्तरक (अन्तरकों) और प्रम्तरिती (प्रम्त-रितियों) के बीच ऐसे अम्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निक्ति निक्षित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्त्विक रूप से कियत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी धाय की नावत उक्त प्रावितियम के श्रमीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी जरने या उससे बचने में मृजिधा के लिए। और/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए चा. हिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अव, उकत अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निशिक्षित व्यक्तिशों अधित्:~-- 5--266G1/80

- (1) श्री मेसर्स मथुरेस कोर्पोरेशन भागीबार द्वारा, श्री बापुभाई दशरथलाल पटेल 111, सरकीवाड सारंगपुर, श्रहमदाबाद । (श्रन्तरक)
- (2) श्री भ्रागोक कुमार रतनलाल, हिमालया पार्क, नवरंगपुरा, म्रहमदाबाद, (अन्सरिति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पति के अर्जन के निए कार्यवाहियां करता हुं।

बक्त सम्पनि के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाओप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की अवधि या सरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की खबधि, जो भी धबधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाणन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा प्रश्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के शब्दाय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होता, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

एक दुकान नं० 20 जो भूतलीय जमीन पर खडी, माप, 14.40 वर्ग मीटर, टी० पी० एस० 18 का एफ० पी० एस० नं० 8 है, जो शहरकोटडा ग्रहमदाबाद में स्थित है, जो रजिस्ट्रीकृत बिक्री दस्तावेज द्वारा रजि० नं० 1335 ता० 16-1-1980 में पूर्ण वर्णन किया गया है।

> एस० एन० मांडल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज श्रहमदाबाद

तारीख: 18-8-1980

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, श्रहमदाश्राद

श्रहमदाबाद, दिनांक 1 सितम्बर 1980

निर्देश सं० पी० श्रार० नं० 985 एक्पी० 23-II/80-81-श्रतः, मुझे' एस० एल० मांडल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परवात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० नोद नं० 1210 वार्ड नं० 5, हरिपुरा मैन रोड, है। तथा जो सूरत में स्थित हैं (श्रौर इससे उपायद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्री-नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 29-1-1980 को पूर्वांक्त संपीत्त के उपित बाजार मूल्य में अस के उर्धमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त संपीत्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से अक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मा, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उण्धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अथितः—

- (1) श्री हरिलाल शिवशंकर रावल के० कार्यपालक (1) जगदीश चन्द्रा हरिलाल रावल, (2) पुष्पा गौरी हरिलाल, हरिपुरा, मैंन रोड सूरत (ग्रन्तरक)
- (2) श्री बिपिनचन्द्रा हीरालाल घडियाली हरिपुरा भवानिवार्ड, सूरत (श्रन्तरिति)

को यह सूचना जारी करके पृथांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के पास निक्ति में किए जा सकरी।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिक्षाणित है, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत जो नोद नं० 1210, वार्ड नं० 5, हरिपुरा मेन रोड, सूरत में स्थित है। जो सूरत रजिस्ट्रार के कार्यालय में दिनांक 29-1-1980 में रजिस्ट्री की गयी है।

> एस० एन० मांडल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर घायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, घहमदाबाद

तारीख: 1-9-1980

मोहरः

प्ररूप ब्राई० टी० एन० एम०→→→

ब्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, तहाबक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 1 सितम्बर 1980

निर्देश सं० पी० ग्रार० नं० 988 एक्वी०/23-II /80-81—ग्रतः मुझे एस० एन० नांडल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रुपए मे मधिक है

श्रौर जिसकी सं० नं० 228/1 श्रौर 229/1 पैकी फ्लाट नं० 24 और 24/1 है। तथा जो विजलपोर रोड, विजलपोर नवसारी में स्थित है (श्रौर इससे जापाबद्ध श्रन्सूची में श्रौर पूर्ण रूप से विजत है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय, नवसारी में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 15) के श्रिधीन ता 16-1-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके पृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत श्रिष्ठक है और अन्तरक (प्रन्तरकों) और अन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य मे उक्त अन्तरण निवित्त में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त श्रिष्ठि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

म्रतः, भव, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-ग के भ्रनु-सरण में, में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निविखत व्यक्तियों, श्रथींतु:---

- (1) श्री कानजीभाई गोविन्दजी पटेल, श्री रमणिकलाल कानजिभाई पटेल, राम सोसाइडी, नवसारी (श्रन्तरक)
- (2) प्रधान श्री बाबुभाई पुनाभाई पटेल, सचीवः श्री मणिभाई वसानजी वीरा आदर्श कोग्राप० हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड विजलपुर, नवसारी (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रार्णन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूजना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दिताइ किनी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पान लिखित में किए जा सकेंगे:

स्वष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जी उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अयं होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत जो सर्वे नं० 228/1 और 229/1 पैकी प्लाट नं० 24 श्रीर 24/2, विजालपुर रोड, विजालपुर, नवसारी में स्थित है। जो नवसारी रिजस्ट्री के कार्यालय में स्थित तारीख 16-1-1980 में रिजस्ट्री की गयी है।

> एस० एन० मांडेल सक्षम प्राधिकारी स**हा**यक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

तारीख: 1-9-1980

प्रकप साई = दी = एव = एस = -----

आयकर प्रक्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

पारत बरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 1 सितम्बर 1980

निर्देण सं० ग्रार० नं० 987/एक्बी० $23~\Pi/80-81$ — श्रत. मुझे एस० एन० मांडल,

क्षायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्यात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा क्या है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका चित्र वाजार मूख्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है

और जिसकी सं कर्न न 33 जमीन है तथा जो भ्राली बरूच में स्थित हैं (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ध्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, बरूच में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 24-1-1980

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये पन्तिरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है सि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (मन्तरकों) भीर मन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया क्या प्रतिफल, निम्नलिखिन उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में सास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी माय की बाबत उक्त अधिनियम के ग्रंथीन कर देने के नन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिप्ध भीर/बा
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अध्य धास्त्यों को जिन्हें भारतीय आयकर धिष्ठित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधितियम या धन-कर धिष्ठित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अक्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया काया किया जाना चाहिए का, धिपाने में सुविधा के लिए;

अक्षः ग्रम, उक्त ग्रम्थिनियम की घारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त ग्रम्थिनियम की धारा 269-च की उपवारा (1) के अधीन निकालिकत व्यक्तियों, अथीत्:--

- (1) नारायण एस्टेट के भागीदार, पुनम भाई देवजि— भाई प्रजावित खुद और मुखतार नामा नमबसे 2-5- (2) मनजुला बेन रावजिभाई प्रजापित, (3) पदमाबेन कन्हैया-लाल पटेल (4) भारतिबेन जितेन्द्र शाह, (5) पूणिमाधेन जयन्तकुमार पन्चाल, गुजरात हाउसिंग बोई, बि० नं० 34,-1 बरोच। (अन्तिरक)
- (2) श्री चेयरमैन श्री ग्रबदुल रहिम रसुलकेसर बट्टी के द्वारा दिजिनगर को हाउसिंग सोसायटी हाफिज मंजिल ग्रली, डिसिवार्ड, बारूच। (ग्रन्तरिति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की भवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विश्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हितवस किसी अस्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकेंगे।

श्वब्दोकरण:---इसमें प्रयुक्त गब्दा भीर पदों का, जी उन्त प्रधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है बड़ी अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है

अनुसूची

जमीन जो भ्रभी सर्वे नं० 33 में स्थित है। जो बरूच राजस्ट्रार के कार्यालय में तारीख 24-1-1980 में राजस्ट्री की गयी है।

> एस० एन० मांडल सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख 1-9-1980 मोहर: प्ररूप धाई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 प(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रजन रेंज-II, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 1 सितम्बर 1980

निर्देश मं० श्रार० 986पी० एक्यू० 23/II/80-81—यतः मक्षे, एस० एन० मंडल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन समाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उजित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से मधिक है

श्रीर जिसकी सं० 11/2, कानबीवासा, ब्रोच है, तथा जो ब्रोच में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनूस्ची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, ब्रोच में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन 10-1-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृत्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भौर मुझे वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके वृत्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है भौर अन्तरक (भन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से अक्त भन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई विसी द्याय की बाबत, उक्त प्रधितियम के अधीन कर देने के द्वास्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धीर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य प्रास्तियों को जिन्हें भायकर धिष्ठानियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रिष्ठित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व प्रस्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना थाडिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः श्रम, उन्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के श्रमुसरण में. में, उन्त श्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री मणिलाल भगवान दास पटेल श्राली, काछियाबाड़ श्रोच। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री जगदीश भाई मोहन भाई, खनवालाण चाल श्रो॰ एन॰ जी॰ सी॰ डिसपैसरी के पीछे श्रोच (ग्रन्तरिती)

को यह सूचता जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा, प्रधौदस्ताक्षरी के पास लिखित किए जा सर्कोंगे।

स्वब्दोकरण:--इसमें प्रमुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

जमीन जो० कानबोवासा क्रोच में सर्वे नं० 11/2 में स्थित है। जो क्रोच रजिस्ट्रार के कार्यालय में तारीख 10-1-1980 में रजिस्ट्री की गयी है।

> एस० एन० मंडल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रज-II, ग्रहमदाबाद

तारीख: 1-9-1980

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण) भार्जन रेंज, अहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 1 सितम्बर 1980

मुझे एस० एन० मंडल अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-वा के धर्धीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृश्य 25,000/- चपये से ग्राधिक है भ्रौर जिसकी सं० नं० 11/2 जमीन हैं। तथा जो कानबी-वासा, क्रोच में स्थित है (श्रौर इससे छपाबद्ध श्रनसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, ब्रोच में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 10-1-1980 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के बुश्यमान प्रक्षिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर सक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यद्यापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यभाग प्रतिफल से ऐसे

बृध्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से मिश्रक है और अन्तरक (भन्तरकों) भीर अन्तरिती (भन्तरितियों) के भीज ऐमे भन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक इप से कविक

नहीं किया गया है :---

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उपस प्रधिनियम, के भंधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्य में कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय घाय-कर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त प्रधिनियम या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः ग्रनः, उनत अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, उनत धिधिनियम की घारा 269क की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित ध्यक्तियों, अर्थातः....

- (1) श्री मणिलाल भगवानदास पटेल, श्रली,काछियावाड क्रोच (ग्रन्तरक)
- (2) श्री श्राम्बालाल बालू भाई पटेल, पुनीत को० आ० हार्डासंग सोसायटी 17, श्रोच (श्रन्तरिति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करना हूं।

उक्त सम्पत्ति के झज़ँन के संबंध में कोई भी झाछोप:---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के धीतर उकत स्थावर सम्पण्ण में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोपस्यान अरी के पास लिखित में किये या सबेंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त गम्यों और पदों का, जो उक्त श्राणि नियम के शहयाय 20-क में परिभाषित हैं वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया सभा है।

धनुसूची

जमीन जो कानबीनासा, श्रांच, में सर्वे नं० 11/2 में स्थित है। जो श्रांच रिजस्ट्रार के कार्यालय में तारीख 10-1-1980 को रिजस्ट्री की गयी है।

> एस० एन० मंडल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

तारीख: 1-9-1980

प्ररूप भाई० टी• एत• एस•-----

सयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) को जास 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, अहमदाबाद

भ्रह्मदाबाद, दिनांक 1 सितम्बर 1980

निदेश सं० पी० आर० नं० 984/एक्बी/23-/II-80-81-अतः मुझे, एस० एन० मॉडल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त पश्चिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अश्चीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र• से प्रधिक है

ष्रौर जिसकी मं० ज० 3253 हि सी न० 5 है। तथा जो लाकावाड पाड़ी विसार वैशाली सिनेमा पास नडियाड में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबत अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय नडियाड रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के

प्रधीन जनवरी 1980 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के नृश्यमान प्रतिकल
के लिए प्रम्तरित की गई है भीर मुसे यह विश्वाम करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान
प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पश्चत् प्रतिक्रत से अधिक है
भीर प्रन्तरक (प्रन्तरकों) भीर प्रन्तरिती (अंतरितिभों) के बीच ऐसे
प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निश्वित अश्चेष्य से
उक्त प्रम्तरण लिखित में बास्तविक अप से क्षित नहीं किया गया
है:—

- (क) धन्तरण से दृई किमी भाग की बाबत, उबत घिनियम के बधीन कर देने के घन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीत्र अधिनयम, 1922 (1922 का 11) या एक्स अधिनियम, या जन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था; खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः धन, उनत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उनत अधिनियम की धारा 269-घ की उपवारा (1) के अधीन, निम्निक्षित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1 श्री जयोतिन्द्रा सूर्यकान्त पटेल ग्रीर दुसरे लाकाघाई चोरा पासे नाडियाड (ग्रन्तरक)
- (2) श्री हईहेशवरीनगर को हाइ० सोसाइटी लिमिटि के द्वारा मुख्य प्रमोटर जगवींशचन्द्रा मोहनलाल शाह के द्वारा पुषकर और मार्फत जमीन का श्रायोजक सरदीर भवन बावला के निट नाडियाड (श्रन्तरिति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्टीकरणः---इसमें प्रयुक्त शक्यों भीर पदों का, जो जक्स भिन्नियम के भध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा. जो उस भक्ष्याय में विया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका सर्वे नं० 3253 हिसा नं० 5 में लाकवाड पाढी विसार में टि० पि० एस० नं० 1 नाडियाड में स्थित है। जो चिक्षी खाता नं० 6 पर सब रिजस्ट्रार नाडियाड के कार्यालय में सम्पूर्ण विणित में। रिजस्ट्री की गयी है।

तारोख जनवरी महिने में।

एस० एन० मॉडल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, अहमदाबाद

तारीख: 1-9-1980

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रजैन रेंज, अहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 3 सितम्बर 1980

निर्देश सं० पी० श्रार० नं० 1161 ए० सी० क्यू० 23/ 80-81—श्रत: मुझे, एस० एन० मांडल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्स जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

द्योर जिसकी सं० मुनि० नं० 1017/57 प्लॉट नं० 82 है तथा जो होस्पिटल रोड भुज में स्थित है (ग्रीर इससे खपाषड़ अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्त्ता अधि-कारी के कार्यालय भुज में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 10-1-1980

को पूर्वांकत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्तें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांकत संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क्) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविषा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अबं, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्युक्तियों सुधातः—

- 1. श्री प्रवात शामजी भूडीया (2) श्री करसन शामजी भूडीया (3) श्री कानजी शामजी भूडीया (4) श्री गोबिंद शामजी भूडीया नवावास भाधापर कच्छ भुज (अन्तरक)
- 2. श्री सोनारा महमद आदम ईसाक जरवाउ बंदर अवदासा तालुका कच्छ, भुज (श्रन्तरिति)
- 3. (1) डा॰ जगदीण एच॰ मह्ता, (2) डा॰ अतुल शिवलाल जानी (3) श्री रमनलाल बन्लभ भाई (4) देना बैक भुज (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवांकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सक³गे।

न्यक्रिक्षण —हसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा गया है।

अनुसूची

एफ० मकान जमीन पर खड़ा है, जिसका माप 444-4-0 वर्गगज और प्लाट नं० 82, म्यु० नं० 1017/57 जो हस्पताल रोड भुज में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन रजिस्ट्रीकृत बिकी दस्तावेज, रीजन नं० 48 ता० 10-1-80 में दिया गया है।

> एस० एन० मांडल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रहमवाबाद

नारीख: 3-9-1980

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269थ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्थात्र सहायक स्रायकर प्रायुक्त ॄै(निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 1 स्तिम्बर 1980

निर्देश संव पी० श्रार० नं० 1162 ए० सी० क्यू० 23-I/80-81—-ग्रतः मुझे एस० एन० मांडल,

भायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त मिधिनियम' कहा गया है) की घारा 269-ख के मिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति. जिपका उचित बाजार मूह्य 25,000/- कपए से मिधिक है

श्रीर जिसकी सं० एस० नं० 454 पी० 450 पी० श्रीर 441-1 तथा प्लाट नं० 180 181, है। तथा जो जी० श्राई०डी० सी० ईन्डस्ट्रीयल टाउनिशिप, नराडा श्रहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उापायद्ध श्रनूसूची में श्रीर पूर्ण रूप से ग्राणा है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रीन 22-1-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया हैं:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उन्त ग्रिध-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए, ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं ग्रन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया मया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

ग्रतः श्रब उक्त श्रधिनियम की घारा 269-ग के श्रनुसरण में,में, उक्त ग्रधिनियम की घारा 269-घ की उपघारा (1) के श्रशीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रयीत्ः च (1) श्री मेसर्स भगवती ईन्डस्ट्रीज प्लाट नं० 180, नरोडा इन्डस्ट्रीयल डाउनणिप नरोडा, ब्रह्मदाबाद (ब्रन्तरक)

(2) श्री मेसर्म कार्मी राईस मील मनोहएलाल रालचंद परसी चाल, मनकती मार्केच के सामने श्रहमदाबाद (श्रन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी अ्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अ्यक्तियों में से किसी अ्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितक्षद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम के शब्याय 20क में परिभाषित है, वही श्रथं होगा, जो उस शब्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत, जिसमें इन्डस्ट्रीयल शेल तथा कार्यालय ढलाक का समावेग है जो जमीन माप 10404 वर्ग मीटर पर खड़ी है, जिसका एस० नं० 454 जी०, 450 पी, तथा 441-1 स्रौर प्लाट, नं० 180 181/1, जो जी० स्नाई० डी० सी० इन्डस्ट्रीयल टाउनशिप गाँव नरोड़ा जिला स्नहमदाबाद में स्थित है। जिसकापूर्ण वर्णन रजिस्ट्रीकृत बिकी दस्तावेज द्वारा रीजन, नं० 1746 ता० 22-1-1980 में दिया गया है।

> एस० एम० मांडल सक्षम प्राधिकारी सहायक घायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

तारीख: 1-9-1980

मोहर:

6-266GI-80

प्ररूप आहे. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेज-I, प्रहमदाबाद

श्रहमदाबद, दिनाक 1 सितम्बर 1980

निदेश सं० सी० आए० न० 1163 ए० सी० क्यू०, 23-1/80-81 — अत. मुझे एस० एन० मांडल, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० ईन्डस्ट्रीयल मकान जिसकी ग्रभी की जानकारी है। तथा जो गोडल रोड, ओक्ट्रीय नाका के पास, ग्रीर० ग्रीर० सीट, इन्डस्ट्रीज में स्थित है। (ग्रीर इससे उपायक अनुभूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ग अनुभूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ग प्रधिन्तियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 21-1-1980 को पूर्णक्त सपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वर्षय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक स्थ से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मो कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातुः—

- (1) श्री मशीकान्त हरजीभाई सीनरोजा गोडल रोड, राजकोट (ग्रन्तरक)
- (2) श्री रमजीकलाल भानजीभाई पटेल 3 भकतीनगर, स्टेशन प्लाट राजकोट (श्रन्तरिति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उस्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्यष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिशाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान जिसकी जानकारी आर० ग्रार० सीट० इन्डस्ट्रीज में हैं, जो 570-8-36 वर्ग गज जमीन पर खड़ी हैं, जो गोंडल रोड, ओकट्रोय नाका के साथ, राजकोट में स्थित हैं। जिसका पूर्ण वर्णन रजीस्ट्रीकृत बीकी दस्तावेज नं० 342 ता० 21-1-1980 के रिजि० अधिकारी द्वारा राजकोट में दिया गया है।

एस० एन० मांडल सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज-^I, म्रह्मदाबाद

तारीख: 1-9-1980

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०--

आयकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर भागुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-I अहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 1 सितम्बर 1980

निर्देश मं० पी० ग्रार० नं० 1164 ए० सी० क्य०, 23-J/80-81--- अत: मझे एस० एन० मण्डल, आयकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृहय 25,000/-रुपये से ग्रधिक ग्रीर जिल्ली सं० प्लाट नं० 179 पैकी है । जो भाखु भाजीपरा, स्टे० प्लाट ग्राबावाडी रोड, धोराजी में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रानमुची में ग्रीर पर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, धोराजी में रजिस्ट्री-करण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 16-1-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्याम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से श्रधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर श्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित छदेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त भधि-नियम, अप्रधीन कर देने के श्रन्तरक के वायिस्व मं कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; भ्रोर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः, श्रव, उक्त ग्रधिनियम की घारा 269-ग के प्रनु-सरण में, में, उक्त ग्रधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा के (1)के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत:——

- (1) श्री ए० सतार जीसाव गफाली (2) फातमाभाई ए० करीम दोनों पुलिस लाईन पर धोराजी, जिला राजकोट (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती णालाबेन मोहनलाल कानेरीया, भाखुभाजीपरा म्टेशन प्लाट, श्राबाडी रोड धोराजी। (श्रन्तरिति)

को यह सुचना जारी करके पुर्वोक्त सम्पत्ति के झर्चन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के भ्रजीन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षीप :---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्मत्ति में हितन किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों घौर पदों का, जो उक्त अधि-नियम के श्रव्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रव्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान जो 775 वर्गगज माप जमीन पर खडा है जिसका प्लाट नं० 179 पैकी जो भाखुभाजीपारा, स्टेशन प्लाट, श्राबा० रोड, धोराजी में स्थित है जो बिकी दस्तावेज न० 22/16-1980 रजास्ट्रीकत्ती श्रीधकारी धोराजी द्वारा बिना रजिस्टेड जिसमें पूर्ण वर्णन किया गया हैं।

> एम० एन० मण्डल सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, प्रहमदाबाद

तारीख 1-9-1980 मोहर:

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०⊸--

म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269म (1) के मधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक झायकर झायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-I, अहमदाबाद

भ्रह्मदाबाद, दिनाक 1 सितम्बर 1980

मामकर भिर्धानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख क प्रशीत पञ्चम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर गम्मति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

भ्रौर जिसकी में एमें ० 448 पैकी प्लाट नं 14 पैकी जमान है तथा जो 20, जमनाथ प्लाट राजकोट में स्थित है (श्रौर इससे उपाबड श्रन्सूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्ट्रीकक्ती श्रीधकारी के कार्यालय, राजकोट, में राजिस्ट्रोकक्ता श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन ता 24-1-1980

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरित (अन्तर्को) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश म उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत एक्त अधि-नियम के ग्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या प्रस्य प्रास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर श्रीधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर श्रीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव उक्त श्रधिनियम की धारा 269ग के श्रनुसरण में, में, उन्त श्रधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के श्रधीन; निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री रसिकलाल मोहनलाल बोरा दिगविजय रोड, राजकोट (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती दिवालीबेन नरमीभाई 43, प्रहलाद प्लाट राजकोट (श्रन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण: ---इसमें प्रयुक्त सन्दों और पवों का जो उक्त सप्ति-नियम के झड्याय 20क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा जो उस सड्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

खुला प्लाट जिसका सर्वे० न० 448 पैकी प्लाट न० 14 पैको जमीन का माप 206-2-0 वर्ग गज है जो 20, गगनाथ प्लाट राजकीट में स्थित है। मिलकत का पूर्ण वर्णन बोक्रो दस्तावेज न० 435 ता० 24-1-1980 जो रजीस्ट्रीकरण ग्राधिकारा राजकीट द्वारा विधि राजस्टर्ड है।

> एस० एन० मांडल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, ग्रहमदाबाद

तारोख: 1-9-1980

मोहर

प्ररूप आर्घ. टी. एन्. एस.----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज-11, अहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 9 सितम्बर 1980

निर्देण पी० श्रार्० नं० 990/एक्वी 23 II/80-81----श्रतः मुझे मांगीलाल.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी करे, यह विश्वास कर ने का कारण है कि स्थावर मंपिता जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ष्रौर जिसकी सं० दि० नं० 80 एस० नं० 3442 व 3448 है तथा जो ध्रपेकस सोडा फैक्ट्री कागडीवाड, नवसारी में स्थित है (घ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में घ्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नवसारी में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 21-1-1980

को पूर्वाक्त संपरित के उमित बाजार मृत्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उमित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का पन्निलिखत उद्विषय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत उक्त किंध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व कें कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- (1) गिरधरलाल विभवनदाम, रामानन्व कोट, आईम वगला, (2) रमेशाबन्दा गणपनराम इंजीनियर, (3) पारेणभाई गणपतराम इंजीनियर, (4) निरंजन गणपतराम इंजीनियर कुल मुक्तियांल नं० 2 ग्रींर 3, शिवाजी पार्क, राधासदन सी-1 माईड, बाबे (ग्रन्तरक)
- 2. (1) श्रं शवार भाई ईसमायिल भाई, (2) इसमायिल भाई श्रवदुलभाई, (3) रणीदावेन भवीर भाई श्रीर तासनिम का रक्षक, कागडीवाड, नवसारा (श्रन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निर्धित में किए जा सकारी।

स्पव्हीकरणः--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुस्ची

मिलकत जो मालूम "अपेशाम सोडा फैक्ट्री" कागडाबाड नवसारो में स्थित है । जो नवसारी रिजस्ट्रार के कार्यालय में ताराख 21-1-1980 में रिजस्ट्रा की गयी है।

> मांगो नाम सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

ताराषा: 9-9-1980

प्रकृप प्राई • टी • एन • एस • ---

अध्यक्तर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के मजीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-II अहमदाबाद

म्रहमदाबाद, दिनाक १ गितम्बर 1980

निर्देण गं० पार० नं० 99 । एकका 23- Π_{18} 0-81--श्चनः मुझे माग्रालाल

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आरा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क० में अधिक है

श्रौर विस्ताः स्वांस्व टिंग् एस्व नव ८, एस्व नंव ३४४२-३४४८ है, तथा जा प्रश्तिम मोडा फैक्ट्र कागडीवाड नवसारः से स्थित है (श्रौर उसम उनाबाद प्रतूस्का में श्रीर पूर्ण रूप स विणित है), पिन्स्ट्राकर्त्ती श्रीधकारी के कार्यालय सबसारः से राजिस्ट्राकरण श्रीधित्यम, 1908 (1908 का 16) ज श्रिका 21-1-1980 को

पूर्वोक्त संपत्ति क उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यभान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास फरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यभान प्रतिफल का पन्तह प्रतिभाग प्रतिफल के पन्तह प्रतिभाग प्रतिक है और ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) और ग्रन्तरिती (ग्रन्तरित्यों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिक का निम्निति खेन उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में बास्तविक स्था से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण स हुई किसं भाष की बाबत उक्त श्रिष्ठ-नियम के श्रद्यी। कर देने के अन्तरक के वायित्य में कमा करन मा उसके बचने में मुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किमी धन या भ्रन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धत-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती श्रारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा ने लिए;

अतः, प्रम, उनन प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की प्रारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) 1. गिरवारीलाल श्री भुवनदास श्रह्मदाबाद (2) निरनजनभाई गणपतराम इंजीनियर सिनयर खुद श्रीर कुल मुक्तियार रेमेणचन्द्रा गणपतराय एन० इंजिन यर (3) परेगमाई गगातराय, एन० इंजिनियर, णिवाजा पार्क रधामाधन मि॰ मैंड बाबे (अन्तरक)
- (2) साबारभाई ईसमालिमाई, इसमाल भाई भाव स्रबद्ध-भाई कागडा बार्ड नवसारा (प्रस्तर्गित)

को यह मुचना जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के ए अपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की भन्नित्र या तत्मस्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्योक्त व्यक्तियों में मे किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इप सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हिनना कि किसी धन्य न्यन्ति द्वारा, अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्ठी करण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त धिधिनियम के ध्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, वही ध्रष्ट होगा, जो उस ध्रष्ट्याय में दिया गया है।

प्र**नुसूच**ी

मिल त जो मातम अपेक्स भोडा फैक्ट्रा, कागडो बालू, नवसारा में हिथत है। जो नवसारा रिजस्ट्रार वे कार्यालय मे नारीख 21-1-1930 म रिजस्ट्रा कि गयी है।

> मांर्गः लाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-Шग्रहमदाबाद

तारीख 9-9-1980 मोहर

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०----

भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेज-ग्रि, अहमदाबाद

भ्रहसदाबाद, दिनाव 9 (सतम्बर 1980)

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 34 युनिट नं० 3, हाउप नं० 16, है तथा जो बिजया पार्क सुमाईटी लुणपी नवसार में स्थित है (ग्रीर इससे उपावड ग्रनुसूचा से श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), र्राज्यहालनी अधिकार के कार्यालय, नवसारी में रिज्यही करण अधिस्थम, 1908 (1908 का 16) के श्रार्थान 10-1-1980।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि विस्तिविक उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक कम से कथित नहीं किया गया है:- -

- (क) अन्तरण स हुई किसी आय को बाबत उक्त ग्राधि-नियम के प्रधीन कर देने के अस्तरक के दायिरव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; घौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्षन श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ण भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के निए;

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रतु-सरण में, में, बक्त धिधिनयम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्रः विनोदर छ।टूभाई देणाई, श्रीमती विधुलाबेन विनोदराई देशाई, लुनमः कूयः विजया पार्क मोमाइटः, नवमार। (ग्रन्तरक)
- (2) श्रा वसन्त नामदेव पावार जि० जि० चावल 1 प्रयमित नवसारा। (श्रन्तरित)

कौ यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रजंन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्पम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अन्धि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर अन स्थावर सम्पत्ति में हिंत-बर किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विखित में लिए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस श्रध्याय में विया गया है।

अनुसूची

मिक्तन जो विजया पार्क सोमाइट. ल्नसी कुई, हारस नं० 6, नवनारा में स्थित है । जो नवसारा रिज्य्हार के कायलिय में तारोख 10-1-1980 में रिज्युटा का गया है।

> मांगः लाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II श्रहमदाबाद

तारोख . 9-9-1980 मोहर : प्रकप माई॰ टी॰ एन॰ एस॰----

आषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की छारा 269-च (1) के अधीर सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंच-I, श्रहमदाबाद

श्रह्मदाबाद, दिनांक 9 सितम्बर् 198 0

पीठ स्राप्त नंत 1166 एक्की 023—I/80—81— स्रतः मुझे, मांगी लाल आयकर प्रश्विनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवास 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधान सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- क से प्रधिक है

श्रीर जिसके। सं ० एफ ० पी ० नं ० 548/5/-टी ० पी ० एस ० नं ० 3 है नथा जो छदावाद श्रहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध स्रतुमुची। में श्रीर पूर्ण स्था से विणित है), रिजर्ड कर्ती श्रीविकारों के कार्यालय श्रहमदाबाद में रिजर्ड किरण श्रीधिनारमें के कार्यालय श्रहमदाबाद में रिजर्ड किरण श्रीधिनारमें के कार्यालय श्रहमदाबाद में रिजर्ड किरण श्रीधिनारमें, 1908 (1908 को 16) के श्रीध न दिनांक 23-1-1980 की पूर्वोंक्त सम्पत्ति के छचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, एसके दृश्यमान प्रतिफल का परद्वह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिती (अन्तरिक्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित छद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक कप में कियत नहीं किया गया है। ---

- (क) अन्तरण से हुँ३ किसी आय की बाबत उक्त यां प्रानयन के बाधीन कर देने के अन्वरक के दायिस्व में कभी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या घण्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय भायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत प्रधिनियम, या धन-कर भिष्ठिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रथ: श्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269—ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269—घ की उपघारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

- 1. श्रो दिनेश भाई त्रोक्सनाल, सुनरिश्रा सुनरिश्रा बिल्डिंग प्रीतमनगर, ग्रह्मदाबाद (श्रन्तर्क)
- 2. सिद्धचक्र को० ओप० हाऊसिंग रोसायटी ६६, शांतीसदन एस्टेट, लाल दरवाचा अहमदाबाद (अन्तरिनी)

को यह सुचना जारी सरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में शोई भी पाक्षेप:--

- (क) इय मूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारी ख से 45 विन की सर्वाध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामी स से 30 किन की सर्वाध, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना कें राजपन में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबढ़
 किसी धार्य व्यक्ति द्वारा अधोद्दश्ताकरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---श्रममें प्रयुक्त माढदों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रश्याय 20 व्या में परिभाषित है, वही प्रश्ने होगा, जो उस पश्याय में विया गंग है।

अनुसूची

जमीन श्रीर मकान जिसका टी०पी० एस० नं० 548/5 श्रीर 3 है श्रीर जो माप में 218 वर्गगज है श्रीर जो अहमदावाद में स्थित है। यह मिलकन रिजिस्ट्री कर्ना अधिकार। श्रहमदाबाद द्वारा रिजस्टर्ड नं० 1821 के द्वारा ना० 23-1-1980 के शेष रिजस्टर्ड की गई है।

> मांगी लाल सक्षम प्राधिकारी सहायक घ्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) घर्जन रेंज-I, घ्रहमदाबाद

तारीख: 9-9-1980

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

माय हर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्णन-रेज-I, श्रह्मदाबाद श्रह्मदाबाद, दिनांक १ सिनम्बर 1980

पी० श्राप्त नंत 1167 एक्व ० 20-1-80-- 81-- श्रद मुझे, मांगी लाह

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ज के अधीत पन्नम प्रधिकारी को, यह विश्वास करते का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रुपये में अधिक है और जिसका मं० एफ० पा० नं० 548/5 टी० पी० एस० न० 3 है तथा जो छेदावाड श्रह्मदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपावड श्रम्भुवी में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है) रिजस्ट्रा गिश्रा श्रह्मदाबाद में रिक्स्ट्रीकरण अधित्सम, 19(8 (1908 का 16) के श्र्यान अधीन 23-1-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से वम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के उन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तर्फ (अन्तरकों) भौर भन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तवित रूप में कथि। नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण में हुई किसी श्राय की बाबन उक्त श्रधि-नियम, के श्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रत्य म्रास्तियों को, जिन्हें भारती । याय वर मिंधिन रम, 1922 (1922 का 11) या उपन मिंधिनियम, या धन कर भ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः" अब, उन्त अधिनियम की घारा 269-ग के मनुसरण में, मैं, उन्त प्रधिनियम की घारा को 269-घ को खपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन:---

- 1 श्रामित णाता बेत्रग्रवाताल सुतरिया, सुतरिया विविद्या, प्रातन नगर, ग्रहमदाबाद (ग्रन्तरक)
- 2 सिद्धवक को० ग्रोप० हा० से(० लि० 66, णांती-निकेतन एस्टेट, लाभ दरवाजा, श्रहमदाबाद (श्रन्तरिनी)

को **यह** सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हैं।

उका सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:→-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील ने 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवत व्यक्तिमों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूत्रता के राजात में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर समाति में हितबढ़ िक्सी प्रना व्यक्ति द्वारा, प्रधोहम्ताक्षरी के पान लिखित में किए जा सकोंगे।

ह्पड्टीतरगः - -इ मिं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त स्रिधि-निगम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही सर्व होगा, जो उस स्रुख्याय में दिया गया है।

श्रनुस्ची

जमान श्रीर मकान जो माप में 109 है चोरसगज श्रीर जिसका टा॰ पं।० न० 548/5 है श्रीर जो छदावाड श्रहमदाबाद में स्थित है। यह मिलकन रिजस्ट्रो कर्ती श्रधिकारी श्रहमदा-वाद द्वारा ना॰ 23-1-1980 को रिजस्टर्ड की गई है।

> मांगः लाल सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) भर्तन रेज-I, ग्रहमदाबाद

नारीख: 9-9-1980

प्रकप काई• टी॰ एन• एस•----

आयकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) के प्रवीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद

भ्रहमदाबाद, दिनांक 9 मितम्बर 1980

पी० घार० नं० 1168/एक्बी०23——1/80——81—— घतः मुझे मांगी लाल

आयकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इस के पश्वात 'जनत प्रधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, बहु विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इपय से अधिक है

श्रीर जिसकी सं एफि पार नं 548/5, टी पी एम नं 3 है तथा जो छदाबाड श्रह्मदाबाद में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुमुची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्राकर्ता श्रिधिकार। के कार्यालय श्रह्मदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख23-1-1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के बृश्यमान श्रिक्त के जिए श्रम्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य उसके बृश्यमान प्रतिफल के प्रिष्ट स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य उसके बृश्यमान प्रतिफल का प्रमुख प्रतिवात से प्रधिक है और अन्तरक (श्रम्तरकों) भोर अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे भ्रम्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निस्थित चहेश्य से उच्त श्रम्तरक लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निस्थित चहेश्य से उच्त श्रम्तरक लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निस्थित चहेश्य से उच्त श्रम्तरक लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निस्थित चहेश्य से उच्त श्रम्तरक लिखित में बास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है:---

- (क) भ्रम्तरण से हुई किसी आय की बाबत उकत भ्रीक्षितियम के भ्राधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए, जीर/या
 - (स) ऐसी किसी माय या किसी सन या घरन श्रास्तिकों को जिन्हें भारतीय भाय-कर समितिकम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर भिष्ठित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गमा या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः बन, उक्त अधिनियम की घारा 269—ग के सनसरण में, में, जक्त अधिनियम की घारा 269—व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थीत् :--

- श्री भदरेस अम्बालाल मृतिरिया; मृतारिया बिल्डिंग प्रीतमनगर अहमदाबाद (भ्रन्तरक)
- 2 मिद्धचक को० घ्रोप० हाऊ० मोनायती लिमिटेड 66, णातीसदन एस्टेट लाल दरवा हा, घ्रहमदाबाद (ग्रन्सरिती)

को यह सुचना जारी चरके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किमी प्रन्त व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्पडती कर गः—इसमें प्रयुक्त प्रान्दों भीर पदों का, जो उक्त धिविनयम के शब्याय 20 क में परिवाणित हैं, वही धर्ष होगा जो उस शब्याय में दिया गया है।

अनुसुची

एक मकान जो माप में 109 चोरस गज है और जिसका एक पीठ नंद 548/5 टीटपीट एसट नंद 3, है और जो छदबाड ग्रह्मदाबाद में स्थित है । श्रीर मिलकन रजिस्ट्रोकर्ती श्रमकीत श्रह्मदाबाद द्वारा ताद 23-1-1980 को रजिस्टर्ड की गई है।

> मांगी लाल मक्षम प्राधिकार। महासक द्यायकर द्यायुक्त (निरीक्षण) द्यर्जन रेंग I, ग्रहमदाबाद

तारीखाः: 9-9-1980

मोहरः

प्रकथ भार्र•टो•एन•एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च (1) के प्रधीत सूचना

घारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज-1, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनाक 9 मितम्बर 1980

आयकर प्रिवित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रीवित्यम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मून्य 25,000/- क• से प्रधिक है

स्रौर जिसकी स० एफ० पा० न० 548/5 का टा० पी० एस० न० 3, है तथा जो छडावाड, महमदाबाद में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबड़ स्रनुस्वा में स्रौर पूर्ण रूप स विणित है), रिजस्ट्राकर्ती मधिकार। क कार्यात्य महमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण प्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रबीन तारीख 23-1-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के छिनित बाजार मूल्य से कम के बूश्यमान प्रतिफल के निए प्रस्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यनापूर्वोक्त सम्पत्ति का उनित बाजार मूल्य, उसके बूश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बूश्यमान प्रतिफल का पन्छह प्रतिशत से भिष्ठक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितयों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तय पामा स्था प्रतिफल, निम्नलिखित उद्ध्य से उक्त भन्तरण सिखित में बास्तविक रूप से कथिश नहीं किया गया है --

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बावत, उवत अधिनियम के अधीन कर देने के प्रन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के शिए; बीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अस्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या घन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अत: अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रमुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीत, निम्नमिखित स्यक्तियों अर्थात्:--

- श्री अजीत भाई त्रीकमलाल सुतरिया, लुतरिया बिल्डिंग प्रातमनगर एलिनश्राच, प्रहमदाबाद (श्रन्तरक)
- 2 सिद्धचक को० श्रोप० हाउसिंग सोमायटं। लिमिटेड 66 गातिसदन एस्टेट, लाल दरवाजा श्रहमदाबाद

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां भरता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन क संबंध में कोई भी आक्षीप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीखा से 45 दिन के मीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हिंतबद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, मझोहस्ताक्षरी के पास विखित में किये जा सकेंगें।

स्ट्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त प्रीव्यतियम के शब्दाय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होना जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान जो 218 वर्ग गज जमान पर एफ० पी० न० 548/5 का टी० पी० एम० नं० 3 से छडवाड श्रहमदाबाद में स्थित है। जो मकान बिकाखाता स० पूर्णन विणित है श्रीर रिजस्ट्री न० 18 20 से नारीख 23-1-1980 की रिजस्टर्ड किया गया है।

मार्गः लाल सक्षम प्राधिकारी महायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेज I, स्नहमदाबाद

नारी**ख** : 9-9-1980

मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-I, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनाक 9 मितम्बर 1980

पार प्राप्त नर 1170/एक्वीर 23-/80---81---प्रत मुझे मागी लाल

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- इ॰ से प्रधिक है

श्रीर जिसकी में एफ पी जेंच 548/5 का टी पि पी जेंच ने ने का टी पी जेंच ने ने का टी पि पी जेंच ने ने ने ने किया जो छाड़ावाड श्रहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण म्य में बिणित है), रि स्ट्रीवर्ता श्रीविकारी के कार्यालय श्रहमदाबाद, में रिजस्ट्रे, करण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन 23-1-1980

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मृत्य से कम के वृश्यमान प्रतिक्रल के लिए अन्तरित की गई है भीर पुत्र यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और यह कि प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पत्या गया प्रोतेकत, निम्नलिखित उद्देश्य मे उक्त अन्तरण कि लिखित में बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रिधिनियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः धव, उक्त अधिनिथम की धारा 269-ग के अनुसन्ध में, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निग्नलिखित व्यक्तियों, अपीत्:-

- 1 श्रा नरेशभाई तिकामनाल सुनरीया, सुनरीया बिल्डिंग, प्रातमनगर, एलिनबीजी, ब्रह्मदाबाद (ब्रन्तरक)
- 2 सिद्धचक को० स्राप० हाउसीग सोसायटी लिमिटेड 66 गाति मदन ऐस्टेट, लालदण्याजा श्रहमदाबाद

(अन्तरितः)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी धविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूचीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब के किसी अन्य स्थिकत द्वारा, अधोहम्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सक्ये।

स्पट्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'खक्त श्रवि-नियम', के क्षठ्याय 20-क में परिकावित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान जो 218 वर्ग गण जमीन पर एफ०पी० नं० 548/5 काटी० पी० एस० न० उसे छाडावाड ग्रहमदाबाद में स्थित है। जो महान बिकी खत में सपूर्णतः, विणित है श्रौर रिजस्ट्री नं० 1822 में तारीख 23-1-1980 को रिजस्ट्री किया गया है।

> मागी लाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, श्रहमदाबाद

नारीख : 9-9-1980

प्रारूप आई० टी • एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) की घारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-¹, ग्रहमदाबाद

भ्रह्मदाबाद विनाक 9 सितम्बर 1980

पी**० ग्रा**र० न० 1171-एवजी० 23-I/80-81—-ग्रत मुझे, मागी लाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन मक्षम प्रधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मूल्य 25,000/- रु• से प्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० एफ० पी० न० 548/5 का टी० पी० एम० न० 3 है तथा जो छाढ़ावाढ ग्रहमदाबाद में स्थित हैं (ग्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रिजिस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 23-1-1980

1908 (1908 का 16) क अधान 23-1-1980
को पूर्वोक्त सम्पति के उचिन बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान
प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
बसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और भन्तरक (प्रन्तरको) और भन्तरिती
(भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण सिखित में
वास्तविक इप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त ग्रिवितयम के अधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या प्रन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर प्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अव, जनत अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मै, चमत ग्रिधिनियम की धारा 269-म की खपधारा (1) के अधीन निम्निखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री प्रफुल भाई वीकामलाल सुतारिय, सुतारिमा बिल्डिंग प्रीतम नगर एलिसबिज, श्रहमदाबाद

(ग्रः गःक)

2 सिद्धचक को० श्रोप० हार्डासग सोमायटी लिमिटेड ६६, गातिसदन ऐस्टेट, लालदरवाजा, श्रहमदाबाद

(भ्रन्तरिती)

को यह सुबना जारी करक पूर्वी⊀त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हूं।

टमा सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकारत का ताराख से
 45 दिन की भविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की भविधि, जो भी
 भविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इन म्बना के राजपक्ष में प्रकाणन की नारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पण्ति में हितज्ञ किसी ग्रम्थ व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जासकेंगे।

स्पन्धीकरण:—इसमें प्रमुक्त शन्दों भीर पदो का, जी उक्त मिलियम के अध्याय 20क में परिचाधित है, बही भर्य होगा, जो उस ग्रह्याय में विमा गया है।

अमुसूची

मकान 218 वर्ग गज जमीन पर एफ० पी० न० 548/5 का टी० पी० एस० न० 3 से छाड़ावाड़ ग्रमदाबाद में स्थित है श्रीर विक्री खत में सपूर्णत. वर्णित है। जिसका रजिस्ट्री न० 1823 है श्रीर 23-1-1980 को रजिस्ट्री किया गया है।

> मागी लाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन र ज-1,ग्रहमदाबाद

तारीख : 9-9-1980।

प्रकप माई • टी • एत • एस • -----

आयकर मिविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) के मिन्नीन सूचना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक धायकर मायुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज-J, श्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 12 सितम्बर 1980

पी० प्रार० 1172/I ऐक्वी० 23-1/80-81—-ग्रतः मुझे मांगी, लाल,

पायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उक्त अधिनियम' महा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सभम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति जिसका उक्ति बाजार मूस्य 25,000/- क्पण से प्रधिक है

प्रीर जिसकी सं 1/जी/4, प्लाट नं 16 बी, प्लान नं 2 है तथा जो विलास के सामने श्रीर पेरेस रोड पर जामनगर में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबंध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बिणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय जामनगर में रिजस्ट्रीकरण प्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन 8-1-1980 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के जिल्ला बाजार मूक्य से कम के वृश्यमान प्रतिकृत के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य उसके वृश्यमान प्रतिकृत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकृत के पन्तर्भ प्रतिशत से अधिक है और प्रतर्भ (भन्तरकों) और अन्तरिती (ग्रंतरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तय पामा गया प्रतिकृत निम्नलिबात उद्देश्य से उक्त भन्तरण विश्वत में गस्तिक कप से कियत नहीं किया गमा है:---

- (क) प्रश्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त भिर्मानयम के अत्रीत कर देने के प्रश्तरक के वायित्य में कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए घोर/या;
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती आरा प्रकट नहीं किया स्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में शृविका के लिए;

अल , धन, उन्त प्रधितियम की धारा 269-ग के प्रनुसरक में में, धनत प्रधितियम की खारा 269-च की चपमारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रवित्त :---

- (1) प्रभुदास हीराचन्द प्रेमानी प्रताप विलास के पास जाम-नगर (श्रन्तरक)
- (2) श्रो गोबिन्दभाई भगवानजी परमार प्रताप विलास के सामने जामनगर

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

खबत सम्पत्ति के भार्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाओप (-

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भी तर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (य) इस मूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन के भीतर छक्त स्थावर सम्पत्ति में दिसक द किसी भन्य क्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निक्कित में किए जा सकेंगे।

श्यक्तीकरण: ---इसमें प्रयुक्त मान्दों और पत्तों का, जो उक्त ग्रीधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस ध्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जो माप में 5728 चोरस गज है और जिसका सं० नं० $1/\Im l/4$, प्लाट नं 16 बी और प्लान नं० 2 है। यह जमीन प्रताप विलास पेलेस के सामने जामनगर में है। और जो रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जामनगर द्वारा ता० 8-1-1980 को रजिस्टर्ड की गई है।

मागी लाल सक्षम प्राधिकारी सहायक झायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-I, श्रहमदाबाद

वारीख: 12-9-1980

प्रक्ष भाई० टी• एन• एस•---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के सधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

घ्रहमदाबाद, दिनांक 12 सितम्बर 1980

पी० श्रार० नं० 993/एक्त्री०-23-II/80-81—श्रतः मुझे भौगीलाल

आयकर अधिनियम, (1961 1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के ध्रधीन समाम प्रधिकारी की, यह विश्वास करने का खारण है कि स्वावर संपत्ति जिसका उच्छि बाजार मृह्य 25,000/-र॰ से अधिक है

श्रीर जिसकी सं ० नं ० 1091 श्रीर 1092, श्रार० एम० नं ० 276/2 है तथा जो बालाजिपुरा विमार, कृष्णा टाकीज के मामने में स्थित हैं (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण क्य से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीकारी के कार्यालय बढ़ोदा में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिन्तम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जनवरी, 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूक्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए धर्निर की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके वृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिफल प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और भन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्तलिखित उद्देश्य से अन्तरण भिकार में बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरम में हुई किसा धाय की बाबत उपत अधि-नियम, के प्रधीन कर देने के प्रशासक के वायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के किए; घीर/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या सन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ घन्छरिती ज्ञारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, जियाने में सुविधा के लिए ।

अतः अवः, उन्त अधिनियम की घारा 269-ग के सन्-सरण में, में, उन्त अधिनियम की घारा 269-व की उनकारा (1) के अधीन, निम्नजिबित व्यक्तियों, अर्थात्।---

- श्री मित ईनधीराकुमारी करनिसनजी चन्द्रामिनजी;
 कृष्णा टाकीज के सामने, श्रार० वी० देसाई रोड बढ़ौदा।
 (श्रन्तरक)
- 2. ग्रभार कत्मट्रक्शन कं० के द्वारा भागीदार भाईलाल भाई कृष्णा टाकीज के सामने, ग्रार० वी० देसाई रोड, बढ़ौदा (श्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन केलिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सबंध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामी ल से 30 दिन की घवधि, जो भी घवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति डारा;
- (ख) इस भूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्कावर संपत्ति में दित-बद्ध किमी अस्य क्यक्ति द्वारा, अओहस्ताक्षरी के पास क्रिकित में किए जा सकेंगे।

स्वब्दीकरण !--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उनत अधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, को उस ग्रध्याय में विया गया है।

अनुसुकी

जमीन जो कृष्णा टाकीज के सामने बालाजिपुरा विस्तार में बेरोड सिटी में स्थित है जिसका सरवे नं 0.1091 और 1.092 और प्राप्त एस 0.76/2 है। जो बिकी खन नं 0.40 पर सब रजिस्ट्रार, बेढ़ोदा के कार्यालय में तारीख जनवरी, 1980 में सम्पूर्ण वर्णन पर रजिस्ट्री की गयी है।

मांगी लाल सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायुकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

तारीख 12-9-1980। मोहर: प्ररूप आई ० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

काय्निय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II,श्रहमदाबाद

श्रमदाबाद, दिनांक 12 सितम्बर 1980

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं ० प्लाट 4 भौर 5 है तथा जो विट्ठल उद्योगनगर. वल्लभ विधानगर के पास में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आंगद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के आधीन जनव री 1980।

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, ऐसे स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उक्ससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनयम, या धनकर अधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण अर्रे, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिश्चत व्यक्तियाँ अधितः—

- श्रीमित मंगलाबेन पटेल श्ररविंदभाई चुनीमाई की पत्नी बीन परसोत्तमदास कुलमुख्त्यार पटेल हर्षदभाई जशभाई
- (2) पटेल गारदाबेन हर्षदभाई काला केंद्रवाके पीछे, वल्लभ विद्यानगर (श्रन्तरक)
- 2. श्री भगवान दास मनजीभाई मिस्त्री णान्ति पोल, वल्लभ विद्यानगर (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपरित मों हित- बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारी।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त क्षव्यों और पदों का, लो अक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

जमीन जिसका प्लेट नं 4 और 5 और जो बल्लभ विद्यानगर में स्थित है। ये जमीन वीकी खाता नं-54 में जान्युआरी 1980 में रिजम्ट्रीकर्ता कार्यालय श्रांगद में रिजम्ट्री की गई है।

> मांगी लाल मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त श्रधिकारी श्रर्जन रेंज-II श्रमदावाद

प्तारीख 12-9-1980। मोहर: प्ररूप आर्च. टी. एन. एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

फाय्सिय, सहायक गायकर जायुक्त (निरीक्षण)

म्पर्जन रेंज-II बंम्बई

बम्बई विनांक 25 ग्रगस्त 1980

निर्देश सं ए० आर० II/2930. 9/फरवरी 80 — ग्रतः मुझेऐ० एच० तेजाल

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/ रु. से विध्यक है

मौर जिसकी सं० सी० टी० नं० 20 श्रौर सब डिवाइस प्लाट नं० 3 एस नं० 75 ए (अंग) है 75 (बी) है जो जुहू में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता श्रीकारी के कार्यालय जुहू में रजिस्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्राधीन तारीख 4-12-1980

को पृत्रांक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विद्यास करने का कारण है कि यथाप्यांक्त संपर्ति का उचित बाजार पन्त्रह प्रतिचत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई जिली आम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और√वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्सियों को, जिन्हें भारतीय आयंकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर विधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-में की संपंधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--3---266GI/80 1. भीमति सरला जयचटद सेट

(भन्तरक)

2. सजोय डेश्नरी, श्री महेश एम० गक्टर, मिसेस सुशीला ग्रार मेहता, मिसेस चन्द्रबाला बेन एम० गक्टर, श्री चन्द्रकांत एस० नगरशेठ ग्राफ दि गक्टर फेमली ट्रस्ट

(ग्रन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस बूजवा के राज्यन में प्रकाशन की हारीय है 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी स्पन्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-पास लिखित में किए जा सर्कों।

रपाक्रीकरूपः --- इसमें प्रमुखत क्राब्धों और पदों का, जो उकर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहो वर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

बन्सुची

भ्रतुसूची जैसा कि विलेख नं एस० 558/79 बम्बई उप-रिजस्ट्रार भ्रधिकारी द्वारा दिनांक 4-2-80 को रिजस्टर्ड किया क्या है।

> ए० एच० तेजाले सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-॥, यस्बई

तारीख 25-8-1980। मोहर: प्ररूप आई. टी. एन्. एस.-----

आयुकर श्रीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-श (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) प्रजीन रेंज-2, बंबई

बंबई, दिनांक 29 ध्रगस्त 1980

निर्देश र्स० ए० आर०-II/2955/6/मार्च 80-- अतः मुझो ए० एच० तेजाङ्क

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिमकी सं० प्लाट नं० 75 ए (ग्रंश) 75 (ग्रंश) सण-डि-वहायक्षेड प्लाट नं० 1 सी० टी० एस० नं० 22 है तथा जो जूह में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकत ग्रधिकारी के कार्यालय बंबई में रिजट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 30-3-1980

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उत्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया ही:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मां, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:——

- 1. श्री गिरीश कं० मुन्शी
- (ग्रन्तरक)
- 2. मैसर्स गोदरेज सोव्स लिमिटेड

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्यष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख नं० एस० 557/79 बंबई उपरिज-स्ट्रार अधिकारी द्वारा दिनांक 31-3-1980 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० एच० तेजाले सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बंबई

तारीख: 29-8-1980

प्ररूप आई०टी ०एन०एस०----

भायकर मिस्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के भीनी सूचना

मारत सरकार

कार्बालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बंबई

बम्बई, दिनांक 29 अगस्त 1980

सं० ए० आर०- $I_{I}/2964/$ फ० 80—-ग्रतः मुझे ए० एच० तेजाले

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० एस० नं० 377 सी (पार्ट) हि० न० 1, 2 है तथा जो सांताकुज (पं०) में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बंबई में रजिट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 5-4-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किश्यत नहीं किया गया है:——

- (क) मन्तरण से हुई किसी माय की बाबत उक्त मधि-नियम के मधीन कर देने के मन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; मौर/या
- (क) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रन्थ भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भ्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः मब, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के मनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन,निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:

- श्री वनमालीदास हिराचंद गाह श्रीमित हंसाबेन जयंती-लाल मेहता मैसर्स कुमुमकान्त (बांबे) प्राइवेट लिमिटेड । (श्रन्तरक)
 - 2. सांता ऋज तिवेणी को० आ० हा० सो० सा० लि० (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजेंन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्नीकरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों भ्रौर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वल्ली भ्रयें होगा जो उस भ्रष्ट्याय में विया गया है।

अमुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख नं० ग्रार० 1981/63 बंबई उनरजिस्ट्रार ग्रिधिकारी द्वारादिनांक 5-4-1980 की रिजटर्ड हैं किया गया है।

> ए० एच० ॄतेजाले सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रेंज 2, खम्बई

तारीख 29-8-1980 मोर्र:

तक्य बाई- हो- एम- एस----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ध्रजंन रेंज- III बम्बई

चम्बई, दिनांक 3 सितम्बर 1980

मिर्वेश सं० ए० आर० ए०पी० 351/80-81-अस: मुझे ए० एच० तेजाले
भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उपत अधिनियम' कह गया है), की धारा 269-ख के
अधीन नक्षन प्राधि हारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संगत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० मे
पश्चिक है

मोर जिसकी सं० 1000 प्लाट नं० 1163 है तथा जो मुलुड में स्थित है (प्रौर इससे उपाबद अनुसूची में प्रौर पूर्ण रूप में विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वंबई में रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 16-1-80 विलेख नं० आर० 3606/72

को पूर्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान श्रांतफल के लिए श्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, ऐसे दूरयमान प्रतिफल के पन्ब्रह् प्रतिगत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीव ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फन निन्नि विद्या न उका अन्तरण निखित में बास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त भिध-नियम के अधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसम बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी ध्राय या किसी धन या ध्रम्य क्रांस्तियों को, जिन्हें भारतीय ध्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्रिपाने में शुविधा के लिए;

प्रतः स्रव, अक्त भिधिनियम, की द्वारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की विपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्थात्ः—

- 1. श्री मनसूष्रभाल नगनलाल व्होरा, वाडिलाल मगनलाल व्होरा। (ग्रन्तरक)
 - 2. द नव सूर्यप्रभा को श्रोप हाउसिक सोसायटी लिमिटेड। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्वत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के झर्जन के तम्बण्ध में कोई भी प्राक्षेप .--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारांख से 45 दिन की ग्रविंग या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविंग, जो भी भविंग बाद में लगाप्त हीती हो, के भीतर पूर्वोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीचा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्हीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों हा, जो उक्त श्रिधिनियम, के शब्धाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रर्ण होगा, जो उस प्रव्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख मं० ग्रार० 360% / 72 बंबई उप-राजस्ट्रार अधिकारी द्वारा दिमांक 16-1-80 को राजस्टर्ड किया गया है।

> ए० एच० तेजाले सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज III, बम्बई

तारीख: 3-9-80

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (निरोक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 11 अगस्त 1980

निदेश नं० प्रार०-148 प्रर्जन—प्रतः मुझे अमरसिंह बिसेन प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संवत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से धिक है

भीर जिसकी सं० है तथा जो मो० गडरियान नजीबाबाद में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नजीबाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 22-1-1980।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुश्यमान श्रीतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीब ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत निमाणितित उद्देश्य से उकत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त प्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी धांग या किसी धनं या धन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत ग्रधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में मुक्किश के लिए;

श्वतः, ग्रम, उन्त ग्रधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, खन्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपकारा (1) के निम्निस्थित व्यक्तियों, ग्रायांत:---

1. श्रीमति कलावती देवी

(भ्रन्तरक)

- श्री रईस अहमद खान व श्रीमित रफतफातमा (श्रृंतरिती)
- श्रीमति संतोषकुमारी, रमेश, मुरेश भन्द्रा मोहनलाल व केतागण

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा मकोंगे।

स्पडितेकरण:--इसमें प्रमुक्त सब्दों श्रीर पर्वो का, जो उक्त श्रीधिनयम के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, वहीं प्रथं होगा, जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है।

अनुसूची

गृह मान मय इमारन दुकान व जमीन वाके मोहल्ला गडरियान स्टेगन रोड गहर नजीबाबाद जिला बिजर्मर तथा वह सारी सम्पत्ति जो 37-जी फार्म संख्या 157 व सेलडीड में विणित है जिनका पजीकरण सब रजि० नजीबाबाद के कार्यालय में दिनांक 22-1-1980 को हो चुका है।

> अमर सिंह बिसेन सक्षम अधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, ल**खन**ऊ

तारी**ख :** 11-8-1980

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय. सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 11 जुलाई 1980

निवेश सं० पी-8र्जन--श्रमुझे, श्रमरसिह बिसेन

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-त्र के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या प्लाट 113-डी सिविल स्टेणन तथा मकान नं० 23-डी पुराना है तथा जो नम्बर 35 (थार्न हिल रोड इलाहाबाद) में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से बिणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इलाहाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 31-3-80 को पूर्वोक्स संपित्स के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्चत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए स्य पाया गया प्रतिफल कि निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त जन्तरण सिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण स हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 1!) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में म अवस अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस व्यक्तियों, अर्थात्ः--

- सर्वश्री प्रताप कुमार बुद्धवार व प्रदीप बुधवार (भ्रन्तरक)
- 2. श्री शरदकुमार वाषणेय, मनोज कुमार (ग्रन्तरिती)
- श्री विकेगता एवं श्री बी० के० श्रीवातव (किरायेटार)
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिधोग मे सम्पत्ति है)।
- 4. श्री श्रीमती,कुमारी विक्रेता (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षारी जानता है कि वह सम्पत्ति में हित**बद्ध है**)

को यह स्चना जारी करक पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित मों हित- अद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकोंगे।

स्पद्धिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह³, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भवन नं० 23-डी पुराना (नया नं० 35) स्थित थार्नहिल रोड, इलाहाबाद तथा (2) प्लाट नं० 113-डी सिविल स्टेशन, इलाहाबाद, क्षेत्रफल 3002 वर्गगज (2510 वर्गमीटर) तथा वह सारी सम्पत्ति जिसका वर्णन सेलडीड एवं फार्म 37-जी संख्या 1470 में विणत है जिनका पंजीकरण संब रजिट्रार इलाहाबाद के कार्यालय में दिनांक 31-3-1980 को हो चुका है।

> अमर सिंह बसेन सक्षम अधिकारी सहायक घायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज लखनऊ

तारीख : 11-7-1980

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 22 ग्रगस्त 1980

निर्देश सं० एम-115/ग्रर्जन--ग्रन मुझे, ग्रमरसिंह बिसेन धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)(जिमे इसमें इसके पश्वात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269वा के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्तत्ति, जिसका उचित 25,000/- रुपए में मधिक है मल्य श्रीर जिसकी प्लाट संख्या बी०-929 है तथा जो महानगर लखनऊ में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची मे ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रस्जिट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 18-2-1980 की पूर्वीवत सम्पत्ति के एचित बाजार मृत्य से नम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृह्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से भक्षिक है भीर ग्रन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य ने उक्त प्रत्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबन उक्त श्रधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या श्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः अच, छक्त अधिनियम की घारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, छक्त अधिनियम की घारा 269-च की छपधारा (1) के ीन निम्निजिखत व्यक्तियों, अर्थात :---

- 1. श्री वेद कुमारी ग्ररोग
- (ग्रन्तरक)
- 2 श्रीमित मनोरमा खन्ना
- (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वद्धीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों भ्रीर पदों का, जो उक्त श्रिष्ठि-नियम के भ्रष्ठपाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भ्रष्ट होगा, जो उस भ्रष्ठयाय में दिया गया है।

श्रनुसूची

श्राराजी भाबादी प्लाटनं ० 929 क्षेत्रफल 5508 वर्गफीट स्थित महानगर हार्जीसग स्कीम महानगर लखनऊ व वह सारी सम्पत्ति जो फार्म संख्या 37 जी नं 1013 एवं मेलडीड मे वर्णित है जिनका पंजी-करण सब रजिस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय में दिनाक 18-2-1980 को हो चुका है।

> श्रमर सिंह बिसेन सक्षम प्राधिकारी महायक ग्राय कर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 22-8-1980

मोहरः

प्ररूप शाई० टी० एन० एस०-

अगमकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 1 सितम्बर 1980

निदेश मं० एम-116/प्रजंन—प्रत. मुझे श्रमरसिंह बिसेन श्रायक्तर श्रिष्टिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उन्त प्रिष्टिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रुपये से श्रष्टिक है श्रीर जिसकी सं० 14 है तथा जो मो० सरायखालमा मुरादाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिद्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय मुरादाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 29-2-1980

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के छिचत बाजार मुख्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के निए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है भौर अन्तरक (प्रन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित छद्देश्य से छक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रग्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत जक्त ग्रधि-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या श्रम्थ श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था खियाने में सुनिधा के लिए;

श्रतः, श्रय, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनु-सरण में, में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीतः---

- 1. श्रीमित सरलावाही श्रीराकेणवाही णरद वाही कु० मन्जू वाही कु० ग्रलकावाही (ग्रन्तरक)
 - 2 श्रीमित माधुरी देवी श्रग्नवाल कैलाश नाथ श्रश्नवाल (श्रन्तरिती)
 - उपरोक्त भ्रन्तरक (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के स्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत समाति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धान्तेप :---

- (क) इस सूचता के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की सर्वधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी धवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना क राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन क भीतर उक्त स्थावर सम्मित में हितबब किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रधोतस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्दीकरण:--इसमें प्रवुक्त शब्दों ग्रीर पर्दों का, जो उक्त श्रव्धि-निवम के ग्रष्टवाय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस ग्रष्टवाय में विया नया है।

अनुसूची

श्री श्राराजी प्लाट नं० 14 श्राराजी 140.48 वर्गमीटर स्थित मोहल्ला सराय खालसा सिविल लाइन्स मुरादाबाद व वह सारी सम्पत्ति जो फार्म 37 जी संख्या 426/80 व सेलडीड में वर्णित है जिनका । जीकरण सब रिजस्ट्रार मुरादाबाद के कार्यालय में दिनांक 29-2-1980 को हो चुका ।

> भमर सिंह बिसेन सक्षम भ्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, लखनऊ

नारीख 1-9-1**9**80 मोहर: प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 12 सितम्बर 1980

निदेण सं० एस-183/म्रर्जन—म्प्रनः मुझे म्रमर सिह बिमेन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रज. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी संख्या 11, महात्मा गांधी मार्ग, है तथा जो लखनऊ में स्थित है (ग्रौर इसमें उपाबद्ध ग्रानुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 9-1-1980।

को पूर्वोक्त संपित्त को उचित बाजार मूल्य से कम के ख्यमान प्रितिफल को लिए अन्तरित को गई है और मूक्षे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरका (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिश्त व्यक्तियों अर्थात्:——
9—266 GI/80

- 2 (1) सी० बी० लाल (2) श्रीमित सन्त कुमारी
 (3) मास्टर मोहित (4) मास्टर मुदित (5) मास्टर शोबित
 (7) श्रवण कुमार गुप्ता (7) श्रीमित करुणा गुप्ता, (8) मास्टर
 राम श्रनुज (9) मास्टर बलराम श्रनुज (10) राम किशोर गुप्ता
 (11) श्रीमित मोनी गुप्ता (12) श्रनिल कुमार गुप्ता (13)
 श्रीमित उमा गुप्ता (14) मास्टर भारत कुमार (15) आशोक
 कुमार गुप्ता (16) श्रीमित पुष्पा गुप्ता (17) मास्टर राम अनुज्
 (18) केमरी कुमार गुप्ता (19) श्रीमित प्रेम स्ता गुप्ता
 (20) मास्टर विजय कुमार गुप्ता (21) मास्टर श्रजय कुमार
 गुप्ता।
 (श्रन्तरिती)
 को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्परित के शर्जन के सिए
 कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:~--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भ्रीतर पूर्जोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति हो
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरों।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्धों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भवन एवं भूमि का भाग क्षेत्रफल 2078. 44 वर्ग मीटर स्थित सं 11, महात्मा गांधी मार्ग, लखनऊ तथा वह सारी सम्पति जो सेलडी तथा फार्म 37-जी संख्या 396/80 में वर्णित है जिनका वंजीकरण सब रिजस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 9-1-1980 को हो खुका है।

श्रमर सिंह बिसेन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख 12-9-1980। मोहर: प्रश्रप माई • टी • एन • एस • ---

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन पूजना

धारस परकार

कार्यात्रत्र महायक आयक्त आयुक्त (तिरीक्षण)

श्चर्जन रेन, कानपुर

कानपुर, दिनांक 6 श्रगस्त 1980

निदेश सं० 13 श्रर्जन/79—80 जालौन—-ग्रात , मुझे,बी० मी 0 मी० चतुर्वेदी

आयकर रिश्वितम, 1981 (19-1 का 43) (आसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा जना है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रान्ति का का का के के स्थान करने का कारण १ कि स्थानर सम्पत्ति जिसका उतित बाजार मूल्य 25,000/- रु से मधिक है

स्रोर जिपकी स० कृषि भूमि है तथा जो मौजा टिमरो में स्थित है (स्रोर इसने उपाबक अनुभूची में शौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजम्द्रोभर्ती अधिकारी वे कायलिय उरई (जालीन) में, रिजम्द्री-बर्ण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 9-1-1980

को पूर्वोक्त सपित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रांतफल के निए प्रांतिरित की गई है और मुझे यह निकास करने का नारण है कि यथापूर्योकत गरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का परद्रह प्रांतणत अधिक है और अन्तरण के लिए अय असा गया (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए अय असा गया प्रांतिक से नित्ता निकार उद्देश्य से जनक प्रकारण लिखिड में बास्तविक रूप से वित्त नहीं । क्या गया है क

- (क) अन्तरा से उई ित से साथ को बाबन, उक्त अधि-नियम के सर्वाल २७३५ के साथित्य म राम्य करन या असमें बचने में सुविधा के लिए, और या
 - (ख) ऐभी किसी अगय या अन्त धन या प्रन्म आस्तियों को जिन्हें भारतीय धायकर अजिनयम, 1922 (1922 वा 11) या छना अधिनयम, या धन-कर अधिनयम, 1957 (1957 वा 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः अव, उक्त अधिनियम का धारा 269-ग के प्रनुसरण मे, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियो अर्थात :--

- 1 श्री हिन्ताम सिंह पुत्र श्री डिल्लाबती सा० टिमरो पर० उरई जि० जालीन। (श्रन्तरक)
- 2 श्री प्रभूदयाल व श्री प्रताप सिंह पुत्रगण श्री नाथराम सा० कुसमिलिया, पर० उरई जि० जालौन । (अन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जेन के लिए कश्यंवाहियां सरता हू।

इस्त मपनि के अर्जन ने संबंध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) ६म मूजना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 15 दिन की सबिध मा नत्सबंधो क्यक्तिको पर यूचना की मिनि से 30 दिन की प्रविध, जो भा युवा बाद में सनाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाचन व्यक्ति के में से किसी व्यक्ति बारा;
- (अ) इस मूचना के राजपन में प्रश्यान को तारी खासे 45 दिन के भीतर छवत स्थावर सम्पत्ति में हितबक किसी अन्य व्यक्ति क्षारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में तिए जा सकेंगा

स्रविधोकरण -- उनमे अधुका शब्दो और पदो का, जा उक्त श्रिष्टियम के अध्याप 20-क में परिकाधित है, वही अर्थ होगा जो इस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि जो मौजा टिमरो पर0 उरई जिला जालौन में स्थित है जो कि 24000/- कु० में बेचो गई है।

> बी० सी० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण ग्रर्जन रेज, कानपुर

तारीख : 6-8-1980

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, कानपुर कानपुर, दिनांक 2 ग्रगस्त 1980

निदेश 1716-ए/रूड्कां/79-80--अतः, मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सपत्ति जिसका उचित्त बाजार मूल्य 25,000/- रु. संअधिक है

भीर जिसकी नं 0 भकाग है तथा जो पुरानो तह० में स्थित है और इससे उपाबद्ध प्रतुसुचा में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजर्ट्रा-कर्ती अधिकारी के कार्यालय सड़की में, रिजर्ट्रावारण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 23-1-1980

को पूर्वांक्स संपित्त के उधित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तिक्त की गई हो और मूम्मे यह जिश्वास करने का कारण हा कि यथापूर्वाक्त संपित का टांचत बाजार मूलर, उनके दश्यमान प्रतिफल सं, एसं दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिक्षत से अपेशक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तिरित्ती (अन्तिरित्ति) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्दश्य से अवत अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की भावत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृषिधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किभी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूर्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण भे, गै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उण्धारा (1) क अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातुः——

- श्री श्रक्षय कुमार जैन पुत्र श्री स्थ० ला० सुन्दरलाल जैन, र्नियामी पुरानी तह० स्वकी, सहारनपुर। (श्रन्तरक)
- 2 श्री चुन्ती लाल पुत्र श्री रोचीराम, नियासी ग्राम वण्तान मानरी डा॰ महोरा तह॰ नारायण गढ़ज विशा श्रम्बाना । (प्रन्तरिनी)

का यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन क लिए का काहियां करता हो।

उकत राम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षा.--

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यवितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन को अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (घ) इस सता। के राजधान में प्रकारण के ताराध स 45 दिन के भीतर जबत स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्षित द्वारा अधाहरजाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

ल्पव्हीक्षरणः -- हममी प्रयाका शब्दो और पदो का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-वा मी परिभाषित ही, वहीं अर्थ होना जो उस अध्याय मी विधा नथा है।

अनुसूची

एक बटा दो भाग किता अहाता कुल क्षेत्रफल 1955 वर्ग फुट होता है भागत नम्बार 252 स्थित पुराती तहर हड़की जिता सहारतपुर में स्थित है। जो कि 35000 छ० में बेचा गया है।

> वी० भी० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेज, कानपुर

तारीख: 2-8-1980

प्ररूप आई०टी०एन०एस०---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनाक 2 प्रगस्त 1980

निदेश सं० 1717-ए/रूडकी/79--80--श्रतः मुझे बी०सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है।

प्रौर जिमकी मं० मकान है तथा जो पुरानी तह ० में स्थित है (प्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में प्रौर पूर्ण रूप में विणित है), रिक्ट्रिश ती प्रिक्षिकार, के कार्यालय रूड़की में, रिक्ट्रिश रण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन ताराख 23-1-1980 को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के खरमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके खरमान प्रतिफल से एसे खरमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से बिधक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—— श्र अत्रथ कुमार जैन पुत्र श्र स्थ० ला० मुन्दर लाल जैन निवासा पुराना तह० कड की सहारनपुर (श्रन्तरक)

2.कश्चां,मित शकुन्तला रानो पत्नी खुशोराम निवासा रामधगर कालोना हाइडिल सब स्टेशन के निवट रामनगर कालोनी इड्की महारतपुर (श्चन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में काहि भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यख्दोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उनत अधिनियमं, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

भ्रनुसूची

1/2 भाग अन एक किता श्रहाता उतर मुहाना जिसका कुल क्षेत्रफल 1955 वर्गफुट है मकान नं० 262 स्थित पुरानी तह० रूडिती महारनपुर में स्थित है। जोकि 35000 छ० में बैचा गया है।

> बोर मार चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी महायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेज, कानपूर

तारीख 2-8-1980 मोहर: प्ररूप भाई० टी॰ एन० एस०--

भायकर प्रधिनियम, 1981 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, सामपूर

कानपुर, दिनाक 2 अनस्त 1980

निर्देश मं० 1623 देवतन्द | 79.80---- प्रत मुझे बी० म.० चनुर्वेदो

अ। यकर अधिनियम, 1961 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपये से अधिक है

र्मार िमर्का मं० 10/272 व 273 मकान है तथा जो टावान में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबंड ग्रनुसूर्वा में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीवर्ता ग्रीधकार के वार्यालय देवबन्द में रिक्ट्रीकरण ग्रीधनियम, 19(8 1908 का 16) के ग्राधीन ताराखा 14-1-1980।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से ग्रीधक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखिन में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण में हुई किसी बाय की बादल उकत प्रधितियम के श्रधीन कर देने के मन्तरक के दायिस्य में कमी करन या जससे अचने में मुविधा के लिए, और/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या मन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर मिमनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत मिमनियम, या धन- कर मिमियम, या धन- कर मिमियम, या धन- कर मिमियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त मामिनयम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:-- 1 था, प्रभुतं सारिषुत्र श्राः लियाकन हुसैन व छल्दुल कतास पुत श्राः प्रवृत्व सतार निवासः देवबन्द मो० टालान पो० खास सहारनपुर

(प्रन्तरक)

2 श्राः श्रजसूरण । रामणरण पुत्र श्राः कृष्णपा । निप्रामा ग्राम बहेडो जिला मुज्यफरनगर हाल देवन्द मो० टाकांन नम्बर 10/272य 273 जिला महारनपुर (श्रन्तरितः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के धर्जन के निए कार्यवाहियां गुरू करता है।

उपन सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की प्रविध, जो भी धनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथींकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थागर सम्पत्ति में हित- के बित किसी अस्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित से किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उपत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही ग्रथं होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुमूची

एक किला मकान नम्बर 10/272 व 273 मोहल्ला टाकांन कस्बा देवबन्द जिला सहारनपुर में स्थित है जो कि 40,000 में बेच। गई है ।

> वो० मो० चतुर्वेदी मक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, कानपुर

नारीखा : 2-8-1980

प्रकृष आई० टी० एन० एस०---

अध्यक्षर अधिनेयम, 1961 (1961 का 43) की धारा १६८६ कि तथा। भूचना

भारत मरहार

कार्यालय नहाम ह आयक्तर आयुक्त (निरीकण)

अर्जन रेज, भाष्पुर

कानपुर, दिनां ए 1 ३ प्रगस्त १९८०

निदेश भां० 1797-ए/ह्रिडार/7?-⊷80-—पत. मुझे बा० स० चतुर्रेतः

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके नश्जान् 'उनन प्रविनियम' कहा गया है), की प्रारा 269-ख त अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ० से अधिक है

स्रीर जिसका सं० भूमि है तथा जो अहलदपुर में स्थित ह (श्रीर इतने उपायद्ध अनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), जिन्द्रीकारियांकरी के अयितिय हिल्दार में रिजस्ट्री तरण, अधिनिया, 1908 (1908 का 16) के श्रधान ताराख 28-1-1980

शो पूर्वोक्त सम्पन्ति को उचित बाजार मूल्य मं कम के दृष्यमान श्रोतेफन के निष् प्रन्तरित की गई है और मुजे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मन्ति का उचित बाजार भूम्य, उसके दृष्यभाग प्रतिफल में ऐसे दृष्यभान प्रतिफल का भ इह प्रतिशत से प्रजिश है और अस्तरक (अन्तरकों) और अ तरितो (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्याप्रतिका, निम्नविधित उद्देश्य से उका प्रनारण लिखित में वास्तोक का संक्षित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण सं हुई किसी ग्राय का बाबत, उक्त ग्रिशित्यम के ग्रिशीर कर देने के भन्तरक के अग्निस्थ में कभी करने या उससे बजने में मुनिद्या के लिए, भीर/या
- (वा) ऐसा किसी आय या किसी धन या अन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर धिविनयम, 1922 (1922 का 11) या उन्त धिविनयम, या धन-कर ग्रीधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

धतः धत्र, उपत मधिनियम की घारा 269-ग के मतुसरण में, में, उपत पश्चितियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—~

- ा ना १० किन्यान , अग्रामाः पुर श्रा श्रासायास प पुष्पेन्द्र कुमार वेद कुमार पुर धः अग्यसम निवासः 28 गाउँटम काणिनाबाद (ग्रन्तरक)
- 2. सं० हरज न सिंह, गजेन्द्र सिंह, भयन सिंह पुत्र श्रा सन्त सिंह ियाद्र पाल पिंह पुत्र हरजी। सिंह विवासी श्राण्याचा रोड, सहारनपुर

(पर्गायत)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रार्वन के लिए कार्यवाहियां करता है।

चनत सभ्यत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की हारीख से 45 दिन की भग्नीय या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी भविष्ठ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत स्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी धन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पान लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त एक्बो ग्रीर पर्वो का, जो उक्त मिक्षि नियम के अध्याय 20-क में परिमाणित हैं वक्षा सर्थ होगा, जो उन शब्बाय में विया गया है ।

अनुसूख)

एक भूमि खण्ड 21/5 पवह याने. 49898 वर्ग फुट खसरा 673, 674, 675, ग्राम श्रहमदपुर निकट हरिद्वार जिला सहारनपुर मे स्थित है तथा जो 2,00,000/--- रूपये का बेचा गया।

> बी० मा० चतुर्वेदी सक्षम प्राधि हारी 'सहायक भ्रायकर भ्रायुवत, निर्र क्षण भ्रजन रोज कानपुर

तारीख 12-8-1980। मोह्रः प्ररूप बाई० टी० एन० एम०----

आयकर प्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जनरें हे, कानपुर

कानपुर, दिनांच 12 श्रगस्त 1980

निदेश नं० टी,० धार०ना 883/ध्रर्णन/ध्रतीगढ़/79–80 ध्रत: मुझे बी० सी० चतुर्वेदं ,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की अपन 269क्य के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि समाज सम्पति, जिसाम उचित बाजार मुख्य 25,000/- ६० से अधिक है

थौर जिसकी सं० मकात 9/75 है तथा जो छिण्टी अलीगढ़ में स्थित है (खीरइसमें उपायद्ध अनुसूची से घीर पूर्ण रूप से विशित है), रिजिस्स्ट्रीडी अधिकारी के वार्याव्य अलीगढ़ में, कि ट्री-प्रमण अधित्यम, 1908 (1908 सा 16) के अधीन तारीख 28-1-1980

में पूर्वोक्त सम्पत्ति के उतित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह रिम्तान हमने का कारण है कि यथापूर्वोक्त कम्पत्ति का उत्तित बाजार मृत्य, उसके दृष्यमान प्रतिकल से ऐसे दृष्यमान प्रतिकल के ज्वह बिश्वत से विक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरकों (अन्तरकों) के बीच ऐसे अन्तरण है लिए तय पाया गया पिक्तन, विस्ति खित उद्देश्य में उक्त अन्तर विखित में वास्तविक का वे क्या नहीं स्था गया है है

- (क) प्रस्तरण में हुई किसी आय की बाबत उपत लांधिनिया के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविद्या के लिए; खौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भन्तरिती द्वारा प्रवट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः, प्रव, उन्त प्रविधिम की धारा 269-ग के प्रमुसरण में, में, उन्त प्रवित्ति म की धारा 269-च की उपधारा (1) अधीन निम्मलिखिन व्यक्तियों, प्रधीत :--- त समुक्तर जात्व गुणा पुत्र आ सायवहाद र सेठ शिव प्रताद स्वय प्रौर श्रीनि (अस्तुरि देवी मान्ती देवी मुख्य गुण्त, त्व ब न(प्राति र पुत्र श्रा प्रयोग गुणा विश्व गणा और इस्मिविन्द मीठ बुडियाबाम श्रतीमढ़

(अन्तरक)

2. श्रीमित राजेन्द्र कुमार वरसने पुत्र स्व० बाबालान जंi निवास 9/3 कटरा क्रामिश \sharp

(अन्तरितं)

को यह सूबना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए अपेग्राहियाँ करते हो।

उश्त पराति के अर्जन है यम्बर्ग में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूबता के ए क्पन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी क्य उत्तर्भ पर स्विता की तामील से 3 ∪ ित की अविो, जो भी धविध बार में समाप्त होती हो के भीतर पर्योक्त चिता संबंधि किसी चाले (द्वारा ;
- (या) उन मुजना के राजनत में प्रकाश। का जारोख से 43 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित हैं हित-बद्ध किनी जना स्थापन द्वारा, अपीक्शाक्षरी के पान में खिन में किन जा सकेंगे।

स्पव्होत्तरण: --इनमें प्रमुक्त को सीर पदों का, जो सकत ंबनिया न अध्याय 20-क वें परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्यार में दिया गया है।

ग्रन्सूची

एह किना मकान नम्बर 9/75 मो० छिपेटा मोदा खान अनामकृमें स्थित है जिसका रहबा 294, 12 तर्गमीटर है जो कि 45,000/-- के का बेचा भया है।

> बो मो० चतुर्वेदी मक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण) श्रर्जन रेंच, कानपुर

नारीख 12-8-1980। मोहर: प्रान्धा प्राई० टी० एन० एम०--

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यो नय, महायक द्यायकर द्यायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंग, कानपुर

कानपूर, दिनांक 12 ग्रगस्त 1980

निदेग एं० 958 श्रर्जन/फल्खाबाद/79——80 —- प्रनः मुझे बी० सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उस्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी की यह विस्थास करने का कारण है कि स्थाबर सम्पत्ति जिसका अधिन बाजार मूल्य 25,000/- ए० से अधिक है

र्यार िक्सिका सं० इने।रत है तथा जो मही कोहना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विजत है), रिजिस्ट्रीकर्ती अन्यकारी के कार्यालय फरखाबाद में, रिजिस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 22-2-80

श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिसम्बर 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए पन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मन्तरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकत का पन्द्रह प्रतिशत श्रधिक है और भन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकत, निम्नलिखित उद्ध्य के उका पन्तरण ोवित में गस्तिक क्य से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई कि नो आय की बाबत, खक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या सससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों को, ं अभ्हें भारतीय पायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए बा, खिपाने में सुविधा के निष्।

बर: श्रवः, जनत मिनियम की घारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, उन्न अधिनियम की घारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित क्यश्वित्यों, अर्थात् :— श्रीवित रामकौर पत्नी श्री रामलाल व श्रमरीक लाल पुत्रश्री राम लाल गई कोहुंना फ्राच्याबाद।

(भ्रन्तरक)

2. श्रांमित प्रमिला छावडा विश्ववा पत्तः मोहनलाल रेलवे रोड, फरूखाबाद (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी खार्श :---

- (क) इस पूचना के राजात्र में प्रकाशन की तारीख पे 4.5 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 3.0 दिन की घवधि, जो भी घवधि बाद में समाप्त होती हो के भी तर पूर्वी का व्यक्तियों में से कि सी अ्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख ने 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सर्कोंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के ग्रध्याय 20-क ें परिभाषित है, बहो सर्घ शोशा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुधी

एक किना इमारत जिसमें एक कोठरी बने। है जिसका क्षेत्र-फल 410 वर्ग मीटर है जो कि बांके मोजा गढ़ी नवाब-न्यामताखा फरूखाबाद में स्थित है तथा एक किता ध्रराजी भूमि जिसमें चन्द्र पखान पात है जिसका रहवा 445 वर्ग गज़ है जो कि कुल 50000 छ० में बेची गई है।

> बो० मी० चतुर्वेदी मक्षम प्राधिकारी (सहायक प्रायकर प्रायुक्त निरी**क्षन**) ग्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख 12-8-80। मोहर:

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०---

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) भी भ्रारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज कानपुर

कानपुर, दिनांक 5 सितम्बर 1980

निदेश मं० 1758-ए/मेर/80—-80----ग्रतः मुझे बी० सी० चनुर्वेदी

ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जकत ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-क्पए से ग्रधिक है

न्नीर जिसके: सं० मकान तथा जो सकेट मेरठ में स्थित है (न्नीर इसके उपाबद्ध अनुमुची में न्नीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ना न्निधिकारी के कार्यानय मेरठ में, रिजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के न्नाधान नारीख 23-1-1980।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है:——

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रिष्ठि-नियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों की जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

ध्रतः भ्रम, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के ध्रनुसरण में, मैं, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रभीत :——
10—266 GI/80

- 1. श्रीमति कृष्णामूर्ति पन्ति श्रीः कैलाण चन्द्र नरेण चन्द्र णर्मा व दिनेण चन्द्र व योगेन्द्र चन्द्र णर्मा पुत्र० स्थ० श्रीः णर्णा चन्द्र निवासी। ब्रह्मपुरो सेरठ (ग्रन्तरक)
- 2. श्री शैलेन्द्र त्यागी व सत्येन्द्र त्यागी पुत्र गण एम० एस०त्यागी निवासी देहली (श्रन्तिस्ति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

छक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रविध, जो भी ध्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितब ह
 किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रघोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त घछि-नियम, के घष्ट्याय 20-क में परिभाषित है, नही धर्ष होगा जो उस घष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसू ची

एक मकान मय ब्राराजी तहती रकवई 2000 दो हजार गज नम्बरी प्लाट के 44 बाू साकेत मेरठ में स्थित है जो कि 1,60,000/-- में बेचा गया है।

> बो० मो० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी (महायक स्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, कानपुर

नारीख 5-9-1980। मोहर: प्ररूप भ्राई० टी० एन० एस०---

भ्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत 'सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, कानपुर

कातपुर दिनांक 5 सितम्बर 1980

निदेश सं० 1764-ए/मेर्ठ/79---80---म्रतः मुझे बी० सी० चतुर्वेदी

श्रायकर श्रिष्ठिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत श्रिष्ठिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिष्ठीन सक्षम श्रिष्ठिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क्पए से श्रिष्ठिक है

श्रीर जिसका सं० मकान है तथा जो रामबाग सूरज कुन्ड में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध श्रनसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिंद्रोकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय मेरठ में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिन नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख़ 18-1-1980 ।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कियान नहीं किया गया है:—

- (क) म्रन्तरण से हुई किसी आय की वायत उक्त श्रधि-नियम, के भ्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; मौर/या
- (ख) ऐसे किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः, ग्रन, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनु-सरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थांत:—

- श्रोमित पुष्पा लता उपनाम पुष्पा देवी धर्म पत्नी श्री कृष्ण गीपाल निवासी 35/25 मोहल्ला डालमापाडा शहर मेरठ (भ्रन्तरक)
- श्री नरेंद्र कुमार महाजन पुत्र श्री चरनदास निवासी 154/5 देशी नगर सुरजकुन्ड रोड मेरठ नगर

(ग्रन्नरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्यक्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इन सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीखा से 45 दिन की श्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती ही, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

ह्यब्होकरण: --इसमें प्रयुक्त णब्दों और पदों का, जो उक्त अधि नियम के ग्रध्यात्र 20-क में परिभाषित है ही ग्रथे होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

एक श्रदद महान नं० 174 नप नीचे भूमि 365 वर्ग सुगज बाक्य रामबाग सुरज कुन्ड रोड मेरठ नगर वर्तमान नं० 175 बिल में है जो कि 37500 रू० में बेचा गया है।

> बी० सो० चतुर्वेदी सक्षम अधिकारी (सहायक स्रायकर स्रायुक्त, निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, कानपुर

तारी**ख** 5-9-8 0 मोहरः प्ररूप आई. टी. एन. एप.------

आयकर अधिनियम, 1961 (196) का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन राचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज कानपुर

कानपुर, दिनांक 14 ग्रगस्त 1980

निदेश सं० 1657-ए/गाजियाबाद 79---80---श्रतः मुझे बी० सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हो कि स्थावर संपित्त जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक ही

और जिमकी सं० 61 कृषि भूमि है तथा जो तिलताबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रृतुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिज्द्रीकर्ती श्रिधिकारी के कार्याजय दादरी में, रिजर्द्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तार्रिख 14-1-1980

को पूर्वांक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त संपित्त का उचित बाजार मल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल सो, ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्निति पर का स्थाप की निम्निति पर का स्थाप है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; बीर्/या
- (ग) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः, अब, उन्तः अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उन्त प्रश्नियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यन्तिमों, अर्थात् :--- 1. था मूल चन्द्र सरनी, राम सरन पुत्र थी नैनू व लिखी राम पुत्र गणि राम नि० गेन्फा तिलपताबाद तह० दादरी (गाजिया-वात)। (अन्तरक)

 2 धर्म प्रतिष्ठान बंगलीर ई० 9 डिफेन्स कालोनी न्यू देहनी (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूच्या की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं इस 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्यब्दीकरणः—-इसमाँ प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क माँ परिभाषिः हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विदः गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 61/4113 पुछता लगानी 21.4 गेन्फा तिलपता-बाद तह० दादरी जिला गाजियाबाद में स्थित है।

> ्बी० सी० चतुर्वेद सक्षम प्राधिकार सहायक ग्रायकर ग्रायुक्स, (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, कानपुर

तारीख 14-8-80। मोहर: प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०---

ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज कानपुर

कानपुर, दिनांक 14 श्रगस्त 1980

निदेश सं० 1659-ए/गाजियाबाद/79--80--श्रतः मुझे बी० सो० चतुर्वेदी

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- हुए से श्रिधिक है

श्रीर जिसके। सं० 57 क्रिय भूमि है तथा जो गेन्का तिलपताबाद में स्थित है (श्रीर इसके उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप के विणित है) रिक्ट्रिकर्ती अधिकारी के कार्योत्तय दादरी में, रिज्ट्रिकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 14-1-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्न सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, खकत श्रिष्ठिनियम के श्रिष्ठीन कर देने के श्रम्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्षारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थात श्रः मूसे, दूली खी, कासम, पुत्र अर्जीमुल्ला व अजेमरी पुत्र छातरे अल्था राजी पुत्र शमशेरी निवास, गेन्फा तिलयताबाद तह् दादरी (गाजियाबाद)

(अन्तरक)

 धर्म प्रतिष्ठान बगलीर ई० 9 डिकेन्स कालोनं न्यू देहला द्वारा मन्तशेरिंगल

(ग्रन्तरितीं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधिया तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो मी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों स्रीर पदों का, जो खक्त श्रिधिनियम के श्रष्टयाय-20क में परिभाषित है, बही स्रथ होगा जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है

अनुसूची

कृषि भूमि 56/1113/ल० 77, 60 पै० गेन्फा तिलयताबाद तह० वादरः जिला गाजियाबाद में स्थित है जो कि 16830 रू० बेचे गई है।

बीठ मीठ चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेंज, कानपुर

तारीख: 14-8-1980

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 14 अगस्त 1980

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मंपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 62 इति भूमि है तथा जो गेन्फा तिलपताबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध प्रतुष्ट्वी में श्रीर पूर्ण स्थ से विणित है), रिजट्र कर्ता श्रधिकारी के लार्यात्वय दादर, में, रिजर्ट्र करण श्रिधिनियम, 1908 (1908 को 16) के श्रधीन तारीख 14-1-80 को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्मिलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे धवने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ण के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात्:— श्री मृत, दूलाखा, कामम पुत्र ग्रजीमुल्ला निवासी गेन्फा निवासताबाद तहु० दादरं (ग्राजियाबाद)।

(भ्रन्तरक)

 धर्म प्रतिष्ठान वगर्लौर ई० 9 डिकेन्स कालोनी न्यू देहली द्वारा सन्वर्णेर्याल ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारो।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में रिदया गया हैं।

अनुसूची

्रृषिभूमि 62/41111/7गार्नः 22-20सालानगेबा तिलपता-बाद तहरु दादर्रः जिला गाल्यियाबाद में स्थित है जो कि 40960 हर में बेचें गई है।

> बी० मी० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त, (निरीक्षण) प्रजीन रेंज, कानपुर

नार्नाख 14-8-1980। मोहर: प्ररूप स्नाई० टी० एन० एय०----

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायक्तर प्रायुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज, कानपुपर

कानपुर, दिनांक 14 श्रगस्त 1980

निदेश सं० 1620-ए/देवबन्द/79--80----श्रतः मुझे, बी०सी० नतुर्वेदी

आयकर भिष्टिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षन प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है जि स्वावर सम्यति, जिनका उनित्त वाजार मूल्य 25,000/-रुपए से भिष्क है

श्रीर जिसकी सं० भूमि है तथा जो खान ग्रालमपुरा में स्थित है (श्रीर इससे उपावस अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहारतपुर में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 10-1-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत निम्नितिशत उद्देश्य में उसन प्रन्तरण लिखिन में वास्तविक का से कथिन नहीं किया गया है:——

- (क) प्रन्तरण ने हुई किसी प्राय की बाबत, उका ग्रिधि-विषय के प्रधीत कर दें। के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (आ) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या ग्रन्थ ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उ∓न ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तिरतों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्रिपाने में मुविधा के लिए;

अतः ग्रब, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के मधीन, व्यक्तियों, निम्नलिखित ग्रयीत्:—

- 1. श्री एपाम सिंह पुत्र श्री चौधरी श्रासा राम तिवारी तिकोना कोठी निकट सिविल श्रस्पताल णहर सहारनपुर।
- 2. श्री गिरवर सिंह पुत्र श्री नसीब मिह निवासी ग्राम नल्हें इं खुर्द डा॰ चिराऊ छेह्डा परगाना व तह॰ देवबन्द जिला सहारन-पुर । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में सनाषा होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्दीकरण——इसर्न प्रपुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो उक्त श्रिक्षित नियम, के श्रष्ट्याय 20क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता स्नाराजी प्लाट तादादी 1500 वर्ग गज खान स्नालमपुरा जिला सहारनपुर में स्थित है तथा जो कि 45,000/---रु० में बेचा गया है।

> बी सी० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण) श्रर्जन रोंज, कानपुर

तारीख: 14-8-1980

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०---

म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के म्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अध्यकर <mark>ग्रायुक्त (निरीक्षण)</mark> श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 16 श्रगस्त 1980

निदेश सं० 1695-ए/कानपुर/79-80--म्रात: मुझे बी० क्षे चतुर्वेदी

आयकर शिंतियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिष्ठितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिपीन सक्षम शिष्ठिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

स्रोरिजिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो सेनिया मेथित है (स्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिद्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय कानपुर में रिजट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन तारीख 28-1-1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत अधिक है और अन्तरिक (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उन्हेंय से उक्त अन्तरण लिखन में वास्त्रिक रून से कथिन नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रधि-नियम के श्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी िकसी आयया किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधनियम, या धनकर श्रिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः धन, उनत अधिनियम की बारा 26 केन के धनुसरण में, मैं, उनत प्रधिनियम 26 केन की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— श्रीमिति श्याम कान्ता सेठ पत्नि राम नाथ सेठ मकान नं० 14,102 ए, सिविल लाइन, कानपुर।

(भ्रन्तरक)

2. श्री रणधीर सिंह रजीत सिंह, भ्रमर सिंह पुत्र बाबू राम निवासी तह० व जिला, कानपुर ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्मत्ति के श्रर्जन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:--

- (क) इस सूबता के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दी करण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस श्रष्ठयाय में दिया गया है।

अनु सूची

कृषि भूमि 16 III--12 स्थित सेनिया, पर० व जिला कानपुर में स्थित है जो कि 71336/- रु० में बेचा गया है।

> बी० सी० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर द्यायुक्त, (निरीक्षण) द्यर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 16-8-1980

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रोज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 14 भ्रगस्त 1980

निदेश सं० 1745-ए/मेग्ठ/79-80-3ात: मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु० से अधिक है।

स्थार जिसकी सं० प्लाट नं० 8 बी है तथा जो मेरिट सूटा कुम्रा में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मेरिट में, रजिस्ट्रीकरण मधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन तारीख 29-1-1980

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की शावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा का लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु :——

- श्री ब्रात्मा राम जैन पुत्र श्री रूप चन्द्र जैन निवासी श्रशोक नगर इलाहाबाद। (अन्तरक)
- 2. श्री सतपाल पुत्र श्री गोकुल चन्द निवासी 842 बागपत, मेरठ गहर। (श्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उल्ल अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिगा गया है।

अमुस्ची

> बी० सी० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपुर

नारीख : 14-8-1980

:माहर

प्ररूप बाई॰ टी॰ एन॰ ब्स॰----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के घषीन सूचना भारत संरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 14 म्रगस्त 1980

निदेश सं० 1746-ए/मेरठ/79-80--- ग्रतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स्न के प्रधीन सक्षम गिधकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका खिनत बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

भौर जिनकी सं० प्लाट है तथा जो मेरठ में स्थित है (श्रौर इससे उपा-बढ़ प्रमुत्ती में प्रौर पूर्ण कम से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, मेरठ में, रजिट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 29-1-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के एचित बाआर मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए सन्तरित की गई है प्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का परद्रह प्रतिशत से अधिक है और सम्बर्क (प्रम्तरकों) धीर सम्वरिती (अम्बरितियों) के बीच ऐस परतरण के लिये तथ पाया गरा प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उश्त प्रस्तरण लिखित में बास्तविक सप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी ग्राय को वायय. उक्त धिवियम के भ्रधीन कर देने के अन्तरक के वायिस्व में कमो करने या उससे बचने मे सुविधा के लिए; भीर/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, की जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 1922 का 11) या उकत प्रधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1)के अधीन, निम्नलिखित क्यक्तियों अथित :—. 11—266GI/80 1. श्री आत्माराम जैन पुत श्री रूप चन्द्र जैन निवासी झशोक नगर, इलाहाबाद (ग्रन्तरक)

2. श्रीमिति सुदेश पाल धर्मपत्नि श्री सतपाल निवासी 842 वागपत गेट, मेरठ (श्रन्तरिती)

को यह सूचता जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जा के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

खनत सम्पत्ति के प्रजैन के संबंध में कोई भी प्रार्थेप :--

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीश्व से 45 विन की प्रविध या हरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो. के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किने व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की नारो ! से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दिताबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकरें।

स्पब्छेकरण:---ठममें प्रयुक्त शब्दों धौर पर्दों का, जो उत्त प्रधि-नियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अपं होता, जो उत्त ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता प्लाट नम्बर बी० 8 न० खा० 1617 स्थित कस्खा मेरठ मूटा कुन्ना कालोनी शम्भू नगर बागपत रोड शहर मेरठ में स्थित है जो कि 16,940 रू० में बेचा गया है।

> बी० सी० चतुर्बेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त, (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारी**ख**: 14-8-1980

प्ररूप धाई० टी० एन० एस•---

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कापनित्र, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजैन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 14 भ्रगस्त 1980

निदेश सं० 1679-ए/गाजियाबाद/७9-80—- झतः मुह्ने, बी० सी० भर्जुर्वेदी,

षायकर ग्रीधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्यात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-द० से ग्रीधिक है

मोर जिसकी सं० 61 कृषि भूमि है तथा जो नेन्झा तिलपाताबाद में स्थित है (मोर इससे उपाबद अनुसूची में मोर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता मधिकारी के कार्यालय दादरी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन तारीख 16-1-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमाम प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त प्रन्तरण सिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त मधिनियम, के भधीन कर देने के भन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी मन या भ्रन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्राय-कर प्रिव्रिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिनियम, या धन-कर प्रिवियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः भव, उक्त श्रधिनियम की घारा 269-ग के धनुपरण में, मैं उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-य की उपधारा (1) के एधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत :-- श्री राम बल व हुक्म सिंह उमराव निवासी गेन्झा तिलपता-बाद तहर दादरी जिला गाजियाबाद

(भ्रन्तरक)

2. धर्म प्रतिष्ठान बंगलौर ई० 9, डिफोंस कालोनी न्यू देहली (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्न सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उन्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पन्धीभरण:--इसमें प्रयुक्त गड्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

सनुसूची

कृषि भूमि 59/1 II/2 लगानी 7.40 सालाना बाके गेन्झा तिलयताबाद तह० टादरी जिला गाजियाबाद में स्थित है जो कि 16320 रु० में बेची गई है।

> बी० सी० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त, (निरीक्षण) सर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 14-8-1980

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 16 अगस्त 1980

निदेश सं० 161--ए० बागपत/79-80--म्रतः मुझे; बी०सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके फश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो जागोसा घांगर में स्थित है (स्रौर इससे उपाधक अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकरी के कार्यालय बागपत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 1441-1980

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का यन्द्रह प्रतिकात से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्बेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक हैं से किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की भारा 269-न के जनुसरण की, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-न की जनभारा (1) के जभीत, निम्निलिसित व्यक्तियों जभीत्।——

- 1. श्री सीताराम पुत्र श्री भागमल उर्फ लालमन निवासी जगोस डा॰ शाद्यगा पर॰ कोताना तह॰ बागपत जिला मेरठ (ग्रन्तरक)
- 2. श्री बाबूराम व श्रोमपाल सिंह व महीपाल सिंह पुष्टगण हरनारायण सिंह निवासी शबगा डा० खास पर० कोताना तह० बागपत जिला मेरठ।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वमा जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उथरा सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप .---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन की अविध या तत्सम्बधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्कत अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि ख॰नं॰ 259/11-14-8 ल॰ 85/रुपये सालाना बाके आगोस बागर पर० कोताना तहः बागपत जिला मेरठ में स्थित है जो कि 425000 रु०में बेची गई है।

> बी० सी० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 16--8-1980

मोतुर:

प्रकप भाई० टी० एन० एस०---

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 16 श्रगस्त 1980

निदेश सं 0 163 2ए०/गाजियाबाद/ 79-80--- प्रतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पत्रवात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थात्रर सम्पत्ति, जिसका उचित मुल्य 25,000/-से श्रधिक है रुपए ग्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 48 है तथा जो ग्रमोक नगर में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गाजियाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 9-1-180 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का छिचत बाजार मुल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशन से अधिक है और अन्तरक (ग्रन्तरकों) भीर ग्रन्तरिती (प्रन्तरितियों के बीव ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फन निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त ग्रिश्चित्र नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अता, अब, उनत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उनत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथौत्:— 2. मैसर्स महालक्ष्मी लैन्ड एन्ड फाईनेन्स कं० प्रा० लि० 8बी विन्दल ट्रस्ट बिलंडिंग आसफग्रली रोड नई देहली द्वारा जनरल एटोरनी श्री ग्रशोक कुमार छावड़ा पुत्र श्री देशराज छाघड़ा निवासी 1 रिगरोड लाजपत नगर नई देहली ।

(भ्रन्तरक)

2. श्री तेजेन्द्र सिंह भाटिया पुन्न श्री प्रीतम सिंह भाटिया निवासी थर्डडी 121 ए० नेहरू नगर गाजियाबाद

(भ्रन्तरिती(

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के पर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धो व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बंद किसी घन्य व्यक्ति द्वारा घषोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शहरों ग्रीर पदों का, जो छक्त ग्रिधिनियम के श्रव्याय 20-क में परिभावित है, बही श्रयं होगा, जो उस ग्रह्याय में विधा गया है।

अनुसूचो

प्लाट नम्बर 48 क्षेत्रफल 254-726 वग मीटर स्थित नेहरू नगर व प्लाट नम्बर 48ए० क्षेत्रफल 316--330 वर्ग मीटर स्थित अशोक नगर गाजियाबाद में स्थित है जो कि 41000/-- रू० में बेचा गया है।

> बीं० सीं० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर भ्रायुक्त, (निरीक्षण अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 16-8-1980

प्ररूप आहं. टी. एन. एस. -----आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) को अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 14 ग्रगस्त 1980

निर्देश स॰ 1655ए०/गाजियाबाद/79-80---म्रतः मुझे, बी॰ सी॰ चतुर्वेदः,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 169-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का जारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु० से अधिक हैं।

श्रीर जिसकी स० भूमि 60 है तथा जो गेन्झा तिलपताबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची ; श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिक्स्ट्रोकर्सा श्रिधकारी के कार्यालय दादरी में रिक्स्ट्रोकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के अधान दिनांक 14 जनवरी, 1980

को पूर्वोक्स सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्से यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखत उद्देश्य से अक्त बन्तरक लिखित को जास्तिकल रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा का लिए; और/मा
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीम निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः— श्रा जगराम बालिग व स्रोम प्रकाश नावालिंग पुलगण नत्थू अलिय सरक्षक मे रामण्यार माता स्वं व य मथरा पुल विशेष जि गेन्सा तिलपताबाद तहर्साल दादरी गाजियाबाद ।

(भ्रन्तरक)

2. श्री धर्म प्रतिष्ठानन बंगलीर ई० 9 डिफेन्स कालोनी न्यू देहली द्वारा सन्तकोर गिल ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- अक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्मर्थ्यकरणः — इसमें प्रत्युक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में गरिभाधिश हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हां।

घ्रम् सूची

60/31/2 लगाने। 15,45 सालाना गेल्झा तिलपताबाद तहसे:ल दादरी जिला गानियाबाद में स्थित है जो कि 34170° रू० में बेची गई है।

्बी० सी० चतुर्वेदी, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निर्दक्षण), भ्रजेन रेज, कामपुर ।

विनोक: 14-8-1980

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 16 भ्रगस्त 1980

निर्वेश सं० 1637/ए०/मेर/79-80—श्रतः मुझे बी० सी० चतुर्वेदो,

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिथिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मिथीन संभम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर समाति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-दे से प्रधिक है

भ्रोर जिसको सं० गृह सम्पत्ति हैं तथा जो कैलाशपुरः में स्थित हैं (श्रोर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से विजित हैं), रिजस्ट्रीकर्त्ती श्रधिकारी के कार्यालय मेरठ में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन विनांक 11 जनवरी 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान श्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई हैं भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि प्रयापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्यह प्रतिशत से श्रीक्षक हैं भौर भन्तरक (अन्तरकों) भौर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उचत प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उन्त प्रधिनियम के मधीन कर देने के भन्तरक के दायिश्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर√या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या प्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रंधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रंधिनियम, या धन-कर ग्रंधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए।

ग्रतः अब, उस्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, उस्त ग्रिधिनियम, की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित स्पक्तियों, ग्रर्थात् :--- श्री निवास गुप्ता पुत्र श्री चिरंजा लाल निवासी कैलाग पुरा भेरठ।

(भ्रन्तरक)

2. श्री कुदय सिंह पुत्र श्री हरपाल सिंह ग्राम मुबारक पुर मेरठ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्यक्ति के धर्जन के लिए कार्येशाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की ध्रवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रवधि, बो भी ध्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीष्ट्रस्ताकरी के बाक लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उन्त प्रधिनियम', के प्रध्याध 20-क में यथापरिकारिकार है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्यास में विधा गया है।

अनुसूची

एक किता ग्रहाता क्षेत्रफल 600 वर्गगज कैलाणपुरी भेरठ में स्थित है तथा जो 24000 ६० का बेचा गया है।

> बी० सी० चतुर्वेदी, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त, (निरंक्षण), श्रर्जन रेंज, कानपुर

दिनोक: 16-8-1980

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 14 ग्रगस्त 1980

निर्देश सं० 1654-ए०/गाजियाबाद/79-80—म्बतः मुझे बी० सः० चतुर्वेदी,

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-क० से श्रीधक है

श्रीर जिनकी मं० कृषि भूमि है तथा जो गेन्फा तिलानताबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्राक्ती श्रीधकारी के कार्यालयदादरी, में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीत दिनांक 14 जनवरी, 1980

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पख्डह प्रतिशत भ्रष्टिक है यौर भ्रन्तरक (भ्रन्तरकों) भीर अन्तरिती (भ्रम्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्रविक रूप से अधित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त श्रीवितयम के अधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भ्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा भ्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में स्विधा के लिए;

श्रतः श्रव, उक्त श्रिवियमं की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त श्रिवियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रिवीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत:— श्री रामबल हुल्य सिंह पुत श्री उमराव निवासी गेन्फा तिल्यताबाद तहसील दादरी जिला गाजिया-बाद।

(भ्रन्तरक)

 श्रो धर्म प्रतिष्ठानन बगलौर ई० डिफेन्स कालोनी न्यू देहली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उपत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्रोप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अविध या तहसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावद सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में विया गया है।

मनुसूची

भूमि 59/2112/लगानी 7.40 खालानागेम्रा तिलयता-बाद तहसील दादरां जिला गाजियाबाद में स्थित है जो कि 16320 रु० में बेची गई है।

> बी० सो० चतुर्वेदी, सक्षम प्राधि नारी सहायक ग्रायकर श्रापुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक: 14-8-1980

प्रकप भाई । डी । एत । एस । -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 30 भगस्त 1980

निर्देश सं० 1772-ए०/कार.पुर/79-80---श्रतः मुझे बी० सी० चतुर्वेदी,

भायंकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सभाम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका ज्ञित बाजार मृष्य 25,000/-रुपये से प्रिधिक हैं

श्रीर जिसका स० प्याट है तथा जो मो० पेच खुरजेगढ़ में स्थित है श्रीर इससे उपाबद श्रनुसुवा में श्रीर पूर्ग रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रेक्सी श्रिधकारी के कार्यालय हापुड़ में रिप्टर्ट्र-करण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक 9 जनवरी, 1980

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूह्य से कम के बृहयमान प्रति-फल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह बिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूह्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृहयमान प्रतिफल के प्रवृह प्रतिशत से प्रधिक है भीर भ्रम्तरक (भ्रन्तरकों) भीर भ्रम्बरिधी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रम्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उनन भ्रन्तरण लिखित में बास्त-विक रूप से क्षाबत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी माय की बाबत उक्त प्रधि-नियम के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे क्वने में सुविधा के लिए; मौर/या
- (अ) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त भिविनयम, या धनकर भिविनयम, या धनकर भिविनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ग्रारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, खिपाने में सुविधा के लिए।

तत : ग्रम, उक्त ग्रीवनियम की धारा 269-ग के **मनुतरक** में, में, उक्त ग्रीवितयम की धारा 269-व की उपधाचा (1) के अधीन निम्नलिखित स्पक्तियों, ग्रावीत्:---

- 1. श्री कांति प्रसाद शर्मा पुत श्री भगवत प्रसादणमी, निवासी 16 वाह्मभगल हापुड व ग्रीशाराम पुत श्री चन्द्र निवासी 37 ग्रायंनगर हापुड़ मुख्तार ग्राम मिन्जानिय श्री रतनलाल शियनका पुत श्री तुला राम गोयनका नि० 63 डी० कलकत्ता 40 व श्रीगोपाल गोयनका पुत श्री मुझालाल गोयनका व श्रीमती गुलाब देवा गोयनका बेबा देवकी नन्दव गोयनका नि० कलकत्ता (ग्रन्तरक)
 - श्री राजेन्द्र कुसार पुत्र श्री सुरेश चन्द्र निवासी मो० बिल्डिंग निहालचन्द्र चण्डी रोड़ हापुड़ जिला गाजियाबाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के सर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के संबंध में कोई भी प्राक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविध, जो भी धविध बाद में समाप्त होती हो, के शीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद किसी मन्य स्थक्ति द्वारा, प्रक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हपज्योकरण :--- इसमें प्रयुक्त शब्दों घीर पदों का, को जनत भिवित्यम के घड़पाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं घर्च होगा को उस भड़पाय में दिया गया है।

अनुसूची

कुल एक मात्र भूमि नाप में 520 वर्ग फुट स्थित मो० पेच खुरजेगढ़ रोड़ हापुड़ जिला गाजियाबाद में स्थित है। जो कि 44266 में बेवी गई है।

> बी० सी० चेतुर्वेदी, सक्षम प्राधिकरी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त, निरीक्षण) भ्रजीन केंज न

दिनांक: 30-8-1980

प्ररूप आई० टी• एन• एस०-

भायकर मिन्नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याक्य, सहायक भायकर भागुक्त (निरीक्षक)

श्रर्जन रेंज,

कानपुर, दिनांक 29 ग्रगस्त 1980

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० ण्लाट है तथा जो सूर्य नगर में स्थित है श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीक्त्ती श्रधिकारी के कार्यालय, दादरी में रिरट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 9 जनवरी 1980।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्तिका उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है, भौर अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित छश्हेय से उचत अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत छक्त अधिनियम, के अधीन कर देवे के बन्धरक के दायित्य में कमी करने या छससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी थ्राय या किसी धन या ग्रन्थ ग्रास्तियों को, जिल्हें नारतीय आयकर भिवित्तम, 1922 (1922 का 11) था उन्ध भिवित्तम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उन्त प्रक्रिणियम की बारा 26%मा के अनुसरण में में, उन्त प्रधिनियम की बारा 26% में अधिता, तिम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- श्री अमृत सहगल पुत श्री देशराज महगल निवासी 8/53 जगपुरा एक्सटेंशन न्यू दहली।

(भ्रन्तरक)

 श्रीमतः बिमला मेहरा पत्नी श्री प्रकाण चन्द्र मेहरा निवासः 20-ए० राजपुरा रोड देहली।

(ग्रन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धजन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भ्रजेंन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रशासन की तारी है से 45 विन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितब है किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रश्लोहस्ताक्षरी के मास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्तीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो 'उक्त प्रधिनियम', के प्रष्ट्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, बही प्रयं होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

एक किता प्लाट नं • 21 ब्लाक को कान्तापुरी कालोनी बुर्मनगर तहसील दादरी जिला गाजियाबाद में स्थित है जो कि 60,000 रु• में बेकी गई है ।

> बां० सां• चतुर्वेदां, सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नामकर श्रायुक्त, निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक: 29-8-1980

माहर:

प्ररूप आई व टी ० एन ० एस ०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सहकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर कानपुर, दिनांक 29 श्रगस्त 1980

निर्देश सें० 1633-ए०/गाजियाबाद/79-80---- घ्रत मुझे बी० सी० चसुर्वेदी;

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मृल्य और जिसकी सें० नं० 141 है तथा जो माडल टाऊन पूर्वी गांजयाबाद यमें स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बॉणत है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय गाजियाबाद में, रजिस्ट्रीकरेण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 9 जनवरी 1980।

को पूर्वांक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके स्वयमान प्रतिफल से ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया। प्रतिफल, निम्निलिखित उब्वेंच्य से उक्त अन्तरण लिखिक में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और्/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तीरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने भे सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में में, उक्त अधिनियम का धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातुः—

- श्री मिल्ल सैन जैन पुत्र श्री लाला प्रेममुखदास जैन निवासी 144 गांधी नगर, गाजियाबाद। (अन्तरक)
- 2. श्रीमती प्रकाणवती पत्नी श्री मोती लाल निवासी ांबकास नगर देहरादून जिला देहरादून। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के टब्पपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'तक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में !रिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रमृस्ची

सम्पत्ति सिटी बोर्ड नं० 141 क्षेत्रफल 405 वर्ग मीटर स्थित माइल टाउन पूर्वी गाजियाबाद में स्थित है जोकि 45000 रू० में बेचा गया है।

> बी० मी० चसुर्वेदी, सक्षम प्राधिकारी, (सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, कानपुर,

विनांक: 29-8-1980

प्ररूप बाइ . टी. एन्. एस.-----

क्षायकर मिधिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज.

कानपुर, दिनांक 14 भ्रगस्त 1980

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की बारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ए. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि 53 है तथा जो गेन्फा |तिलपताबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय दावरी में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 14 जनवरी 1980।

को पूर्वांकत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांकत संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक कप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-रिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के धायित्व में अभी करने या उससे बजने में सूविधा के लिए; और/सा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविवा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अधीन:---

- 1. श्रीया पुत्र श्री लिकवी निवासी गेन्फा तिलपतबाद (श्रन्तरक)
- धर्मप्रतिष्ठानम बंगलौर ई० डिफेन्स कालोनी न्यू देहली द्वारा संतशेरिंगल।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति च्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास बिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाजित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नवस्त्र प्र

भूमि बं ० 53 लगानी 12.25 सालाना गेन्फा तिलपता-बाद तह्य ० दादरी जिला गाजियाबाद में स्थित है जो कि 27030 ह0 बेची गयी है।

> बी० सी० चतुर्वेदी; सक्षम प्राधिकारी, (सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, निरीक्षण), अर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक : 14-8-80

मोहरः 🛭

प्रकप बाई० टी॰ एत॰ एस॰---

त्रायकर प्रधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, विनांक 14 अगस्त 1980

निर्देण र्सं० 1677/ए०/दादरी/79-120—श्रतः मुझे बी• सी० चतुर्वेदी

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रुपये से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० भूमि 61 है तथा जो गेंझा तिलपताबाद में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय दादरी में, रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 16 जनवरी, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके धृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से भिधक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निभ्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त मिधिक नियम के अधींक क्षार देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या सससे बचने में सुविधा के सिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी अन या किया आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर मधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम वा धनकर मधिनियम वा धनकर मधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिषाने में सुविधा के लिए;

भतः, भव, उनतं भिधिनियमं की धारा 269-तं के भनुसरण में। में, उनतं अधिनियमं की धारा 269-वं की उपधारा (1) के अधीन निम्निजित स्पिन्तमों, भर्षातः— 1. श्री मृलचन्द्र व सरनी वाली व रामसरन व वली संरक्षक मृलचन्द्र भाई हकीकी पुत्रगण नैश्न व लिखी-राम पुत्र शशोराम निवासी गेन्द्रा तिलपताबाद तह० दादरी गाजियाबाद ।

(ग्रन्तरक)

 धर्म प्रतिष्ठान बंगलीर ई० 9 डिफोन्स कालोनी न्यृ देह्नी द्वारा मंत्रणेर गिल।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के **श्र**जंन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के श्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप.:---

- (क) इस सूचता के राजपन्न में अकाशन की तारी खा से 45 दिन की सर्वाध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामी न से 30 दिन की अवधि जो भी सर्वाध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक में प्रकाशन की तारी का से .45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितक कि किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वव्हीकरण:--- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का जो उक्त अधि-'नियम के भ्रष्ट्याय 20-क में यरिकाधित हैं, वहीं भ्रष्टें होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भृमि 61/4113/लगानी 21-45 सालाना नेत्जा तिलपताबाद तह्र० दादरी जिला गाजियाबाद में स्थित हैं जो कि <math>4730 रू० में बेची गई है।

बी० सी० चतुर्वेदी, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण), अर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक: 14+**8**-1980

प्रकप आई॰ टी॰ एन॰ एस॰--

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा 269-थ (1) के प्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहारक आरक्षर धामुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, कानपुर कानपुर, दिनांक 5 सितम्बर 1980

निर्देश सं० 1666ए०/गाजियाबाद/79-80---श्रतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा मया है), की धारा 269-चा के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करन का कारग है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- २० से प्रधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० सिनेमा है तथा जो गढ़ मक्तेष्वर में स्थितहै (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रोकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय गढ़ मुक्तेष्वर में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 16 जनवरी, 1980

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सें हुई किसी आय को बाबत, छवत अधिनियम, के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के आयस्य में कभी करने या उससे अथने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आग या किसो धन या मन्य मास्तियों की, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रखिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर भ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविक्षा के सिए;

.अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त प्रक्षिनियम की बारा 269-व की उपधारा (1) के भ्रमीत, निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात :--- 1. मेससं कपिल थियेटर गढ़मुक्टैंग्वर रिज० पार्टनरिशप कन्सर्न फर्म बजिरिये पार्टनरस कर्नल कपिल देव शर्मा रिटायर्ड पुत्र श्री देवदस्त शर्मा बजाते खुद व अहैंसियत म० श्राम और से श्री उमेश शर्मा पुत्र श्री स्व० नि० सतीश बिल्डिंग हिपी बिन्टैंक मेरठ सीताराम शर्मापुत्र श्री रामदास शर्मा, विनेश चन्द्र शर्मा पुत्र श्री बनवारी लाल शर्मा व बसुदेव भारद्वाज पुत्र श्री रंजीत सिंह नि० क्रमशः गढ़मुक्तेण्वर व, सोनीपत हरियाणा खरीदवार/

(अन्तरक)

2. मैसर्स गुरसरन पलेस देहली रिज० फर्म जिरिए पार्टनर सरदार सुरेन्द्र सिंह व ग्रमर पाल सिंह पुत्र श्री उत्तम सिंह कावली नि० 10/12 गुरु गोथिन्द सिंह मार्ग नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजन के लिए कार्यवाहियां मुरू करता हूं।

उक्त सम्मति के गर्भन के सम्बन्ध में कोई भी मान्नेप :-

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की लागी सं 45 विन की घनकिया तस्सम्बन्धी व्यक्तियों प्रर सूचना की तामील से 30 विन की घनकि, वो भी घनकि बाद में समाप्त होती ही, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (आ) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हित्बुड किसी प्रम्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के प्राप्त लिखित में किए जा सकेगें।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्दों का, बो उन्त भिधनियम के घष्पाय 20-क में परिभावित हैं, बड़ी भवे होगा, बो उस प्रध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

सिनेमा हाल विख्यात कपिल थियेटरगढ़ मुक्टैश्वर जिसका कुलरकवा 2763 मु० गज है पार्टएन्ड पार्सल खसरा नम्बर 295/2 गाजियाबाद में स्थित है जोकि 25000 कि० में बेचा गया है।

> बी० सी० चतुर्वेदी, सक्षम प्राधिकारी; सहायक ग्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण, श्रर्जन रेंज, कानपुर;

दिनांक: 5-9-1980

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भागुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 10 सितम्बर 1980

निर्देश सं० $1744 | \nabla \circ | \hat{\mu} \nabla \delta | 79-80$ —ग्रतः मुझे बी० सी० चसुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सन्नम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वाधर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ध्रुप से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० प्लाट नं० बी० 7 है तथा जो स्रोरगंशहपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसुची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधकारी के कार्यालय मेरठ में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन दिनांक 15 जनवरी, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाँ जार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रस्तिरत की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसं दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत ग्रीक्षक है भीर ग्रन्तरक (शन्तरकों) और ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त ग्रन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण से हुई किसी घाय की बाबत; उक्त प्रक्रितियम के ध्रधीन कर देने के धन्तरक के बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (छ) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया यया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उन्नत अधिनियम की धारा 269-ए के प्रनुसरण में, में, उन्त श्रिधिनियम की धारा 269-घ की अपवारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित अपनितयों, अर्थात्:— श्रीमती सिवती देवी गोयल धर्म पहनी श्री के० सी० गोयल निवासी तू०-31 पंचशील पार्क नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

श्रीमती बनास देवी पत्नी श्री रामेश्वर द्याल गोयल
 81 गोयल भवन राजेन्द्र नगर शहर मेरठ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के घर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप !--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन की अत्रिक्ष या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में मभाष्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन के भीतर जनत स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किसो प्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वव्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पर्वो का, जा उक्त प्रविनियम के भ्रष्टमाय 20-क में परिभाषित हैं, बही धर्य होगा जो उस श्रष्टमाय में दिया गया है ।

अनुसूची

1000 मुख्बा गज स्राराजी माखफ प्लाट नं० बी० 7 बाके मौजा स्रौरंग शाह पुर डीगीपरगनाव तह० व जिला मेरठ में स्थित है जो कि 40,000 रु० में बेची गई हैं।

> बी० सी० चतुर्वेदी, सक्षम प्राधिकारी, (सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त, निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक: 10-9-1980

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०----

श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 10 सितम्बर 1980

साठ चतुवदा, आयकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्यात् 'उवन प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- छ्नप् से श्रधिक है श्रीर जिसकी सं० हैं तथा जो कचहेरी रोड़ मेरठ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय मेरठ में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 15 जनवरी, 1980।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के दृश्यात गतिकत के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकत के पन्द्रह प्रतिशत ने श्रधिक है पौर अन्तरक (अन्तरको) श्रौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के जिए तम पाया गतिकल, निम्नलिखित दृश्य ने उका प्रनरण विखित में वास्तविक रूप से कथित किया गया है।

- (ह) अन्तरण से हुई कि नी श्राय की बाबत उक्त श्रधि-नियम के अधीन कर देने के यन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी घन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उका श्रीधनियम, या धन-कर श्रीधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः भ्रव, उन्त भ्रधिनियम की घारा 269-ग के भनु-सरण में, मैं, उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभ्रारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रभीत:—

- 1. श्रो विवेक नाथ चौधरी पुत्र श्री नरेन्द्र नाथ चौधरी निवासी ग्राम माधरा तह० मवाना जिला मेरठ (ग्रन्तर्क)
- 2 श्रीमती संतोष कुमारी उर्फ विनोद कुभार पत्नी प्रेमनाथ सिंह निवासी 275 उत्तम वाटिका वेस्टन कचहरी रोड़ मेरठ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोच्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

छक्त सम्पत्ति के प्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त धिध-नियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रथं होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता जायदाद जो कि 300 1/9 मुख्यागंज आराजी बाके अन्दम अहाता कोठी उत्तम वाटिका वेस्टर्न कचहरी रोड़ मेरठ णहर में स्थित है जो कि 35000-रु० में बेची गई हैं।

> बी० सी० चतुर्वेदी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त, (निरीक्षण,) श्रर्जन रेंज, कानपूर

दिनांक: 10-9-1980

प्ररूप ग्राई॰ टो॰ एन॰ एस॰----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर माय्क्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 10 सितम्बर 1980

निर्देश सं० टी० म्रार० नं० /947/मथुरा/79-80---म्रतः मुझे झी०सी० चतुर्वेदी,

आयंकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उथित बाजार मूल्य 25,000/- क्पये से प्रधिक है, श्रीर जिमको सं० प्लाट है तथा जो वृन्दावन में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय मथुरा में रिज स्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) में, श्रधीन दिनांक 11 जनवरी, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भौर मन्तरक (अन्तर्कों) और अन्तरिती (मन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित बहेब्य से उन्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत उक्त भ्रिष्ठिनियम के अधीन कर देने के अग्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (ख) ऐसो किसी आय या किसी बन या मन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर मिबिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिबिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उन्त अविनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की खण्डारा, (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- श्रोमती विद्यावती देवी पत्नी श्री मस्य ना निवामी रमनरहेटी बृन्दावन तह् । मथुरा । (श्रन्तरक)
- स्वामी हरगोविन्द पुत्र श्यामलाल जी निवासी दौसाथाट बृन्दावन तह० मथुरा।
 (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उन्त सम्पति के प्रजेंन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पब्दोकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहो अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट भूमि बाके बृन्दावन वागेर नम्बरी खसरा नं \bullet 116 क्षेत्रफल 1-46 1/2 कि 6000 वर्गमीटर नम्बरी 535 बाटर रेट नं० मथुरा में स्थित है जो कि 125000/- रू० में बेची गई हैं।

बी० सी० चतुर्वेदी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, निरीक्षण, ग्रर्जन रेंज, कानपुर ।

दिनांक: 10-9-1980

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

भायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के म्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 10 सितम्बर 1980

निर्देण सं० टी० म्रार० नं० 87 श/म्रर्जन/म्रागरा—म्प्रतः, मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० मकान है तथा जो भोगीपुर मोहल में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से धणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रागरा में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 क 16) के श्रधीन दिनांक 18 जनवरी, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रति-फल के लिये अन्तरित की गई है पीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और धन्तरक (धन्तरकों) घीर मन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त मन्तरण निखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनेयम के अशीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बोर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या घन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय पायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं भन्ति रती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया वाना चाहिएचा, छिपाने में सुविधा के सिए;

भतः भव, उक्त अधिनियम, की घारा 269-ग के अनु-सरक में, मैं, उक्त अधिनियम की बारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---13--266 GI/80 श्री बृजलाल भोगा वकील पुत्र श्री लाला खुशीराम भोगा निवासी ग्रार्देश नगर हाल सोरी कटरी शाह-गंज ग्रागरा।

(भ्रन्तरक)

2. श्री सत्य प्रकाश शर्मा पुत्र श्री बैनी प्रसाद शर्मा व श्री राजेन्द्र कुमार शर्मा पुत्र श्री लोचन प्रसाद शर्मा निवासी सोरी कटरा शाहगंज श्रागरा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिस की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब क किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्वों का, जो उक्त अधि-गियम, के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, वहीं श्रर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गर्था है है।

अनुसूची

एक किता मकान नं० पुराना 1018/101 व नया
15/130 बाके भोगीपुरा मुहाल मीरसाहब म्राली पट्टी
जुगलिकशोर लोदामंग्री वाई० प०व० जिला मागरा में स्थित
है जोकि 65000/- रु० में बेचा गया है।

बी० सी० चतुर्वेदी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, निरीक्षण, ग्रर्जन रेंज, कानपुर।

दिनांफ: 10-9-1980

प्ररूप आइ. टी. एन्, एस.---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) झर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 4 सितम्बर 1980

निर्देश सं० टी० ग्नार० नं० 876-ग्नर्जन/79-80 हापुड़---ग्रतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मंपिता जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिमकी सं० भूमि है तथा जो में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय एतमदपुर में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक 18 जनवरी 1980

को पूर्वोकत सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देष्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः शब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, मंं, उदत अधिनियम की धारा 269-य की उपधाराः(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीतः— श्री छेदीलाल उर्फ राम प्रकाश पुत श्री चरण सिंह व मुकेश कुमार उर्फ मुकेश पुत श्री चरण सिंह निवासी इरादत नगर डा० खास तह० खेरागढ़ जिला ग्रागरा।

(श्रन्तरक)

2. श्री इन्द्र सिंह पुत्त श्री माधोसिंह व तोतीलाल व डालचन्द्र पुत्रगण श्री हेतराम व रामसिंह पुत्र श्री बरलीराम व बूजेश कुमार पुत्र श्री लख्मीचन्द्र व हरिश्रोम व पुत्र बाके मौजा व डा० मुख्तार तह० एतमदपुर जिला।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं स सै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस् अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि बाके मौजा मुख्तार तह० एतमदपुर जिला श्रलीगढ़ में स्थित है जो कि 63000/- रु० में बेची गयी है।

> बी० सी० चनुर्वेदी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण), ग्रजैन रेंज, कानपुर,

दिनोक: 4-9-1980

प्ररूप आहाँ. दी. एन. एस.----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 10 सितम्बर 1980

निर्देश सं०टी० आर० नं० 882-ग्रर्जन/फिरोजाबाद/ 79-80---ग्रतः मुझे बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी करे, यह विरवास करने का कारण है कि स्थावर नंपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

धौर जिसकी सं० भृमि है तथा जो ग्राम सुखमलपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय फिरोजाबाद में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 23 जनवरी, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल की लिए अन्तरित की गई हैं और मूक्ते गई विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुर्इ किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सूविधा के लिए;

अतः अबं, उक्त अधिनियमं, की धारा 269-गं के अनुसरण में, मा, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घं की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात्:---

- श्री रामगोपाल मित्तल पुत्र श्री लाला गौरी शंकर मित्तल निवासी कोटला स्टेशन रोड़ फिरोजाबाद। (ग्रन्तरक)
- 2. जनता सहकारी गृह निर्माण सिमिति लिमिटेड फिरोजा-बाद द्वारा श्री हेमचन्द्र अग्रवाल सचिव उपरोक्त सिमिति पुत्र श्री रामेश्वर दयाल नि० जलसरे रोड़ कस्वा फिरोजाबाद ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उवत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मी काई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि दाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति युवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हिस- बस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनस अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशापित ह⁵, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रन् सूची

भूमि ग्राम मुखमलपुर निजामाबाद तह्सील फिरोजाबाद जो खसरा नम्बर 628 में से 16000 वर्ग फीट हैं जो 40,000/६० में बेची गई है।

> र्वी० सी० चतुर्वेदी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, कानपूर

दिनांक: 10-9-1980

प्ररूप आई• टी• एन० एस•

आयुक्तर अव्धिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयुक्त आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 4 सितम्बर 1980

निर्देश सं० टी० ग्रार० नं०/878-ग्रर्जन/ग्रागरा/79-80----भतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा ग्या है), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- कि. से अधिक है

भौर जिसकी सं० प्लाट 175 है तथा जो जयपुर हाऊस भागरा में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्सा श्रधिकारी के कार्यालय भागरा में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 22 जनवरी, 1980

को पूर्वाक्त सम्मित् के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान् प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वो क्त सम्मित का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से एसे द्रियमान प्रतिफल का प्लाह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्वेदय से उक्त अन्तरण लिखित को वास्तिवक कप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयु की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण को, माँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस्त व्यक्तियों अधित:—

- श्री राजकुमार छाबड़ा पुत्र श्री हरवंसलाल छाबड़ा टी० 28 जयपुर हाउस लोहामन्डी, ग्रागरा। (ग्रन्तरक)
 - 2. श्री विशेश्वरलाल पुक्ष श्री जयगोपाल दास जी व श्रीमती शीला देवी उपनाम शीला रानी पत्नी श्री विशेश्वरलाल निवसियान 88 नेहरू नगर श्रागरा (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उन्त सुम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या ही।

अनुसूची

एक किता प्लाट संख्या 175 बाके जयपुर हाउस लो० बा० श्रागरा रकवई 572 वर्गगज यानी 478.192 वर्ग मीटर पर निर्मित हैं जो कि 65000/६० में बेची गयी

> बी० सी० चतुर्वेदी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, (निरक्षण), ग्रर्जन रेंज, कानपूर,

दिनांक: 4-9-1980

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 8 म्रगस्त 1980

निर्देश सं ाा-432/म्रजंन/80-81—म्प्रतः, मुझे, ज्योतीग्द्र नाथ, निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन, परिक्षेत्र बिहार, पटना आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ रु० से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० वार्ड नं० 11 (पुराना) 18 (नया) थाना नं० 4 प्लाट नं० 84 ए इत्यादि है, तथा जो राजेन्द्र नगर रोड़ नं० 2 पटना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय पटना में रिजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक 16 जनवरी, 1980।

को पूर्वाक्स सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के एरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वा क्स सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से एसे टरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कृथित नहीं किया गया है:

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सूबिधा का लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात्:——

 श्री गोपी कृष्ण सिन्हा बल्द स्व० बाबू इक्वरी प्र० सिंह् हालमोकान, महल्ला काग्रेस मैदान, कमदकुंग्रा पटना-3।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती सुगीला देवी पर्ता श्री लाल जी प्रसाद मौहल्ला जगत नारायण रोड़, कदमकुंश्रा पटना-3।

(ग्रन्तरिती)

का यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पर्ति के अूर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारों स से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में गरिशाणित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया। गया हैं।

अनुसूची

जमीन का रकवा 3 कठ्ठा 3 धूर 13 धूरकी जो माहल्ला राजेन्द्र नगर रोड़ नं० 2 पटना में स्थित है तथा पूर्णरूप से विसका नम्बर 103 दिनांक 16-1-80 में विणित है तथा जिसका निबन्धन जिला ग्रवर निबंधन पदाधिकारी पटना द्वारा की गई है।

ज्योतीन्द्र नाथ, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, बिहार, पटना ।

दिनांक: 8-8-1980

प्रकप भाई•टी०एन•एस०-----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 8 अगस्त 1980

निर्देश सं०-III 433/प्रजंन/80-81—प्रतः, मुझे, ज्यांतीन्द्र नाथ, निरीक्षो सहायक आयकर आयुक्त अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० तौजी नं० 14/805 खाता नं० 125, खसरा नं० 1061 वार्ड नं० 34 र्राक्तल नं० 246 है, तथा जो दुगरा (बोरिंग कनाल रोड़) पटना में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय पटना में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन 18 जनवरी 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विषवास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य. उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिणत से श्राधक हैं और श्रन्तरक (ग्रन्तरकों) और श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित छ्रश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी ध्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्राय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः, श्रब, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त क्षधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के क्षधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--- 1. डा० शिला शरण पत्नी डा० गोपाल शरण रोड़ नं० 12 राजेन्द्र नगर, पटना-16

(भ्रन्तरक)

2. श्री हरनाम दास मानकानी बल्द ईश्वर दास निवासी-वोरीग रोड़ पटना-1।

(भ्रन्तरिती)

उत्रत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की श्रविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा नकोंगे।

स्पढडोक्तरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उनत श्रिधितयम के श्रद्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस शब्दाय में दिया गया है।

ब्रनुस्ची

जमीन का रकवा 3.41 कट्ठा जो मौजा बुजरा (वोरींग कनाल रोड़) पटना में स्थित हैं तथा पूर्णरूप से वासिका नं० 161 दिनांक 18-1-1980 में वर्णित हैं तथा जिसका निबंधन जिला ग्रवर निवंधन पदाधिकारी पटना के द्वारा की गई है।

> ज्योतीन्द्र नाथ, सक्षम पदाधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, जिहार, पटना,

दिनांक: 8-8-1980

प्रक्षप ग्राई• टी• एन• एस =--

मानकर मिश्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के मधीन सूचना मारत सरकार

> कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, पटना, बिहार

> > पदना, दिनांक 11 सितम्बर 1980

निर्देश सं० IV-438/ग्रर्जन/80-81-----श्रनः मुझे, ज्योतीन्द्र नाथ,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका छितत बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है भौर जिसकी सं० जमावान्छी नं० 21/2858 सेटलमेंट प्लाट नं० 275, टाऊन प्लान प्लाट नं० 70 भौर 1/2 का 71 मौजा बरमसीया तालुक रोहनी नाराफ रूपसागर देवधर (संथाल प्ररगना) में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूवी में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 17 जनवरी, 1980।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के डिंबित बाजार भूस्य से कम के वृष्यमान प्रतिक्रम के लिए अग्तरित की नई है भीर मुने यह निष्तास करने का ग्राप्त है कि स्यापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार भूस्य, उसके वृष्यमान प्रतिक्रम में, ऐसे वृष्यमान प्रतिक्रम का पन्द्रह प्रतिक्रम पृथ्विक है और प्रन्तरक (प्रकरकों) भीर पन्तरिती (अग्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्रम, निम्नलिखित उद्देश्य से उबत अग्तरण लिखित में नास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उनत प्रक्षितियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी शाय या किसी घन या अन्य धारितयों को, जिन्हें मारतीय धायकर धिधितयम, 1922 (1922 का 11) या उमत धिधितयम, या धन-कर धिधितयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोक्षमार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया वा या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः क्षत्र, उश्त समितियम की आरा 269-ग के सनुसरण में, मैं, उक्त समितियम की भारा 269-म की सपक्षारा (1) के अभीन, निम्नलिखित क्यक्तियों, अर्थात् :-- 1. श्रीमती स्मृतीकाना मिता 18/2 बेलीगंज सरकुलर रोड, कलकत्ता।

(अन्तरक)

 सर्वश्री (i) राम क्रष्ण अग्रवाल (ii) वामुदेव अग्रवाल (iii) लक्ष्मी नारायण अग्रवाल (iv) रतन लाल अग्रवाल () ललीत कुमार अग्रवाल सा० जुगसल टाटानगर, बिहार।

(अन्तरिती)

को यह मूत्रना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियों करताहूं।

उन्त सम्पति के प्रजित के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी प्रन्थ व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्याक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों घीर पदों का, जो उक्त घिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं घर्ष होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

जमीन 1 बीघा 15 कट्ठा 10 छटांक मकान "स्मृति" सिहत जो मौजा बरमसीया, तालुक रोहिनी थाना देवधर संथाल प्रगना में स्थित है जो पूर्ण रूप से दस्तावेज संख्या I-303 दिनांक 17-1-1980 में विणित है तथा जिसका निबंधन रजिस्ट्रार श्राफ इन्सोरेन्स द्वारा हुई है।

ज्योतीम्त्र नाथ सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण, श्रजैन रेंज, बिहार, पटना

दिनांक: 11-9-1980

प्ररूप माई० टी० एन०एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन **स्व**ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) स्रर्जन रेंज, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 11 सिनम्बर 1980

निर्देश सं०- I 439/प्रर्जन/80-81—प्रतः मुझे, ज्योतीन्द्र नाथ,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/ रा० से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० खाता नं० 69 श्रौर 7 प्लाट नं० 1363 श्रौर 1262 इत्यादि है, तथा जो मौजा-टुमडहा थाना गोविन्द पुर जिला धनबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 15 जनवरी, 1980

को पूर्वाकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एश्यमाम अितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे एश्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति- फल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक इप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के का लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

- श्री बीलो बरमन, धनबाद मंत्रालय एवं थाना—धनबाद । (श्रन्तरक)
- 2. मैंसर्स केडीया फौरिंगिंग एण्ड इन्जीनियरींग वर्कंस (प्रा०) लिमिटेड, 161/1 महात्मा गांधी रोड़, कलकत्ता। (ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारों करके पूर्वांक्त सम्पह्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत् व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हु⁵, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गयर है।

शन्स्ची

जमीन का रकवा 1.66 एकड़ जो मौजा दुमझहा थाना गोविन्दपुर जिला धनवाद में स्थित है तथा जो पूर्ण रूप से वासिका नंबर I-283 दिनांक 15-1-1980 में वर्णित है तथा जिसका निबन्धन रजिस्ट्रार श्राफ इनस्योरेन्स कलकत्ता में की गई है।

> ज्योतीन्द्र नाथ, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, बिहार, पटना

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन निम्निसिस्त व्यक्तियों अर्थात्:---

दिनांक: 11-9-1980

त्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 11 सिसम्बर 1980

निर्देश सं० III 440/म्रर्जन/80-81—म्रतः मुझे ज्योतीन्द्र नाथ,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ए. से अधिक है

भौर जिसकी सं० होस्डिंग नं० 349 वार्ड नं० 15, हजारी बाग है, तथा जो हजारीबाग (मालबीया रोड़) में स्थित है (भौर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय हजारीबाग में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन विनांक 14 जनवरी, 1980

को पूर्वोक्त गंपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के इरयमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में आस्ति क रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अध, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के जानित, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—— 14—266 GI/80 1. श्री जितेन्द्र कुमार मोतीलाल पिता—स्वर्गीय राय साहब डा० नरेन्द्र कुमार मोतीलाल सा०—-बडम बाजार, पोस्ट/जिला—हजारीबाग।

(श्रन्तरक)

2. श्रीमती हेना राय, पति—श्री णम्भू नाथ राय सा० खलासी मोहल्ला, पोस्ट/थाना—मधुपुर जिला— संथालपरगना ।

(भ्रन्तरिती)

3. श्री कामता प्रसाद (किराएदार) सा०—मालवीया रोड़, पोस्ट/जिला—हजारीबाग। (वह व्यक्ति जिसके श्रधि-योग में सम्रत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप: ---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्वष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहो अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुस्ची

मकान का रकवा 566 वर्ग फूट जो कि मालवीया रोइ, हजारीबाग में स्थित है तथा जो पूर्व रूप से दस्तावेज संख्या 154 दिनांक 14-1-80 में विणित है तथा जो जिला-प्रवर निबधक, हजारीबाग द्वारा पंजीकृत है।

> ज्योतीन्द्र नाथ, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बिहार, पटना

तारीख: 11-9-1980

प्ररूप आई. दी. एन. एस.--

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बिहार, पटना पटना, दिनांक 11 सितम्बर 1980

निर्देश स॰ iii 441/ग्रजैन/80-81—ग्रतः मृझे, ज्योतीन्त्र नाथ, ज

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी करे, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मंपित्त जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिलकी सं० टीजी तं० 3418 थाना नं० 348 खाता नं० 32 ग्रीर 97 खपर नं० 291, 292, 293 है, तथा जो मौजा मोकिमपुर वेगुसराय परगना विलया अल्ला-एवं जिला-वेगुसराय में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध भ्रमुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी के कार्यात्रय वेगुसराय में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक 5 मार्च, 1980

को पूर्वोक्त संपरित के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित दाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल में, एसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के दिच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिकल निम्नलिखित उच्चेश्य से उयत अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविका के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

- श्री विनोदरंजन प्र० सिंह पुत्र नगेण्वर प्रसाद वेगुसराय परगना विश्वया पो० एंव थाना वेगुसराय जिला-वेगुसराय । (ग्रन्तरक)
 - श्री विरेन्द्र सिंह, विश्म्बर प्रसाद सिंह पुष्त बनारसी प्रसाद सिंह ग्राम एवं पो० डीट परगना मालकी, थाना-वरौनी-जिला वेगुसराय।

(भ्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारी आ से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामी स से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

ग्रनुसूची

जमीन का रकबा 2 कट्टा जो मौजा मोकिमपुर वेगुसराय में स्थित है। तथा पूर्णतया से वासिका नम्बर 2145 ता० 5-3-80 में वर्णित है। जिसका निबन्धन जिला भ्रवर निबन्धन पदाधिकारी वेगुसराय में हुआ है।

> ज्योतीन्द्र नाथ, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण, अर्जन रेंज, बिहार, पटना,

विनोक: 11-9-1980

प्ररूप आई ० टी० एन० एस० ।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के स्थीन सुम्बना

भारत सरकार काय्सियः, सहायक वायकर बायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 11 सितम्बर 1980

निर्देश सं० iii 442/म्रजंन/80-81—मतः मुझे ज्योतीम्ब्र नाथ,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरिता जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रू. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० हौजी नं० 3418 थाना नं० 348 खाता नं० 82 श्रौर 97 खसरा नं० 291, 292, 293 है, तथा जो भौजा मोकिमपुर वेगुसराय परगणा वालिया थाना एवं जिला वेगुसराय में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बाँगत हैं,) रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधकारी के कार्यालय वेगुसराय में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 5 मार्च 1980

को पूर्वावत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वावत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरफ के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नितिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उकत औध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-म के अन्सरण में, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म को उपधारा (1) के अधीन, निम्निचित व्यक्तियों अधीन, निम्निचित व्यक्तियों अधीन,

 श्री परोफुलो रंजन सिन्हा पुत्र नगेश्वर प्रसाद ग्राम वेगु-स राय पो० एंव थाना वेगुसराय परगना वालिया जिला— वेगुसराय।

(भन्तरक)

2. श्री बिरेन्द्र प्रसाद सिंह एषं विश्मबर प्रसाद सिंह पुन बनारसी प्रसाद सिंह, ग्राम एवं पवम श्रीह परगना—मालकी थाना—-वरौनी, जिला वेगुसराय।

(भन्तरियी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी अ से 45 विन की अविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्त में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्ष्री के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त मधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित इं, वहां सुर्थ हांगा जो उस अध्याय में विमा गया है।

अनुसूची

जमीन का रकवा 2 कट्टा जो मौजा मोकभपुर वेगुसराय में स्थित है तथा पूर्णरूप से वासिका नस्वर 2142 दिनांक 5-3-80 में वर्णित है जिसका निवन्धन जिला अवर निबन्धन पदाधिकारी वेगुसराय में हुआ है।

> ज्योतीन्द्र नाथ, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण, श्रर्जन रेंज, बिहार पटना,

दिनांक: 11-9-1980

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बिहार, पटना

पटना, दिनाक 11 सिसम्बर 1980

निदेण सं० III 443/म्रर्जन/80-81---मृतः मुझे ज्योतीन्द्र नाथ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० तौजी नं० 10084 थाना नं० 387 खाता नं० 3 श्रीर 24 इत्यादि है, तथा जो मौजा मखदुमपुर, थाना सिलाव जिला नालन्दा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नालन्दा में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक शून्य माह जनवरी 1980।

को पूर्वाक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के एरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके उत्यमान प्रतिफल से एसे उत्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शस्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और√या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धनकर अधिनियम, का धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गढ़ा था किया जाना चाहिए था कियाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुतरण में, मं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपभारा (1) के अधीन निम्नितिस्त व्यक्तियों, स्थात्:—

1. श्री स्वामी सीताराम शरण जी महाराज चेला स्वामी महंत राम कृपाल शरण जी महाराज महंत जो गदीसीन मंदिर ठाकुर राम जानकी विराजमान मंदिर लक्ष्मण किला श्रयोध्या थाना बोडा श्रयोध्या जिला--फ्राबाद।

(भ्रन्तरक)

2. श्री कुमार इन्द्र जीत सिंह बल्द स्वं० श्री चुन्नीलाल, ग्राम मदहर थाना—चनकी पो० मतहर जिला नालन्दा (शन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कूरता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मस्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के णस लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'जक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का रकवा 6 एकड़ 33 डैसिमल जो मीजा मखदुमपुर नालन्दा में स्थित है, तथा पूर्णरूप से विसका नम्बर 110 दिनांक णून्य माह जनवरी 1980 में वर्जित है। जिसका निबंधन जिला अवर निबंधन पदाधिकारी नालन्दा में हुआ है।

> ज्योतीन्द्र नाथ सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) डर्जन रेंज, बिहार, पटना,

दिनांक: 11-9-1980

प्ररूप आई. टी. एन्. एस.----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज, बिहार, पटना

पटना; दिनांक 11 सितम्बर 1980

निदेण सं ० 🚻 144/श्रर्जन/80-81—-ग्रत मुझे, ज्योतीन्द्र नाथ,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपन्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. में अधिक हैं

भौर जिसकी मं० तौजी नं० 10084 थाना नं० 387 खाता नं० 3, 23 और 17 इत्यादि है, तथा जो मौजा-मखदुमपुर थाना-सिलाव जिला-नालन्दा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधि-कारी के कार्यालय नालन्दा में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक शून्य माह जनवरी 1980।

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तिरत की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्रयमान प्रतिफल में, एसे स्रयमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिकल के पन्तर प्रतिकल के अपिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीध एसे अन्तरण के लिए तय पाण गया प्रतिफल कि निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, माँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नुलिधित व्यक्तित्यों वर्थात्:— श्री स्वामी सीता राम णरण जी महाराज चेला स्व० महत राम छपाल णरण जी महाराज मंदिर ठाकुर राम जानकी जी विराजमान, लक्ष्मण किला श्रयोध्या थाना श्रयोध्या जिला—-फैजाबाद।

(भ्रन्तरक)

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्यष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पीरभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्त्रची

जमीन का रकवा 4 एकड़ 21 डैसीमल जो मौजा मखदुमपुर नालन्दा में स्थित है। तथा पूर्णतया से वासिक नम्बर 1094 दिनांक शुन्य माह जनवरी 1980 में वर्जित है जिसका निबंधन जिला अवर निबंधन पदाधिकारी नालन्दा में हुन्ना है।

> ज्योतीन्द्र नाथ सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण श्रजन रेंज, बिहार, पटना ।

दिनांक: 11-9-1980

प्ररूप आहर्. टी. एन. एस.----

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 11 सितम्बर 1980

निदेश सं ॰ III/ 445/ग्रर्जन/80-81---ग्रतः मुझे, ज्योतीन्द्र नाथ,

आयकर जीधीनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर गंपरित जिसका जाजत बाजार मूल्य 25,000/- रूज. से अधिक है

भौर जिसकी सं तोजी नं 10084 थाना नं 387 खाता नं 3 इत्यादि है, तथा जो मौजा मखदुमपुर थाना सिलाव जिला नालन्दा में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता भिधिकारी के कार्यालय नालन्दा में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक शन्य माह जनवरी 1980।

का पूर्वाक्त संपत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के फिए अन्तरित को गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उणित बाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण िलिख्त में वास्तिक क्ष्म से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी अप या किसी धन या अन्य आस्तियाँ का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अधीत्:~- 1. श्री स्वामी सीताराम शरण जी महाराज चेला स्वं॰ महंत राम ऋपाल शरण जी महाराज मंदिर ठाकुर राम जानकी, लक्ष्मण किला अयोध्या थाना श्रयोध्या जिला—फैजाबाद।

(भ्रन्तरक)

2. श्री ग्रसंतोष कुमार सिंह पुत्र ग्राफ कुमार इन्द्रजीत सिंह ग्राम मतहर थाना व पो० मतहर थाना चन्डी, जिला नालन्दा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृषांकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजफत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याप 20-क मे परिभाषित हैं, वहों अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अन् सूची

जमीन का रकवा 4 एकड़ 84 डैसीमल जो मौजा मखदुमपुर नालन्दा में स्थित हैं। तथा पूर्णतया से वासिका नम्बर 10.93 दिनांक णून्य माह जनवरी 1980 में वर्जित है जिसका निबंधन जिला अवर निबंधन पदाधिकारी, नालन्दा में हुआ है।

> ज्योतीन्द्र नाथ सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण ग्रर्जन रेंज, बिहार, पटना ।

दिनांक: 11-9-1980

प्ररूप गाउँ० टी • एन • एस • —— आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 11 सित्तम्बर 1980

निदेश सं० III/446/म्रर्जन/80-81--- म्रतः मुझे ज्योतीन्द्र माथ प्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'छवत प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- स्पए से ग्रधिक है भौर जिसकी सं० तौजी नं० 110084 थाना न० 387 खाता नं० 3 इत्यादि है, सथा जो मौजा-मखदुमपुर थाना सिलाव जिला-नालन्दा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिध-कारी के कार्यालय नालन्दा में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाक शून्य माह जवनरी 1980 को पूर्विक्त गम्पति के उचित बाजार मूल्य ते कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विषवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मति का उचित बाजार मुख्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिकतका पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर पन्तरक (भन्तरकों) और भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिश्वित उद्देश्य से उका अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) मन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त भाषि-नियम के भाषीन कर देने के भन्तरक के पायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या श्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धनकर ग्रिधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिणने में सुविधा के लिए;

प्रतः, धव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- श्री स्वामी सीता राम गरण जी महाराज चेला स्व० मंहत राम उपाल शरण जी महाराज गदीसिन मंदीर ठाकुर राम जानकी जी विराजमान मंदिर लक्ष्मण किला श्रयोध्या थाना श्रयोध्या जिला फैंजाबाद।
 (स्रात्तरक)
- 2. श्रीमती शांति सिंह जैंजे कुमार इन्द्रजीत सिंह ग्राम मतहर थाना चान्की पो० मतहर जिला नालन्दा। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ब्रजैन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

जनत सम्पत्ति ने धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख में 45 दिन की भ्रवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्न स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित से किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधि -नियम के भव्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भर्थ होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का रकवा 4 ऐकड़ 64 डीसमल जो मौजा मखतुमपुर नालन्दा में स्थित है। तथा पूर्णरूप से वासिका नम्बर 1096 दिनांक गून्य माह जनवरी 1980 मे वर्जित है। जिसका निबधन जिला अवर पदाधिकारी नालन्दा मे हुआ है।

> ज्योतीन्द्र नाथ, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण, श्रर्जन रेंज, बिहार, पटना ।

दिनोक: 11-9-1980

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, पटना

पटना, दिनांक 11 सितम्बर 1980

निर्देश सं० ।।। 447/म्रर्जन/80-81—म्रतः मुझे ज्योतीन्द्र नाथ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिस की सं० एम० एस० प्लाट नं० 1338 और 1339 वार्ड नं० VII बीन है, तथा जो 6 कट्टा 11 छटांक सरकुलर रोड़ रांची में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रांची में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 23 सितम्बर 1980।

को पूर्वांकत संपहित के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य, उसके दर्यमान प्रतिफल से, एसे द्रायमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्निलिशित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि जिला में वास्तिवक क्य से किथा नहीं किया गया है:---

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, एक्त ग्रधिनियम के श्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आयकर आधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः भ्रज, उक्त भ्रधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के अभीन निस्नलिखित व्यक्तियों। अर्थात् :— शिमती सराद कुमारी सरकार श्रौरत श्राफ नगेन्द्र नाथ सरकार, सरकुलर रोड़, मौहल्ला—लालपूर थाना—लालपुर जिला—रांची।

(भ्रन्तरक)

2. श्री गोपाल गोयन का पुत्र श्राफ महादेव लाल गोयनका, सरकुलर रोड़, रांची, द्वारा—गोयनका पेपर छद्योग, श्रपर बाजार रांची।

(भ्रन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्षत् सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्ष्री के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पष्टिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्यी

जमीन का रकवा 6 कट्टा 11 छटांक जो मौजा सर-कुलर रोड़ रांची में स्थित हैं। तथा पूर्णेरूह से वासिका नम्बर 465 दिनांक 23-1-80 में विजित है।जिसका निबंधन जिला--निबंधन पदाधिकारी रांची में हुआ है।

> ज्योतीन्द्र नाथ, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण, ग्रर्जन रेंज , पटना बिहार,

दिनांक: 11-9-1980

मोहरः

मायुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेज, एरणाकुलम

एरणाक्लम, दिनांक 2 अगस्त 1980

निर्देश सं० एल० मी० 418/80-81—यतः मुझे, वी० मोह्न लाल.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करन का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- क से भ्रष्टिक है

श्रीर जिसकी सं० श्रनुसूची के श्रनुसार है, जो पेहंबाबूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय पेहंबाबूर में जनवरी 1980

को पूर्वाक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्त्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वरिय से उक्त अन्तरण लिखिन में वास्तिवक क्य से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की नाबत उकत अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

15-266 Gl 90

1. श्रीमती सरस्वती ग्रम्बा श्रादि।

(भ्रन्तर्धः)

2. श्री ग्रनिल कुमार ग्रादि।

(ग्रन्तिरती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्मित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्स सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्वव्यक्तिकरणः — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गमा है।

अमृस्**यी**

58 cents of land with building as per schedule attached to doc. No. 16/1980.

त्री० मोहनलाल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रुजैन रेंज, एरणाकुलम,

दिनांक: 2-8-1980

मोहरः

प्ररूप धाई॰ टी॰ एन० एस०-----

आयक्**र अविनिधम, 1961 (1961 का 43) की** घारा 269-च (1) के घडीन सूचना

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक आयकर धायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

कोचीन, दिनांक 20 ग्रगस्त 1980

निर्देण सं० एल० मी० 419/80-81—यतः मुझे वी० भोहनलाल,

अध्यकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उन्त मिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० स्रनुसूची के स्रनुसार है, जो कक्ष्वनथारा में स्थित है (स्रौर इसमें उपाबद्ध स्रनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता स्रधिकारी के कार्यालय एरणाबुलम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, 5 जनवरी 1980।

की पूर्वीकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृण्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाल करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृण्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृण्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में बास्तविक रूप से कथा से किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त पश्चितियम के भ्रष्टीत कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या खससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय धायकर धाधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त, अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया बाना चाहिए वा छिपाने में सुविधा के किए;

प्रतः १, ज १४ अधिनियम की घारा 269-ए के धनुसरण में, में, उपत प्रविनियम की वारा 269-ए की उपवारा (1) प्रधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अविति:--- 1. श्रीमती जी० सान्तम्मा

(अन्तरक)

2. डा० ग्रगस्टिन श्रीर डा० तंकम्मा।

(ग्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रजैन के लिए कार्यवाद्यां करता हूं।

जनत सम्भत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अवधि मा तस्सभ्यन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविष, जो भी अविध बाद में सनाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति शाहा;
- (बा) इस सूत्रना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 कि के भीतर उक्त स्थातर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इति, प्रभीह ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वरुद्धिकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्वो का, जो उक्त अधि-तिरम के अध्याय 20-क में परिकाणित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

13 Cents of land with a building as per schedule attached to doc. No. 53/80 Dt. 5-1-80.

वी० मोहनलाल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, एरणाकुलम,

विनांक: 20-8-1980

प्रहर आई० टो० एन० एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन एरणाकुलम

एरणाकुलम, दिनांक 10 सितम्बर 1980

निर्देश सं० एल० सी० 420/80-81—यतः मुझे, वी० ग्रार० नायर,

मायकर भ्रमिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ध्सके पश्चात् 'उक्त भ्रमिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रभीन सक्षम श्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से भ्रष्टिक है

श्रौर जिसकी सं० श्रनुसूची के श्रनुसार है, जो एरणाकुलम में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय एरणा-कुलम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, 10 जनवरी, 1980।

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उभित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है मीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उभित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का यग्द्रह प्रतिगत से अधिक है भीर धन्तरक (धन्तरकों) भीर धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिखित उद्देश्य से उक्त अग्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त श्रीमियम के भ्रमीन कर देने के मन्तरक के शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या घन्य घास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर ग्राधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त ग्राधिनियम, या धन-कर ग्राधिनियम, 1957 (1957 का 27) के ग्रयोजमार्थ भन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविद्या के लिए;

भ्रतः श्रव, उना अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथीत्:—— 1. श्री एन० ए० के० हाजि।

(ग्रन्तरक)

2. श्री जार्ज तौमस।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के क्षए कार्यवाहियां करता है।

उनत सम्पति के अर्वन के सम्बंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की नारीख, के 45 दिन की श्रविद्य या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविद्य, जो भी अविश्व बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस मूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण:--इममें प्रयुक्त शक्यों ग्रीर पर्वो का, जो जबत श्रिमियम, के श्रष्टयाय 20-क में परिकाशित हैं, बहो अर्थ होगा जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है।

अनुसूची

24.649 cents of land with building as per schedule atached to doc No. 86/80 dated 10-1-80.

वी० ग्रार० नायर, सक्षम प्राधिकारी, **बह**ायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन एरणाकुसम

दिनांक: 10-9-1980

प्रस्प आई॰ टी॰ एन॰ एस॰----

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा

269-च (1) के प्रजीत सूचना

भारत सरकार

कार्यात्रय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, एरणाकुलम

कोचीन, दिनांक 16 सिनम्बर 1980

निर्देश मं० एल० सी० 422/80-81—यतः मुझे वी० स्रार० नायर,

आयकर प्रधिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सन्नम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- ६० से अधिक है,

श्रौर जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो मामंगलम में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विजत है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय एडापिल में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 2 जनवरी 1980।

को यूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिकत्त से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीव ऐसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल, निम्निजिद्धा उद्देश्य मे उसत अन्तरण लिखित में बास्तिक का से किया गया है:—

- (क) सन्तरण से हुई किसा साय की बाबत, इक्त आधि-नियम के प्रधीन कर देने के सन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या अगस्तयों की, जिन्हें भारतीय धायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त धिधनियम, या धम-कद अधिनियन, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए वा, कियाने में सुविधा के निए:

भन अब, उक्त मधिनियम की धारा 200 म के मन्म का में उक्त अधिनियम की धारा 200 म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अवितः—

1. श्रीमती एल्थाम्मा चेरियान

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती एलाईस

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

इक्त सम्यति के प्रकृत के संबंध में कोई भी प्राक्षेत्र : ---

- (क) इस सूचना क राज्यत्र में प्रकाशन को तारी जा से 45 दिन की धवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामी ल से 30 दिन की अवधि, जी भी धवधि बांध में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वों के व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरण: -- इसमें प्रयुक्त मब्दों और पड़ों का, जी खक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिचाबित है, बही प्रषं होगा जी उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसुची

12.5 Cents of land with a building as per schedule attached to doc. No. 11/80 dated 2-1-80.

वी० आर० मायर सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, एरणाक्**ल**म,

दिनांक: 16-9-1980

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

DEPARTMENT OF PERSONNEL & ADMINISTRATIVE REFORMS

LAL BAHADUR SHASTRI NATIONAL ACADEMY OF ADMINISTRATION

Mussoorie, the 10th September 1980

No. 2/5/78-EST.—Shri B. D. Tyagi, P.S. to Director is appointed as Deputy Administrative Officer in the Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration, Mussoorie in the pay scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 on a purely ad hoc basis with effect from 6-9-80 (I⁵N) for a period of one year or till a regular arrangement is made, whichever is earlier.

No. 2/17/78-EST.—Shri S. D. Gailwad, Physical Training Instructor is appointed as Assistant Administrative Officer in the Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration, Mussoorie in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960 on purely ad hoc basis with effect from 6-9-80 (AN) for a period of one year or till a regular arrangement is made whichever is earlier.

K. RANGARAJAN Deputy Director (Senior)

CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 8th September 1980

No. A-6/71/Ad-V.—The Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment is pleased to relieve Shri A. W. Degwekar, Dy. Superintendent of Police in Central Bureau of Investigation in the afternoon of 11-8-1980 to join on deputation in the Employees' Provident Fund Organisation, Bombay as Dy. Director of Vigilance.

No. S-47/65/Ad-V.—The Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment is pleased to relieve Shri Swaran Singh, Dy. Superintendent of Police in Central Bureau of Investigation in the afternoon of 5-8-1980 to join on deputation Indian Tourism Development Corporation as Security Officer.

No. A-19021/2/77-AD-V.—The services of Shri K. A. Jucob, IPS(BH-1964) Supdt. of Police, Central Bureau of Investigation/Special Police Establishment are placed back at the disposal of the Government of Bihar with effect from 16-8-1980 (afternoon), on repatriation.

No. A-19036/3/78-Ad. V.—Consequent on the expiry of his term of deputation, the services of Shri M. Ramamurthy, Dy. Superintendent of Police, Central Bureau of Investigation, CIU (ANU) have been placed back at the disposal of the Government of Andhra Pradesh with effect from 13-6-1980 forenoon.

No. A-19021/6/80-Ad.V.—The President is pleased to appoint Shri G. Jha, IPS (1967-U.P.) as Superintendent of Police, Central Bureau of Investigation, with effect from 22-8-1980 (FN) on deputation basis, until further orders.

Q. I.. GROVER Administrative Officer (E) Central Bureau of Investigation

DIRECTORATE GENERAL, CRPF

New Delhi-110001, the 11th September 1980

No. O.II-963/72-Histt.—The services of Shri K, J. C. K. Reddy, Dy. SP Group Centre, CRPF, Avadi are placed at

the d'sposal of Police computer wing, Government of Karnataka, Bangalore on deputation basis wef the afternoon of 14-6-80.

The 15th September 1980

No. O.JI-663/71-Estt.—Consequent on his retirement from Government service, Shri G. B. Rai, Dy. SP of 25th Bn CRPF relinquished charge of the post of Dy. SP on the afternoon of 31-8-80.

No. O.II-1088/73-Estt.—Consequent on his retirement from Government service, Shri T. P. Mishra, Dy. SP of 26 Bn CRPF relinquished charge of the post of Dy. SP on the afternoon of 31-8-80.

K. R. K. PRASAD Assistant Director (Adm)

OFFICE OF THE INSPECTOR-GENERAL CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-19, the 9th August 1980

No. E-38013(3)/9/80-PERS.—On transfer to Rishikesh Shii Y. N. Khanna relinquished the charge of the post of Assistant Commandant, CISF HQrs, New Delhi wef the afternoon of 29th July, 1980.

No. E-38013(3)/9/80-Pers.—On transfer to Hardwar Shri O. P. Bhasin, relinquished the charge of the post of Assistant Commandant CISF Unit ALIMCO Kanpur with effect from the afternoon of 5th Aug., 80.

On transfer from Gorakhpur Shri P. R. Bhuttan assumed the charge of the post of Assistant Commandant CISF Unit ALIMCO Kanpur with effect from the forenoon of the 7th Aug. 1980,

No. E-38013(3)/9/80-Pers.—On transfer from Rishikesh Shri N. C. Sood assumed the charge of the post of Asstt. Commandant, CISF Unit SAC Ahemdabad with effect from the afternoon of 11th August 1980 vide Shri Ajit Singh Assistant Commandant who on transfer to Panna relinquished the charge of the said post wef the same date.

No. E-38013(3)/9/80-Pers.—On transfer from Tuticorin Shii P. P. John Alex assumed the charge of the post of Assistant Commandant, CISF Unit, SHAR Centre, Sciharikota Range (A.P.) wef the forenoon of 28th July, 1980.

No. E-38013(3)/9/80-Pers.—On transfer to Cochin Shri K. L. Luke relinquished the charge of the post of Assistant Commandant, CISF Unit, V.P.T. Visakhapatnam wef the afternoon of the 22nd July, 1980.

No. E-38013(3)/9/80-Pers.—On transfer from Madras Shri T. F. Balakrishnan Nambiar assumed the charge of the post of Assistant Commandant, CISF Unit, New Mangalore Port wef the forenoon of the 11th July, 1980.

The 12th September 1980

No. E-32015(1)/2/77-PERS.—On expiry of his term of reemployment Shri M. Venugopal relinquished the charge of the post of Commandant, CISF Unit, ISRO Thumba wef the afternoon of 30th June, 1980.

No. E-38013(2) 1/80-PERS.—On transfer from Durgapur Shri Banar Singh, IPS (HP:67) assumed the charge of the post of Comdt. CISF Unit, NFL Naya Nangal wef the forenoon of 28th July, 1980.

No. E-38013(3)/1/79-PERS.—On transfer to Salem Shri R. P. Pillai relinquished the charge of the post of Assistant Comdt. CISF Unit, ISR() Thumba wel the afternoon of 20th July, 1980.

No. F-38013(3)/9/80-PERS.—On transfer from Dighaghat Shri S. L. Prasad assumed the charge of the post of Asstt. Comdt, CISF Unit, DSP Durgapur wef the forenoon of 30th July, 1980.

No. E-38013(3)9/80-PERS.—On transfer from Thumba Shri S. M. Saini assumed the charge of the post of Assistant Commandant, CISF Unit, V.P.T. Visakhapatnam wef the forenoon of 27th July, 1980.

(Sd.) ILLEGIBLE Inspector-General

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi-110011, the 10th September 1980

No. 11/98/79-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri B. K. Singh, Chief Secretary to the Andaman & Nicobar Islands Administration, as Director of Census Operations, Andaman & Nicobar Islands, Port Blair, in an ex-officio capacity, with effect from the forenoon of the 22nd July, 1980, until further orders.

2. His headquarters will be at Port Blair.

The 12th September 1980

No. 11/29/80-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri Purna Chandra Roy, an officer belonging to the Orissa Administrative Service, as Deputy Director of Census Operations, in the office of the Director of Census Operations, Orissa, Cuttack, by transfer on deputation, with effect from the forenoon of the 20th August, 1980, until further orders.

The headquarters of Shri Roy will be at Berhampur.

P. PADMANABHA Registrar General, India

MINISTRY OF FINANCE

(DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS) BANK NOTE PRESS

Dewas, the 7th September 1980

F. No. BNP/C/5/80.—The undersigned is pleased to appoint the following permanent Junior Supervisor as Technical Officer (Printing & Platemaking) in the Bank Note Press, Dewas on ad hoc basis in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-FB-35-880-40-1000-FB-40-1200 (Group 'B' Gazetted) with effect from the date shown against each for a period of three months or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier.

- 1. Shri A. D. Deshpande-28-8-80
- 2. Shri S. K. Shukla-31-8-80

The ad hoc appointment does not confer any prescriptive right on the appointee for continuing in the post or being appointed thereto on a regular basis, the ad hoc appointment can be discontinued at any time without assigning any reason.

Their names are appearing in the order of merit as adjudged by D.P.C. (Group 'B').

M. V. CHAR Deputy General Manager

INDIA GOVERNMENT MINT

Calcutta-700 088, the 3rd September 1980

No. 92/80.—Shri Trilochan Chatterjee. Permanent Dy. Acett. of India Government Mint Alipore, Calcutta-700 088, is appointed to officiate as Bullion Registrar (Group B Post) in the scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200/- for the period from 5th September, 1980 to 7th October, 1980 against the

leave vacancy of Shri R. N. Neogi, Permanent Bullion Registrar of this Mint.

H. N. GUPTA Master of the Mint.

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE COMPTROLLER AND AUDITOR GENERAL OF INDIA

New Delhi-110002, the 15th September 1980

No. 2248/CA.I/384-67.—On his attaining the age of superannuation Shri A. K. Dutta, Audit Officer (Commercial) serving in the Office of of the Member, Audit Board & Exofficio Director of Commercial Audit (Coal), Calcutta has retired from Government service with effect from 31-8-80 AN.

No. 2251/CA.1/25-70.—On his attaining the age of superannuation Shri J. P. Goel Audit Officer (Commercial) serving in the Office of the Accountant General-II, Uttar Pradesh, Lucknow has retired from Government service with effect from 31-1-80 A.N.

H. L. DANI Joint Director (Commercial)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, ANDHRA PRADESH

Hyderabad, the 11th September 1980

No. Admn.I/8.132/80-81 213.—Shri C. B. Srinivasana, Accounts Officer, Office of the Accountant General-I. Andhra Pradesh, Hyderabad, has retired from service with effect from 31-8-80 AN.

No. Admn.I/8.132/80-81/213. -Shri P. Seshadri, Accounts Officer, Office of the Accountant General-II. Andhra Pradesh. Hyderabad, has retired from service with effect from 31-8-80 AN.

No. Admn.1/8.132/80-81/213.—Shri T. V. Bhadri Raju, Accounts, Officer, Office of the Accountant General-I, Andhra Pradesh. Hyderabad, has retired from service with effect from 31-8-1980 AN.

Sd./- ILLEGIBLF Sr. Dy. Accountant General (Admn)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, JAMMU & KASHMIR

Srinagar, the 8th September 1980

No. Admn-I/69(Gen)/80-81/2503-9.—The Accountant General Jammu & Kashmir, has promoted following three rermanent section Officers as Accounts Officers in an officiating capacity with effect from the Afternoon of 29th August, 1980 till further orders:—

- (i) Shri Badri Narain Raina.
- (ii) Shri G. A. Wani.
- (iii) Shri G. L. Khashu.

H. P. DAS Sr. Dy. Accountant General (A&E)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL KERALA

Trivandrum, the 2nd September 1980

No. Estt.A.VII/9-86/Vol.II/99.—The Accountant General, Kerala is pleased to appoint Shri T. K. Andi, Section Officer (Audit and Accounts) to officiate as Accounts Officer with effect from 30th August 1980 Forenoon until further orders.

D. SIVARAMAKRISHNAN Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE C.G.D.A.

New Delhi-110 022, the 10th September 1980

No. 1841Q/AN-1.—On attaining the age of 58 years, Shri Padam Kumar Jain, ACDA, will be transferred to the Pension Establishment with effect from 31-3-1981 (AN) and accordingly struck off strength of the Defence Accounts Department wef 31-3-81 (AN).

R. L. BAKSHI

Addl. Controller General of Defence Accounts (AN)

MINISTRY OF DEFENCE

DGOF HORS. CIVIL SERVICE ORDNANCF FACTORY BOARD

Calcuttr-700069, the 3rd September 1980

No. 21/80/A/F-1(NG)—The DGOF is pleased to promote the following individuals in Offig. capacity, against existing vacancies of T.S.O., in grades and on dates shown against each:-

 Shri Hirendra Nath Ghosh, Permanent Assistant. 	Asstt. Staff Officer (Adhoc)	From 20-8-80 until further orders.
Shri Yoginder Nath Goswami Permanent Assistant.	Do.	Dø.

S/Shri Ghosh and Goswami assumed the higher duties as A.S.O. w.e.f. 20-8-80.

D. P. CHAKRAVARTI

Adgof/Admin.

for Director General, Ordnance Factories.

INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE

Calcutta, the 29th August 1980

No. 58/G/80—The President is pleased to appoint the under-mentioned Officers as Offg. GM (SG)/DDGOF-Level-II with effect from the date shown against them, until further orders :

S/Shri

(1) A.P. Bhattacharya, Offg ADGOF/Gr. 1	31-7-80
(2) K.P.R. Pillay, Offg. GM/Gr. I	31-7-80
(3) S. Srinivasan, Offg. GM/Gr. I	31-7-80
	(Under 'Next Below Rule')
(4) J.W. Kawathekar, Offg. GM/Gr. I	31-7-80
(5) D.R. Iyer, Offg.Director	31-7-80
(6) V.M. Bhandarkar, Offg. GM/Gr.I	31-7-80
(7) N. Balakrishnan, Offg. GM/Gr. I.	31-7-80
(8) V.N. Bhide, Offg. GM/Gr. I	31-7-80
(9) N.M. Patel, Offg. ADGOF/Gr. I	31-7-80
(10) B.B. Ghosh, Offg. GM/Gr. I	31-7-80
(11) P. K. Banerjee, Offg. GM/Gr. I	31-7-80
(12) R.S. Jaiswal, Offg, GM/Gr. I	31-7-80
(13) K.D. Kalia, Offg. GM/Gr. I	20-8-80
(14) R.K. Mitra, Offg. ADGOF/Gr. I	25-8-80

No. 59/G/80. The President is pleased to appoint the undermentioned Officer as Offg. ADGOF/Gr. I with effect from the date shown against him, until further orders:-

Shri D. N. Nijhawan, Permt. ADGOF/Gr. II 27-6-80

No. 60/G/80—The President is pleased to appoint the undermentioned Officers as Offg. Manager/Sr. DADGOF with effect from the date shown against them, until further orders :-

S/Shri	
(1) T. Ramakrishna, Pt. D.M.	1-4-80
(2) P. Ramaiah, Pt. D.M.	1-4-80
(3) K.C. Sikka, Pt. D.M.	1-4-80
(4) P. M. Deshpande, Pt. D.M.	1-4-80
(5) S.N. Tiwari, Pt. D.M.	1-4-80
(6) D.P. Dam, Pt. D.M.	1-4-80
(7) B.B. Verma, Pt. D.M.	1-4-80
(8) C.R. Jain, Pt. D.M.	15 -5- 80
(9) P.S. Sodhi, Pt. D.M.	16-6-80
(10) K.C. Shrikhande, Pt D.M.	16-6-80
(11) G.I. Wellington, Pt. D.M.	16-6-80
(12) T.S. Ramalingam, Pt. D.M.	31-7-80
(13) M.M. Agarwal, Offg., S.O./Gr. I	31-7-80
(14) Prem Narain, Offg, D.M.	31-7-80
(15) B.K. Rao, Offg. D.M.	31-7-80
(16) Pyare Lall, Offg. D.M.	31-7-80
(17) O.P. Kalra, Offg. D.M.	4-8-80

No. 61/G/80—The President is pleased to appoint the undermentioned Officers as Offg. D.M./DADGOF with effect from the date shown against them until further orddrs:---

ырши	
(1) Sudhendu Das, AM (Prob.)	30-6-80
(2) N. Kothandapani, AM (Pro	b.) 30-6-80
(3) V.K.C. Sanghi, AM (Prob.)	30-6-80
(4) Rajindra Kr. Jain, AM (Pro	b.) 30-6-8 0
(5) M.S. Krishnamoorthy, AM	(Prob.) 30-6-80
(6) B. Yesu, AM (Prob.)	30-6-80
(7) B.K. Tiwari, AM (Prob.)	30-6-80
(8) M.G. Awasthy, AM (Prob.)	30-6 -8 0
(9) K.K. Rastogi, AM (Prob.)	30-6-80
(10) H.M. Singh, AM (Prob.)	30-6-80
(11) S.K. Dutta, AM (Prob.)	30-6-80
(12) S.S. Paul, Offg. A.M.	30-6-80,
(13) P.K. Das, AM (Prob.)	30-6-80
(14) R.S. Puri, AM (Prob.)	30-6-80
(15) A Bandyopadhyay, AM (Pro	ob.) 30-6-80
(16) B.G. Swamy, Offg. A.M.	30-6-80
(17) P.T. Katre, Offg. A.M.	30-6-80
(18) P.A. Dev, AM (Prob.)	30-6-80
(19) R.A. Aziz, AM (Prob.)	30-6-80
(20) R. Guruparan, AM (Prob.)	30-6-80
(21) N.P. Biswas, AM (Prob.)	30-6-80
(22) N. Krishnamoorthy, Offg. A	.,M. 30-6-80
(23) R. K. Dixit, AM (Prob.)	9-8-80
(24) B.K. Kansal, AM (Prob.)	9-8-80
(25) Mahesh Kumar, AM (Prob.	9-8-80
(26) M.K. Kaul, AM (Prob.)	9-8-80
(27) M.K. Chakraborty, AM (Pro-	ob.) 9-8-80
(28) B.K. De, AM (Prob.)	9-8-80
(29) A.K. Ganguly AM (Prob.)	9-8-80
(30) R.P. Ahuja, AM (Prob.)	9-8-80
	V V MITTA

V. K. MEHTA Asstt Director General Ordnance Factories

MINISTRY OF COMMERCE (DEPARTMENT OF TEXTILES)

OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER FOR HANDLOOMS

New Delhi, the 29th August 1980

No. A-12025(i)/3/80-Admn.II(A).—The President is pleased to appoint with effect from the forenoon of the 18th June, 1980 and until further orders Shii Arun Kumar Jaiswal as Assistant Director Grade I (Designs) in the Weavers Service Centre, Panipat.

> N. P. SESHADRI Jt. Development Commissioner for Handlooms

KANDI A FRFE TRADE ZONE ADMINISTRATION GANDHIDHAM

Kutch, the 1st September 1980

No. FTZ/Admn/7/2/80-81/10624.—On attaining the age of superannuation Shri J. P. Pagar Superintendent of Central Excise & Customs, Ahmedabad, working at present on deputation as Assistant, Collector of Customs, Kandla Free Trade Zone, relinquished the charge of the post with effect from the afternoon of the 30-8-1980.

NIRANJAN SINGH Development Commissioner Kandla Free Trade Zone

MINISTRY OF STEEL & MINES (DEPARTMENT OF MINES) GFOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700016, the 6th September 1980

No. 6566B/A32013(AO)/78-80/19A,—Shri Parimal Mukherjee, Superintendent, Geological Survey of India is appointed on promotion as Administrative Officer in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 14-8-1980, until further orders

The 10th September 1980

No. 6742B/A-1912(Cost Acctt-DKS)/80-19A.—Shri Dilip Kr. Sen, Cost Accountant (Ad hoc), Ceological Survey of India is appointed as Cost Accountant in the same department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in an officiating capacity with effect from the afternoon of the 2nd July 1980, until further orders.

V. S. KRISHNASWAMY Director General

INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 6th September 1980

No. A.19012(121)/79-Estt.A.—On the recommendation of the Union Public Service Commission, Dr. Kota Suryanarayana Murthy is appointed to the rost of Assistant Chemist in Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from the forenoon of 4th August, 1980.

No. A.19011(269)/80-Fstt.A.—On the recommendation of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri Satyendra Prakash Goyal to the post of Assistant Controller of Mines in Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from the Jorenoon of 8th August, 1980.

S. V. ALI Head of Office Indian Bureau of Mines

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 6th September 1980

No. A.19019/27/79-CGHS.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. (Mrs.) Vijaya I akshmi to the post of Ayurvedic Physician in the Central Government Health Scheme on temporary basis with effect from the forenoon of 9-11-1979

N. N. GHOSH Dv. Director Admn. (CGHS) New Delhi, the 10th Septomber 1980

No. A.12026/13/79/RMLH)/Admn.I.—The President is pleased to appoint Dr. N. S. Kalrah, Junior Biochemist, Lady Harding Medical College & Smt. Sucheta Kriplani Hospital, New Delhi to the post of Biochemist at the Dr. Ram Manohar Lohia Hospital, New Delhi, with effect from the afternoon of the 12th August, 1980 on a temporary basis and until further orders.

Consequent on his appointment to the post of Biochemist at the Dr. Ram Manohar Lohia Hospital, New Delhi, Dr. N. S. Kalrah, relinquished charge of the post of Junior Biochemist at the Lady Harding Medical College and Smt. Sucheta Kriplani Hospital, New Delhi with effect from the afternoon of the 12th August, 1980.

S. L. KUTHIALA Dy. Dir, Admn. (O&M)

MINISTRY OF AGRICULTURE

(DEPARTMENT OF AGRICULTURE & COOPERATION) DIRECTORATE OF EXTENSION

New Delhi, the 8th September 1980

No. F.3-48/79-Estt.(1).—The ad hoc appointment of S/Shri S. L. Dhir, K. R. Vij and O. P. Bhasin in the post of Superintendent (Grade 1) is further continued with effect from 1-9-80 to 28-2-81 or till the posts are filled up on regular basis whichever is earlier.

The 10th September 1980

No. F.2(6)/78-Fstt.(I).—On the recommendations of the U.P.S.C., Dr. Dig Rijoy Singh, Touring Veterinary Officer, Department of Animal Husbandry, Bisfi, Madhubani (Bihar). is appointed as Assistant Livestock Officer, G.C.S. Group 'B' (Gazetted) (Non-Ministerial), in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200, in the Directorate of Extension, Ministry of Agriculture, Department of Agriculture & Cooperation, with effect from 1-9-1980 (FN), on transfer on deputation basis, for a period of 3 years, in term of Ministry of Finance (Department of Expenditure) O.M. No. F. 10(24)-E.111/60, dated 4-5-61 as amended from time to time.

B. N. CHADHA Director Administration

MINISTRY OF RURAL RECONSTRUCTION DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 5th September 1980

No. A.19023/77/78-A-III.—Consequent on his promotion to the post of Dy. Senior Marketing Officer (Group I) in this Dte. at Gauhati, Shri N. Gopal handed over charge of the post of Marketing Officer at Madras in the afternoon of 31-7-80.

No. A.19023/78/78-A-III.—Consequent on his promotion to the post of Dy. Senior Marketing Officer (Group 1) in this Directorate at Raichur, Shri J. S. Sastry handed over charge of the post of Marketing Officer at Hyderabad in the afternoon of 5-8-80.

The 6th September 1980

No. A.19025/23/80-A-III.—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee (Group B). Shri Bhag Chand Jat, Senior Inspector has been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer (Group I) in this Directorate at Nagpur with effect from 5-8-80 (FN), until further orders.

No. A.19025/52/80-A.III.—On the recommendations of the Union Public Service Commission Shri Suresh Chander Khurana has been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer (Group III) in this Directorate at New Delhl with effect from 29-7-80 (FN), until further orders.

The 11th September 1980

No. A. 19025/43/80-A.III—The undermentioned Senior Inspectors have been appointed to officiate as Assistant Marketing Officers (Group I) on short-term basis in this Directorate at the Stations and with effect from the dates mentioned against each, until further orders:—

S/Shri

1. Harpada Kundu			. New Delhi	9-6-80 (FN)
2. T. S. Johny .		•	. Guntur	10-6-80 (FN)
3. N.K. Misra .	•	٠	. Lucknow	17-5-80 (FN)
4. H.C. Vatsal .			. Nagpur	26-6-80 (FN)

No. A.19027/1/80-A-III.—The short-term appointment of Shri P. Y. Shirke, purely on ad-hoc basis, to the post of Editor (Marketing Journal) in the Directorate at Nagpur has been extended for a period of 3 months with effect from 1-9-80 or till the post is filled up on regular basis, whichever is earlier, on the usual deputation terms.

B. J. MANIHAR Director of Administration for Agril. Marketing Adviser

(DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY) POWER PROJECTS ENGINEERING DIVISION

Bombay-5, the 30th August 1980

No. PPED/3(262)/78-Adm/11886.—Director, Power Projects Engineering Division, Bombay hereby appoints Shri K. G. Vaswani, a permanent Personal Assistant and Officiating Stenographer-III of this Division as Assistant Personnel Officer in the same Division in a temporary capacity with effect from the forenoon of August 27, 1980 to the afternoon of September 26, 1980 vice Shri R. Sarangapani, Asstt. Personnel Officer proceeded on leave.

B. V. THATTE Administrative Officer

DIRECTORATE OF PURCHASE & STORES

Bombay-400 001, the 21st August 1980

No. DPS/B-74/ADM/14758.—On expiry of the term of his deputation with M/s. Richardson & Crudas (1972) Limited, Bombay, Shri V. Boothalingam, Assistant Purchase Officer, Directorate of Purchase & Stores, Department of Atomic Energy, assumed charge of the post of Assistant Purchase Officer in the same Directorate with effect from July 29, 1980 (FN).

K. P. JOSEPH, Administrative Officer

NUCLEAR FUEL COMPLEX Hyderabad-500762, the 14th November 1979 ORDER

No. NFC/PA.V/Dis/1711/SSTP/1854.—WHFREAS Shri A. Suresh Kumar, while functioning as Tradesman 'A' in SSTP, applied for and been sanctioned leave for 15 days from 27-1-1979 to 12-2-1979 with permission to suffix 13-2-79 to the leave;

- 2. AND WHEREAS the said Shri Suresh Kumar failed to resume duty on 14-2-1979, but remained absent without permission from that date;
- 3. AND WHEREAS vide Memorandum No. NFC/TP/S-252/521, dt. 5-3-1979 the said Shri Suresh Kumar was directed to report for duty immediately: 16-266 GI/80

- 4. AND WHEREAS the said Memorandum No. NFC/TP/S-252/521 dt. 5 3-79 sent by Registered Post with Ack. due to the last known address of the said Shri Suresh Kumar, viz. H. No. 237, Picket, Secunderabad (AP), was returned by the Postal authorities with a remark that "7 days abent, party not found in delivery time";
- 5. AND WHEREAS the said Shri Suresh Kumar has continued to remain absent and failed to inform the NFC of his whereabouts;
- 6. AND WHEREAS the said Shri Suresh Kumar has been guilty of voluntarily abandoning service;
- 7. AND WHEREAS because of his abandoning service without keeping the NFC informed of his present whereabouts, the undersigned is satisfied that it is not reasonably practicable to hold an injuiry as provided in para 41 of the Standing Orders and/or Rule 14 of the CCS (Classification, Control and Appeal) Rules, 1965;
- 8. AND NOW, therefore, the undersigned in exercise of the powers conferred under para 42 of the NFC Standing Orders read with DAE Order No. 22(1)/68-Adm. dt. 3-12-70 and/or under Rules 19(ii) of CCS (CCA) Rules, 1965 hereby removes the said Shri Suresh Kumar from services with immediate effect.

The 13th July 1980

No. NFC/PA.V/2606/1411/1383.—WHEREAS Shri M. A. Lateef Khan, while functioning as Tradesman 'A' in MFP, has been remaining absent from duty from 26-5-1979 without prior approvl but sent medical certificates covering his absence from 26-5-79 to 7-10-79;

- 2. AND WHEREAS a telegram was sent by NFC administration to Shri Latcef Khan asking him to report for duty immediately and the post copy of the telegram bearing Ref No. PA.IV/L-30/EES/3043, dated 29-11-79 was sent to him directing him to report for duty immediately and not later than 5-12-79 and he was asked to report to Medical Officer, NFC on or before 5-12-79 in case he was still sick;
- 3. AND WHEREAS the said note dated 29-11-79 was sent by registered post/acknowledgement due to his known address viz. H. No. 16-5-68/1, Farhat Nagar, Dabeerpura, Hyderabad was returned undelivered by postal authorities with remarks "No such person in the house number. Returned to the sender."
- 4. AND WHEREAS Shri Lateef Khan did not report to Medical Officer, NFC for an examination even after the stipulated date of 5-12-79 although he has produced medical certificates covering his absence from 8-10-79 to 10-2-80 and from 12-3-80 to 13-5-80;
- 5. AND WHEREAS the Disciplinary Authority proposed to hold an inquiry against Shri Lateef Khan under para 41.2 (ii) of NFC Standing Orders and a charge-sheet vide Memorandum No. NFC/PA.V/2606/1411/975 dt. 26-5-80 was sent by Regd. post (Ack. Due) to the following address viz. Shri Lateef Khan, H. No. 16-5-68/1, Farhat Nagar, Dabeerpura;
- 6. AND WHEREAS the copy of the said memorandum No. NFC/PA.V/2606/1411/975 dt. 26-5-80 addressed to H. No. 16-5-68/1, Farhat Nagar, Debeerpura, Hyderabad was returned undelivered by postal authorities with a remark "No such person in the house number";
- 7. AND WHEREAS the said Shri Latesf Khan continued to remain absent and failed to inform Nuclear Fuel Complex fo his whereabouts;
- 8. AND WHEREAS the said Shri Lateef Khan had been guilty of voluntarily abandoning service;
- 9. AND WHEREAS because of his abandoning service without keeping Nuclear Fuel Complex informed of his pre-

sent whereabouts, the undersigned is satisfied that it is not reasonably practicable to hold an inquiry as provided in para 41 of the NFC Standing Orders and/or Rule 14 of the CCS (CCA) Rules, 1965.

10. NOW, THEREFORE, the undersigned in exercise of the powers conferred under para 42 of NFC Standing Orders read with DAE Order No. 22(1)/68-Adm. II dt. 7-7-79 and/or under Rule 19(ii) of CCS (CCA) Rules, 1965, hereby removes the said Shri Lateel Khan, T/A, MFP, from services with immediate effect.

N. KONDAL RAO Chief Executive

(ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500 016, the 8th September 1980

No. AMD-51/(35)/80-Pen.—Consequent upon his voluntary retirement from Government service, Shri R. N. Dey, a permanent Assistant/officiating Assistant Personnel Officer in the Atomic Minerals Division of this Department, relinquished charge of his post on the afternoon of August 31, 1980.

The 10th September 1980

No. AMD-1/6/79 Adm.—Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy hereby appoints Shri K. A. Pillai, permanent Upper Division Clerk, PPED and temporary Selection Grade Clerk in Rajasthan Atomic Power Project as Assistant Personnel Officer in the Atomic Minerals Division in a temporary capacity with effect from the forenoon of 10-7-1980 until further orders.

M. S. RAO, Sr. Adm & Accounts Officer

HEAVY WATER PROJECTS

Bombay-400 008, the 9th September 1980

Ref. 05012/R4/OP/3955.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri Annamalai Natarajan, a permanent Lower Division Clerk in the office of the Director of Supplies (Textiles) and officiating Assistant Accountant in Heavy Water Project (Tuticorin), to officiate as Assistant Accounts Officer in the same office, in a temporary capacity, on ad hoc basis from April 14, 1980 (FN) to May 16, 1980 (AN) vice Shri A. N. Muthuswamy, Assistant Accounts Officer Heavy Water Project (Tuticorin) appointed to officiate as Accounts Officer II.

Ref. 05012/R4/OP/3956.—Officer-on-Special Duty, Heavy water Projects, appoints Shri Angarai Natesa Iyer Muthuswamy, a permanent Accountant of Rajasthan Atomic Power Project and officiating Assistant Accounts Officer in Heavy Water Project (Tuticorin) to officiate as Accounts Officer II in the same office, in a temporary capacity, on ad hoc basis from April 14, 1980 (FN) to May 16, 1980 (AN) vice Shri K. K. Gopalakrishnan, Accounts Officer II, granted leave.

R. C. KOTIANKAR, Adm. Officer,

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3 the 9th September 1980

No. A 32013(DDGM)/1/80-E.I.—The President has been pleased to appoint the undermentioned Directors, India Meteorological Department, to officiate as Dy. Director General of Meteorology on ad-hoc basis in the same Department with effect from the dates mentioned against their names, for a period of

3 months or till the posts are filled up on regular basis, whichever is earlier:—

1. Shri H.M. Chaudhury . . . 25-7-80

2. Dr. A.K. Mukherjee . . . 24-7-1980 (AN)

3, Dr. A.A. Ramasastry . . 16-8-1980

4. Shri K.V. Rao . . . 1-8-1980

5. Dr. A.S. Ramanathan . . . 24-7-1980

6. Dr. S.M. Kulshrestha . . . 24-7-1980 7. Shri S.N. Tripathi 24-7-1980

S.K. DAS

Additional Director General of Meteorology (Instruments)

for Director General of Meteorology

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 8th September 1980

No. A.12025/11/79-ES.—The President is pleased to appoint S/Shri M. S. Rana and S. S. Rai, Junior Warrant Officer, from Indian Air Force, as Aircraft Inspectors and to post them in the office of the Controller of Aeronautical Inspection, Bombay and in the O/o the Regional Director, Bombay respectively with effect from 14-8-80 and 19-8-1980 (F.N.) on the basis of transfer on deputation for a period of three years.

Asstt. Director of Admn. for Director General of Civil Aviation.

New Delhi, the 5th September 1980

No. A. 32013/2/79-E.I.—In continuation of this Department Notification No. A.32013/2/79-E.I., dated the 14-12-79, the President is pleased to appoint Shri R. Narasimhan, Sr. Scientific Officer to the post of Deputy Director, Research & Development in the Civil Aviation Department on ad-hoc basis, beyond 31-3-80 upto 30-9-80 or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier.

2. This office notification of even No. dt. 11-8-80, is hereby cancelled.

C. K. VATSA, Asstt. Dir. of Admn.

New Delhi, the 8th September 1980

No. A.12025/11/79-ES.—The President is pleased to appoint Shri Tej Pal Sharma, Junior Warrant Officer, from Indian Air Force, as Aircraft Inspector and to post him in the office of the Regional Director, Delhi Region, Safdarjung Airport, New Delhi, with effect from 18-8-1980 (F.N.) on the basis of transfer on deputation for a period of three years.

The 11th September 1980

No. A.32013/3/79-ES.—The President is pleased to sanction the continued ad hoc appointment of the undermentioned two officers to the grade of Dy. Director/Controller of Aeronautical Inspection beyond the dates mentioned against each and upto 31-12-1980 or till the regular appointments to the grade are made, whichever is earlier:—

- 1. Shri S. Ranjan beyond 13-2-1980.
- 2. Shri V. D. Sethi beyond 27-12-1979.

R. N. DAS, Asstt. Dir. of Admn.

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE & CUSTOMS Madurai-2, the 4th September 1980

No. 3/80—The following Inspectors of Central Excise (SG) are appointed to officiate until further orders in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200. They have essumed charge as Superintendents in the places and on the dates noted against each:—

Sl. No.	Name of the officer		Place of posting	Date of assumption of charge
S	Shri			
1. P	. Stanislaus .		Customs Division, Ramanathapuram	28-5-80
2. T	.A. Devadurai		Sivakasi Range-III	11-6-80
3. N	f.S. Krishnamoorth	y	Sattur Range-I	16-6-80
4. A	. Muthuchellam		Ambasamudram Range-	·I 16-6-80
5. T	A. Ganesan		Lakshmipuram Range at Kovilpatty	23-6-80
6· M	f. Devarajulu .	•	B.H.E.L. Sector, Trichy	23-6-80
7. N	I.V. Venkataraman		Ambasamudram Range-II	26-6-80
8. N	I, Sankararaja .		Sivakasi Range-V	28-6-80
9. N	I. Sivasankaran		Sivakasi Dn.	9-7-80
10. S.	Pattabhiraman		Hqrs. Madurai	11-7-80
11. J.	Paul Rajanay, gam		Hqrs., Madurai	11-7-80
12. R	, Ganesan .	-	Gandhingar Range at Kovilpatty	23-7-80
13. Sr	nt. J. Muthumani		Central Exise Dvn., Madurai.	1-8-80
14. N	. Gopalan		Divisional Office, Nagapattinam	8-8-80
15. K	R. Narasinga Rao		Hqrs. Madurai	8-8-80
16, H	.T. Jothlpandian		Batlagundu Rango	8-8-80
17. P.	Shanmugam .		Thiruthuralpoondi	12-8-80
18. S.	Vanamamalai		Trichy Divisional Office	18-8-80
19, L	Rajagopalan .	•	Thiruthangal Range- II.	22-8-80

No. 4/80—The following Office Superintendents of central Excise are appointed to officiate until further orders as Administrative Officer (Group 'B') in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-35-EB-880-40-1000-EB-40-1200. They have assumed charge as Administrative Officers in the places and on the dates noted against each:

Sl. Name of the Officer No.	Place of posting	Date of assumption of charge	
1 2	3	4	
S/Shri			
1. V. Srinivasan	Divisional Office, Dindigul	8-8-80	
2. S.R. Ganapathiraman	Divisional Office, Sivakasi	12-8-80	

R. JAYARAMAN Collecto.r

Nagpur, the 6th September 1980

No. 7/80.—Consequent upon his promotion as Superintendent, Central Excise, Group 'A' vide Government of India, Ministry of Finance (Department of Revenue), New Delhi's Order No. 29/80, dated 21-2-1980, Shri W. R. Tare, Superintendent, Central Excise, Group 'B' of this Collectorate has assumed charge as Superintendent Central Excise, Group 'A' Hqrs. Office, Nagpur in the Forenoon of the 2nd June, 1980.

No. 8/80.—Subsequently, consequent upon his promotion to the grade of Assistant Collector (Junior Scale) in the Indian Customs and Central Excise Service, Group 'A' vide Government of India, Ministry of Finance (Department of Revenue), New Delhi's Order No. 95/80, F. No. A 22012/8/80-Ad.-II dated the 22nd July, 1980, Shri W. R. Tare, Superintendent, Central Excise, Group 'A' of this Collectorate has assumed charge of the office of the Assistant Collector, Central Excise, Division-I, Nagpur in the Forenoon of the 6th August, 1980 relieving Shri J. T. Dongre, Assistant Collector, Central Excise, Division-II, Nagpur of his additional charge.

No. 9/80.—Shri B. L. Ganjapure, Assistant Collector, Central Excise, Division-I, Nagpur of this Collectroate having attained age of superannuation has retired from Government service in the afternoon of the 31st July, 1980.

K. SANKARARAMAN, Collector

N. F. RAILWAY

Maligaon, the 10th September 1980

No. E/55/III/97(0).—Shri M. Singh, IRAS officer is confirmed in Junior Scale (Class-I) with effect from 24-3-79.

B. VENKATARAMAN General Manager

SOUTHERN RAILWAY

Madras, the 15th September 1980

No. A/PC/VB/7276.—Shri V. Balakrishnan, II a permanent member of the S.R.A.S. Cadre, in the Office of the Director of Audit/Southern Railway/Madras is promoted by the Director of Audit to officiate as Audit Officer in the scale of Rs. 800-1200 with effect from 22-8-80 F.N. until further orders.

Promotion made in this case is purely on an ad-hoc basis and shall be subject to the final orders of the Supreme Court in the cases pending before it.

T. B. NAGARAJAN Director of Audit

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS (DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS) COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Farm Tools Private Limited.

Bombay, the 5th September 1980

No. 4186/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Farm Tools Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act 1956 and of M/s. Famous Chit Fund Pvt. Ltd.

Bombay, the 5th September 1980

No. 8871/560(5).—Notice is hereby given pursuant to subsection (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Famous Chit Fund Pvt. Ltd. has this day

been struck off the Register and the said company is dissolv-

In the matter of Companies Act 1956 and of M/s Aluminized Steels Limited

Rombay, the 5th September 1980

No. 13432/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Aluminized Steels Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the mater of the Companies Act, 1956 and of M/s. S. A. Misri & Company Private Limited

Bombay, the 5th September 1980

No. 1359/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. S. A. Misri & Company Private Limited, unles cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be disolved.

> S. C. GUPTA, Asstt. Registrar of Companies, Maharashtra, Bombay.

In the matter of the Companies Act-1956 M/s. Subhsagar Cotton Mills Pvt. Ltd.

Ahmedabad-380009, the 8th September 1980

No. 2423/Liquidation.—By an order dated 9-1-1980 of the High Court of Gujarat at Ahmedabad in Company Petition No. 15 of 1979 it has been ordered to wind up M/s. Subhsagar Cotton Mills Pvt. Ltd

> V. Y. RANE, Asst. Registrar of Companies, Gujarat, Ahmedabad.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Northern India Mercantile Agencies Private Limited

Kanpur, the 8th September 1980

No. 9302/900 L.C.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Northern India Mercantile Agencies Private Limited unless cause is known to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

O. P. CHADHA Registrar of Companies, U.P., Kanpur.

FORM NO. 151

COMPANIES ACT, 1956

CREDITOR'S VOLUNTARY WINDING UP

Notice of appointment of Liquidator pursuant to section 516

Name of Company:

M/S Gogi Chit Fund Pvt.

Nature of business:

Chit Fund

Address of Registered office. 32/7, Pant Nagar, Jangpura,

New Delhi.

Name and address of liqui-

dator:

Official Liquidator attached to High Court of Dolhi, 16, Ring Road, I.P. Estate, New Delhi.

Date of appointment:

17th March, 1980.

By whom appointed:

Hon'ble High Court of

in C.A. 58 of 1980.

P. CHANDRA, Assistant Official Liquidator

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX,

Acquisition Range,
3rd. THAKKAR'S BUNGLOW NAGPUR

Nagpur, deted 31st July 1980

No. IAC/ACQ/147/80-81.—Whereas, I, S. K. BILLAJYA oring the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Kh. No. 17/1P, P.H. No. 10, situated at Mouja D. G. Tukum.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer Chandrapur on 21-1-1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following porsons, namely:—

(1) Smt. Bhiwarabai Sitaram Sonula Smt. Paprabai Rama Wadhai, Smt. Bhulabhai Narayan Mobute, Smt. Bhainabai Raghoba Mobile, All rosident of R.D.G. Tukum, Tah. & Distt. Gurdaspur.

(Transferors)

(2) Smt. Surekha Ramchandra Randive. St. R.D. Go. Tukum Tah. & Dist. Chandrapur.

Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Kh. No. 107/1P, P.H. No. 10, Mouja D.G. Tukum, Tah. & Dist. Chandrapur, out of which 2.00 Acres land.

S. K. BILLAIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tox,
Acquisition Range, Nagpur

Date: 31-7-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITIO RANGE-II,

CAMEL HOUSE, 691/1/10 PUNE SALAREE ROAD
Pune-411009, the 12th September 1980

Ref. No. CA5/Sr. Chopda/Feb. 80/481/80-81.—Whereas, 1 SHRI A. C. CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter

referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. C.S. No. 5990, 5990/1 to 5990/32, CS No. 60000, 60001, 6001/1 to 6001/9, 6002, 6003 situated at Chopada, Distt. Jalgaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

Chopada on Feb. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- 1. Smt. Banarasidevi Maganial Shet Agaiwal,
 2. Smt. Vidyadevi Radheshyam Gindodiya, and
 - Shri Maheshkumar Maganlal Agarwal, Purti Building, Agra Road, Dhule.

(Transferor)

(2) Shri Chopada Taluka Shetkari Sahakari Kharadi Vikri Sangh Ltd., At Chopada, Distt. Jalgaon.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property situated at Chopada Taluka, Distt. Jalgaon as detailed below:

CS Nos 5990, 5990/1 to 5990/32, CS Nos. 6000, 6001, 6001/1 to 6001/9, 6002 and 6003, Gat No. 1350, 1357, 1358, 1354, 1353, 1355, 1356, 1351 including ginning factory, pressing factory, oil mill, Lathe and Machinery, Boiler & stores, 2 godowns, wells, Elect. Motors and Elect. fittings, servant quarters, staff quarters, and guest house and Bungalow, etc.

(Property as described in the sale deed registered under document No. 338 in the month of Feb. 1980 in the office of the Sub-Registrar, Chopada, Distt. Jelgaon).

A. C. CHANDRA
Competent Authority'
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax,
Acquisition Range, Poona.

Date: 12-9-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

Acquisition Range, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, dated the 18th August 1980

Ref. No. P. R. No. 975/Acq. 23-Π/80-81.—Whereas, 1 S. N. MANDAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

No. R. S. No. 363, H. 1 F.P. No. 40A situated at Katargam, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at at Surat on 9-1-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evsion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Champaklel Herk shandes urfe Gordhandes;
 - 2. Natyarlal Champaklal;
 - 3. Rameshchandra Champaklal; Lal Darweja, Moti Sheri, Surat.

(Transferor)

(2) 1. Shr Kanjibhai Dungarbhai Patel; Bhatyalani Vadi, Varachha Road, Opp. Dena Bank Gate, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Katargam R. S. No. 363, H. 1, F. P. No. 46A, Sub-plot No. 15A, duly registered at Surft on 9-1-80.

S. N. MANDAL Competent Author ty Inspect ng Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 18-8-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

Acquisition Range-II, AHMEDABAD-380009

Ahemdabad, 380009 dated 18th August, 1980

Ref. No. P. R. No. 976/Acq. 23-II/80-81,- Whereas, I, S. N. MANDAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. R. S. No. 363, T. P. S. No. 4, Final Plot No. 40A, Sub-Plot No. 15-A at Katargam, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration

Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 9-1-1980

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (37 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby imitate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

- 1. 8hri Champaklal Harksandes urfe Gordhandes;
 2. Shri Natvarlal Champaklal;
 3. Shri Rameshchandra Champaklal;
 Lal Darwaja, Moti Sheri, Surat.
- (2) Shri Manjibhai Dungabhai; Bhaty.lani Vedi, Verschha Road, Opp. Dona Bank Gali, Surat

(Tarnsferce)

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned....

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Aut, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Katargam R. S. No. 363, H. I., T. P. S. No. 4, trinal Plot No. 40A, Sub Plot No. 15A, duly registered at Suret on 9-1-1980,

S. N. MANDAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 18-8-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD

Ahmedabad, the 18th August 1980

Ref. No. P. R. No. 977 Acq. 23-II/80-81.—Whereas, I, S. N. MANDAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Ward No. 17, R. S. No. 2 situated at Adajan, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Surat on 4-1-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

17-266 GI/80

 Manekben daughter of Khomed Pestanji Dogabha & widow of Arachsha Kavasji Turel; Biliniyad, Saiyadpura, Surat.

(Transferor)

 Shri Divgan Jasdas Raval, 54, Sangam Society, Rander Road, Surat.

Objections, if any, to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the axid immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property situated at Adajan, Ward No.17, R. S. No. 2, duly registered at Surat on 4-1-1980.

S. N. MANDAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 18-8-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD

Ahmeda bad the 18th August 1980

Ref. P. R. No. 978 Acq. /23-Π/80-81.—Whereas, I, S. N. MANDAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Ward No. 4, Nodh No. 4/1651-B situated at Sardar Market, Sahra Darwaja, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Surat on 5-1-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

M/s. Vasantlal Jayantilal;
 V. K. & Owner Shri Jayant lal Atmaram;
 12-A, Susma Society, Gopipura,
 Surat

(Transferor)

(2) Partner & Vahiyat Karta Shri Jamnadas Tribhovandas; C/o. M/s. Raj Trading Co., Goplpura, Vorvad, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sale Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHFDULE

Property at Sahra Darwaja, Sardar Market, Wd. No. 4, Nondh No. 4/1651-B, Surat duly registered on 5-1-1980.

S. N. MANDAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 18-8-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD

Ahmedabad, the 19th August 1980

Ref. P. R. No. 979/Acq. 23-II/80-81.—Whereas, I, S. N. MANDAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Nondh No. 350, Wd. No. 1, Popat Mohallo, Nanpura, situated at Surat

(and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Surat on 15-1-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Dinaben daughter of Kekhsaru Hormasji Deesawala, Sonapur Lane, Marine Drive, Bombay.
 - Alben daughter of Kekhsaru Hormasji Dcesawala;
 Popat Mohallo, Nanpura, Surat.
 - Maniben wife of Jchangirji Dumasia, Dumas Tal. Choryasi.
 - Jalejar Kekhsaru Deesawala, Koli ba, Khukhsarubag, Bombay.
 - Naushir Kekhsaru Deesawala, Mugai sara, Surat.
 - Rusi Kekhsaru Deesawala, Rustembag, Bhaykhala, Bombay.

(Transferors)

Sudhaben Balayantra Lapsiwala;
 1/350, Popat Mahalio, Nanpura,
 Surat.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Nondh Nol 350, Ward No. 1, Popat Mohallo, Nanpura, Surat duly registered at Surat on 15-1-1580.

[S. N. MANDAL Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 19-8-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,

Ahmedabad-380009 the 11th August 1980

Ref. P. R. 1147 Acq. 23-I/80-81-- Whoreas, I, S.N. MANDAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Thobani Oil Mill situated at Kutiana Distt. Junagadh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Manavadar on 10-1-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Karasandas Punjabhai Thobani & other s; Limda Chowk, Bhadrakall Road, Porbandar.

(Transferor)

(2) Shri Karsandas Valji Others; Thobani Ginning Factory, Kutiana, Ditt. Junagadh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this netice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property known as Thobhani Oil Mill situated at Kutiana, Distr. Junagadh duly registered by Sub-Registrar, Manavadar vide sale-deed No. 1592/10-1-80 i.e. property as fully described herein.

S. N. MANDAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I Ahmedabad

Dated: 11-8-1980

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1 2ND FLOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-I, the 11th August 1980

Ref. No. P.R. No. 1148 Acq. 23-I/80-81—Whereas, I, S. N. MANDAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Thobhani Oil Mill situated at Kutiana Distt. Junagadh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Manavader on 10-1-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Kasandas Punjabhai Thobhani; Limda Chawk, Bhadrakali Road, Porbander.

(Transferor)

(2) Aher Jethabhai Karsan & Others; C/o Thobhanl Ginning Factory, Kutiana, Distt. Junagadh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property known as Thobani Oil Mill situated at Kutiana, Distt. Junagadh duly registered by Sub-Registrar, Manavadar vide sale-deed No. 1593/10-1-1980 i.e. property as fully described therein.

S. N. MANDAL

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Renge-I, Ahmedabad

Date: 11-8-1980

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD Ahmedabad-380009, the 18th August, 1980

Ref. No., P.R. No. 1150 Acq. 23/I/80-81—Whereas, I, S.N. MANDAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. TPS. No. 18, F.P. No. 8, situated at Shop No. 14, Dahyabhai Chimanla! Cloth Market, Saherkotada, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahemdabad on 16-1-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s Mathures Corporation; through: Partner Babuhai Dashrathalal Patel; 111, Sarkiwad, Sarangpur, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Ramkishor Babulal Jain 703, New Cloth Market, Outside Raipur Market; Ahmedabad.

(Trnsferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gueratte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A shop No. 14 on Ground Floor standing on land admeasuring 14.46 sq. mts. bearing F.P. No. 8 of TPS, 18 situated at Dahyabhai Chimanlal Cloth Market, Saherkotada, Ahmedabad and as fully described in the sale-deed registered vide Reg. No. 1336 dated 16-1-1980.

S. N. MANDAL

Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ahmedabad.

Date: 18-8-1980

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-3800009, the 18th August 1980

Ref. No. P.R. No. 1151 Acq. 23-I/80-8,—Whereas, I, S. N. MANDAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. TPS No. 18 F.P. No. 8, situated at Saherkotada, Dahyabhai Chimanlal Coth Market, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 16-1-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Mathures, Corporation; through partner;
 Babuhai Dashrathlal Patel;
 Sarkiwad, Sarangpur, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Harsadkumar Dwarkadas; Guardian of Minor Vibhushan Harsadkumar; Manek Chowk; Ghanchini Pole. Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sale Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A shop No. 27 on Ground Floor standing on land admeasuring 14.71 sq. Mts. bearing F.P. No. 8, of TPS. 18, situated at Saherkotada, Ahmedahad and as fully described in the saledeed registered vide Regn. No. 1332 dated 16-1-1980.

S. N. MANDAL,

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 18-8-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I

HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 18th August 1980

Ref. No. P.R. No. 11 52 Acq. 23-J/80-81---Whereas, I, S.N. MANDAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. F.P. No. 8 of T.P.S. 1 8 situated at Saherkotada, Dahyabhai Chimanlal Cloth Market, Ahmedabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 16-1-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby intimate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Mathurs Corporation through: Partner: Patel;
 Babhubhai Dashrathlal Patel;
 Sarkiwad, Sarangpur, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Mahendrakumar Maman Chand; Bhadreshwar Society, Behin H.B. Kapadia High School, Outside Delhi Darwaja, Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this actice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person intersted in the said immovable property within 45 days from the date of the pub. cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given to that Chapter.

THE SCHEDULE

A shop No. 2 on ground floor standing on land 14 13 sq. mts. bearing F.P. 8 of T.P.S. 18 situated at Saherkotada, Ahmedabad and as fully described in the sale-deed registered vide Registration No. 1333 dated 16-1-1980.

S. N. MANDAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ahmedabad.

Date: 18-8-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

ADQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380 009 the 18th August, 1980

Ref. No. P.R. No. 1153 Ac. 23-I/80-81---Whereas, I, S.N. MANDAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. F.P. No. 8 of T.P. S. 18 situated at Saher Kotada, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 16-1-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
18—266GI/80

 M/s Mathuresh Corporation; through p: rtner;
 Shri Babubhai Deshrathlal;
 111, Sarkiwad, Sarangpur, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Jasudben Chimanlal Shah; Theirpurnagar Coop, Housing Society; Nawa Wadaj, Ahmedabad-13.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A shop No. 24 on ground floor standing on land admeasuring 14:81 sq. mts. bearing F.P. No. 8, of T.P.S. No. 18, situated at Saherkotada, Ahmedabad and as fully described in the sale deed registered vide Regn. No. 1336 dated 16-1-1980.

S.N. MANDAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I, Ahmedabad

Date: 18-8-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR

HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009 the 16th August, 1980

Ref. No. P.R. 1154 Acq. 23-I/80-81---Whereas, I S.N. MANDAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 2-A, F.P. No. 8 of T.P.S. No. 18 situated at Saherko-tada, Ahmedabad.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 30-1-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in the pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s Mayuresh Corporation;
Through partner:
Shrl Babuhai Dashrathlal Patel;

111, Sarkiwad, Sarangpur, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Keelaschandra Ramdhanaji ; 20, Subhashnagar Society, Navrangpur, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A shop No. 19 on ground floor standing on land admeasuring 14 ·50 sq, mts bearing S. No. 21A F.P. No. 8 of T.P.S. No. 18 situated : t Saherkotada, Ahmedabad and as fully described in the sale-deed registered vide Registration No. 2189 dated 31-1-1980.

S.N. MANDAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 16-8-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I

2ND FLOOR

HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,

AHMEDABDA

Ahmedabad-380 009 the 16th August, 1980

Ref. No. P.R. 1155 Acq. 23-I/80-81,—Whereas, I, S. N. MANDAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. S.No. 2-A, F.P. No. 8 of T.P.S. No. 18 situated at Saher Kotada, Ahmedabad.

(and more fully described in the Schedule annexed bereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 30-1-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

M/s Mathures Corporation;
 through partner;
 Babubhai Dashrathlal Patel;
 111, Srkiwad Sarangpur, Ahmedabad.

(Trnsferor)

 Jani Pravinchandra Dahyabhai; Lavarini Pole, Dhanasutharni Pole, Ahmedabad,

(Trans ferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetts or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A shop No. 11 on ground Floor, standuated at Saherkotda, bearing S.No. 2-A, F.P. No. 8 T.P.S. 18, sitsale-deed registered Ahmedabad and rs fully described in the sale-deed requstered vide Regn. No. 2183 dated 30-1-1980.

S. N. MANDAL
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition R nge-I Ahmedabad

Date: 18-8-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I
2ND FLOOR
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 18th August 1980

Ref. No. P.R. No. 1156 Acq. 23-I/80-81—Whereas, I, S, N, MSNDAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000%- and bearing

No. F.P. No. 8 of T.P.S. No. 18, situated at Saherkotada, Ahmedabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad 30-1-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. In respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

M/s Mathures Corporzion;
 Partner Babubhai Dashrathlal;
 Sarkiwad, Sarangpur, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Rajkumar Kripaldas; Panchalnagar Nawa Wadaj Roed, Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A shop No. 3 on ground floor, standing on land admeasuring 14·10 sq. mts. bearing F.P. No. 8, of T.P.S. 18, situated at Saherkotada, Ahmedabad and as fully described in the sale-deed registered vide Regn. No. 2193 dated 30-1-1980.

S. N. MANDAL
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 18-8-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 18th August, 1980

Ref. No. P.R. No. 1157 Acq. 23-I/80-81—Whereas, I S. N. MANDAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing

No. F.P. No. 8, of T.P.S. No. 18 situated at Sahorkotada, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 30-1-1980

for an apparent consideration which is less than the fair mdrket value of

the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the arcresard property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s Mathures Corporation; through partner; Babubhai Dashrathlal; 111-Sarkiwad, Sarangpur, Ahmedabad,

(Transferor)

(2) (1) Premchand Kripaldas;
 (2) Jagdish Kripaldas;
 1, Panchal Nagar, New Wadaj Road,
 Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A shop No. 18 on ground floor standing on land admeruring 14.88 sq. mts. bearing F.P. No. 8 of T. P. No. 18 situated at Saherkotada, Ahmedabad and as fully described in the sale-deed registered vide Regn. No. 2192 dated 30-1-1980.

S. N.* MANDAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 18-8-1980

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 18th August 1980

Ref. P.R. No. 1158 Acq. 23-I/80-81—Whereas, I S. N. MANDAL

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. F.P. No. 8 of T.P.S. No. 18 situated at Saherkotada, Ahmedabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmed: b: d on 5-1-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

M/s Mathures Corporation;
 through partner;
 Shri Babubhai Dashrathlal;
 111, Sarkiwad, Sarangpur, Ahmedabad.

(Transfeor)

(2) Shri Manoharlal Satyanarayan Kabara; Anant Smruti, Hindi Colony, Road No. 1, Dadar, Bombay,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A shop No. 6 on ground floor standing on land admeasuring $14\cdot59$ sq. mts. bearing F.P. No. 8 of T.P.S. No. 18 situated at Saherkotada Ahmedabad and as fully described in the sale-deed registered vide Regn. No. 295 dated 5-1-1980 .

S. N. MANDAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 18-8-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 18th August 1980

Ref. No. P.R. 1159 Acq. No. 23-I/80-81--Whereas, I S.N. MANDAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

N. F.P. No. 8 of T.P.S. 18 situated at Saherkotada, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 16-1-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s Mathures Corporation; Through: Partner: Babubhai Dashiathlel Patel; 111, Sarkiwad, Sarangpur, Ahmedread.

(Transferor)

(2) Shri Ashokkumar Ratanlal; Himalaya Park, Navrangpura, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A shop No. 20 on ground floor standing on land admeasuring 14.40 sq. mts. bearing P.P. No. 8 of T.P. S. No. 18, situated at Saherkotada, Ahmedabad and as fully described in the saledeed registered vide Registration No. 1335 dated 16-1-1980.

S. N. MANDAL

Competent Authority

mmissioner of Income-tax.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 18-8-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I I 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,

AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 1st September 1980

Ref. No. P.R. No. 985 Acq. 23-II/80-81—Whereas, I S. N. MANDAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Nondh No. 1210 Wd. No. 5, Haripura Main Road, situated at Surat.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 29-1-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Executor of Shri Harilal Shivshanker Raval;
 - 1. Jagdishchandra Harilal Raval;
 - Puspagauri Harilal;
 Haripura Main Road, Surat.

(Transferor)

 1. Shri Bipinchandra Hiralal Ghadiali ; Haripura, Bhavanivad, Surat.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this nonce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Nondh No. 1210, Wd. No. 5, Haripura Main Road, Surat duly registered on 29-1-1980 at Surat.

S. N. MANDAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 1-9-1980.

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-J1 2ND FLOOR

HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 1st September 1980

Ref. No. P.R. No. 988 Acq. 23-II/80-81,—Whereas, I, S. N. MANDAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 228/1 & 229/1 paiki Plot No. 24 and 24/1 situated at Vijalpore Road, Vijalpore, Navsari

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Navsari on 16-1-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Ast, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

19---266 GI/80

Shri Kanjibhai Govindji Patel;
 Shri Ramaniklai Kanjibhai Patel;
 Ram Society, Navsari.

(Transferor)

(2) President: Shri Babubhai Punabhai Patel; Secretary: Shri Manibhai Vasanji Vira; Adarsh Coop. Housing Society Ltd., Vijalpur, Navsari.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at S. No. 228/1 & 229/1 paiki Plot No. 24 & 24/1, situated at Vijalpur Road, Vijalpur, Navsari, duly registered at Navsari on 16-1-1980.

S. N. MANDAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 1-9-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQISITION RANGE II, 2ND FLOOR HANDLOOM QOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380 009, the 1st September 1980

Ref. No. P.R. No. 987 Acq. 23-II/80-81—Whereas, I, S.N. MANDAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Sur No. 33 land situated at Ali, Bharuch

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

at Bharuch on 24-1-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Partners of Narayan Estate;

- Punambhai Davjibhai Prajapati—self & P.S. Hoder Nos. 2 to 5.
- 2. Manjulabon Ravjibhai Prajapati ;

Padmaben Kanaiyalal Patel;
 Bharatibe Jitendra Shah;

 Purnimaben Jayant Kumar Panchal; Gujarat Housing Board, B. No. 341 Broach.

(Transferor)(s)

 1. Dhalman : Shri Abdulrahim Rasulkesor Bhatti C/o Shrijinagar Coop, Housing Society; Hafij Manzil, Ali, Disivad, Bharuch.

(Transferce)(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Ali, S. No. 33, duly registered at Bharuch dated 24-1-1980.

S.N. MANDAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II, Ahmedabd

Dato: 1-9-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 1st September 1980

Ref. No. P.R. No. 986 Acq. 23-II/80-81—Whereas, I, S. N. MANDAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

S. No. 11 2, Kanbivasa, Bharuch situated at Bharuch (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer Bharuch on 10-1-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 296-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Manilal Bhagvandas Patel; Ali, Kachhivad, Bharuch.

(Transferor)

(2) Shri Jagidshbhai Mohanbhai ; Chanavalani Chawl, Behind O.N.G.C. Dispensary; Bharuch.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Kanbivasa, Bharuch, bearing S. No. 11/2 duly registered on 10-1-1980 at Bharuch.

S. N. MANDAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 1-9-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 1st Septembr, 1980

Ref. No. P.R. No. 989 Acq. 23-II/80-81—Whereas, I, S.N. MANDAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sur No. 11/2 land situated at Kanbiyasa, Broach

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred und—the Registration—1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Broach on 10-1-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferand/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Srl Manilal Bhagvandas Patel; Ali, Kachhiavad, Broach.

(Transferor)

(2) Shri Ambalal Balubhai Patel; Punit Co-op. Housing Society; B.No. 17, Broach.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Intometax Act 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Kanbivasa, Broach, bearing S. No. 11/2 duly registered at Broach on 10-1-1980.

S.N. MANDAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ahmedabad.

Date: 1-9-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, HANDLOOM HOUSF, ASHRAM RAOD AHMEDASAD

Ahmedabad-380 009 the 1st September 1980

Ref. No. P.R. No. 984, Acq. 23-II/80-81—Wherea, I, S.N. MANDAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

S. No. 3253—Hissa No. 5 situated at Lakhavad Patti area, Near Vaishalee Cinema, Nadiad,

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nadiad in January, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Jyotindra Suryakant Patel & others; Near Lakhavad Chora, Nadiad.

(Transferor)

(2) Maheshwarinagar Coop Housing Society Ltd., Through: Chief Promoter: Jagdishchandra Mohanlal Shah; C/o. Pushkar & Co. Land Organisers; Sardar Bhavan, Near Statue. Nadiad.

(Transfree)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land bearing S. No. 3253, Hissa No. 5, in the Lakhavad Patti area, T.P.S. No. 1, Nadiad and fully described as per sale deed No. 6, registered in the office of Sub-Registrar, Nadiad in the month of January, 1980.

S.N. MANDAL
Competent Authority,
Inspecting asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II, Ahmedabad.

Date: 1st Septmber, 1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

> OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND ELOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM RAOD AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009 the 3rd September 1980

Ref. No. P.R. No. 1161, Acq. 23-I/80-81-Whereas, I, S. N. MANDAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that

the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

No. Muni 1017/57, Plot No. 82, situated at Hospital Road, Bhui

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908 in the office of the Registering Officer at Bhuj on 10-1-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922 or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) 1. Shri Parbhat Shamaji Bhudia ;
 - Shri Karasan Shamaji Bhudia;
 Shri Kanaji Shamaji Bhudia;
 Shri Govind Shamaji Bhudia; Nawawas, Madhapar, Kutch Bhuj,

(Transferors)

Sonara Mahmad Adam Ishak, Jakhau Bundar; Adbasa Taluke, Kutch Bhuj.

(Transferes)

(3) 1. Dr. Jagadish H. Mehta;
2. Dr. Atul Shivlal Jani;
3. Shri Ramanlal Vallabhbhai;

4. Dena Bank, Bhuj.

(person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

A building standing on land admeasuring 444-4-0 sq. yds. bearing plot No. 82, Muni No. 1017/57 situated at Hospital Road, Bhuj and as fully described in the sale deed registered vide Registration No. 48 dated 101-1980.

S.N. MANDAL

Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 3-9-1980.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009 the 1st September, 1980

Ref. No. P.R. No. 1162 Acq. 23/I/80-81---Whereas, I, S.N. MANDAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 454-P, 450-P and 441-1 and Plot No. 180 and 181/J Situated at G.I.D.. C. Industrial Township, Naroda, Ahmedabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad on 22-1-1980

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons; namely:—

(1) M/s Bhagwati Industries, Plot No. 180, Naroda Industrial Township, Naroda, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) M/s Karma Rice Mill; C/o Manoharlal Ramchand; Parsi Chawl, Opp. Maskati Market; Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the a rvice of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Property comprises of industrial shed and office block standing on land admeasuring 10404 sq. mts. bearing R.S. No. 454-P, 450-P and 441-1, and Plot No. 180-181/1 of G.I.D.C. Industrial Township situated at Village Naroda, Distt. Ahmedabad and as fully described in the sale-deed registered vide Regn. No. 1746 dated 22-1-1980.

S.N. MANDAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisiton Range I, Ahmedabad.

Date: 1-9-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 1st September 1980

Ref. P.R. No. 1163 Acq. 23-I/80-81—Whereas, I, S.N. MANDAL

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No Industrial Bidg. Now known as R. R. Sheet Industries situated at Gondal Road, Near Octroi Naka,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 21-1-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Shashikant Hirjibhai Sinroja; Gondal Road, Rajkot.

(Transferor)

(2) Shri Ramniklal Bhanjibhai Patel; 3, Bhaktinagar Station Plot, Rajkot.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building known as R.R. Sheet Industries, standing on land 570-8-36 sq. yds., situated at Gondal Road, Near Octroi Naka, Rajkot, duly registered by Registering Officer, Rajkot vide sale deed No. 341/21-1-1980 i.e. property as fully described therein.

S. N. MANDAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I, Ahmedabad.

Date: 1-9-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR

> HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 1st September 1980

Ref. No. P.R. No. 1164 Acq. 23-1/80-81.—Whereas, I, S. N. MANDAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Lat No. 179 paiki situated at Bhakhu Bhajipara, Stn. Plot, Ambawadi Road, Dhoraji

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dhoraji on 16-1-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:---20-266GI/80

(1) 1. Shri A. Sattar Jisab Gafuli : 2. Fatmabai A. Karim, Both at Police Line, Dhoraji,

Distt. Rajkot.

(Transferor)

(2) Smt. Shantaben Mohanlal Kuneriya; Bhakhubhajipara, Station Plot, Ambawadi Road, Dhoraji.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building standing on land admeasuring 775 sq. yds. bearing Lat No. 179 paiki, situated at Bhakhubhajipara, Station Plot, Ambawadi Road, Dhoraji, duly registered by Registering Officer, Dhoraji vide sale-deed No. 22/16-1-80 i.e. property as fully described therein.

> S. N. MANDAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Ahmedabad

Date: 1-9-1980,

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 1st September 1980

Ref. No. P.R. No. 1165 Acq. 23-J/80-81,--- Whereas, I, S. N. MANDAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov able property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 448 paiki Plot No. 14 paiki land situated at 20, Jagnath Plot. Raikot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 24-1-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Rasiklal Mohanlal Vora; Digvijay, Road, Rajkot.

(Transferor)

(2) Smt. Diwaliben Narshibhai; 43, Prahlad Plot, Rajkot.

. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot bearing S. No. 448 paiki Plot No. 14 paiki land admeasuring 206-2-0 sq. yds. situated at 20, Jagnath Plot, Rajkot, duly registered by Registering Officer, Rajkot vide sale deed No. 435 dated 24-1-1980 i.e. property as fully described therein.

S. N. MANDAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 1-9-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-[I 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 9th September 1980

Ref. No. P.R. No. 990 Acq. 23-II/80-81—Whereas, I, MANGI LAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Survey T. No. 80 S. No. 3442 & 3448 situated at Apex Soda Factory, Kagdiwad, Navsari

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Navsari on 21-1-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Girdharlal Tribhovandas of Ramanand Kot; Ice Bungalow, Ahmedabad.
 - 2. Rameshchandra Ganpatram Engineer;
 - 3. Pareshbhai Ganpatram Engineer;
 - Niranjan Ganpatram Engineer;
 P.A. Holder of No. 2 & 3, Shivaji Park, Radhasadan C-side, Bombay.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Shabirbhai Ismailbhai;
 - 2. Shri Ismailbhai Abdulbhai;
 - 3. Rashidaben Shabirbhai and guardian of Tasnim, Kagdiwad, Navsari.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property known as "Apex Soda Fectory" Kagdiwad, Navsari duly registered on 21-1-1980.

MANGI LAL
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 9-9-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009 the 9th September 1980

Ref. No. P.R. No. 991 Acq. 23-II 80-81—Whereas, I, Mangi Lal.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

C.T.S. No. 8. S. No. 3442 to 3448 situated at Apex Soda Factory, Kagdiwad, Navsari.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Navsari on 21-1-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1 Girdharlal Tribhovandas of Ahmedabad.
 - Niranjanbhai Ganpatram Engineer self and Attoryen of Rameshchandra Ganpatram Engineer;
 - Pareshbhai Ganpatram Engineer, Shivaji Park, Radhasadan C-Side, Bombay.

(Transferor)

Shabirbhai Ismailbhai;
 Ismailbhai Abdulbhai;
 Kagdiwad, Navsari.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property knows as "Apex Soda Factory" situzted at Kagdiwad, Navsari duly registered on 21-1-1980.

Mangi Lal,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, 2nd Floor Handloom House,
Ashram Road Ahmedabad-380009.

Date:11-8-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009 the 9th September 1980

Ref. No. P·R. No. 992 Acq. 23-II 80-81-- Whereas, I, MANGI LAI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Survey No. 34, Unit No. 3, House No. 6 situated at Vijay Park Society, Lunsi Kui, Navsari.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908). in the office of the Registering Officer Navsari on 10-1-1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Vinodrai Chhotubhai Desai;
 Smt. Vidulaben Vinodrai Deasai;
 Lunsi Kul, Vijay Park Society,
 Navsari.

(Transferor)

(2) Shri Vasant Namdev Pawar; G.G. Chawl, Madhumati, Naysari.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Vijay Park Society, Lunsikni Navsari, House No. 6, duly registered on 10-1-1980.

MANGI LAL,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Dato: 9-9-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380 009 the 9th September 1980

Ref. No. P.R. No. 1166/Acq. 23-I 80-81—Whereas, I, MANGI LAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. F. P. No. 548/5 of T.P. S. 3 situated at Chhadavad, Ellisbridge, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Ahmedabad on 23-1-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Dineshbhai Trikamlal Sutaria; Sutaria Building, Pritamnagar, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Siddhachakra Cooperative Housing Society, 66, Shantlsadan Estate, Laldarwaja, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A building standing on land admeasuring 218 sq. yds, bearing F.P. No. 548/5, of T.P.S. 3, situated at Chhadavad, Ahmedabad and as fully described in the sale deed registered vide Regn. No. 1821 datd 23-1-1980.

MANGI LAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax
Acquisition Range-I, Ahmedabad,

Date: 9-9-1980,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II,

2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380 009, the 9th September 1980

Ref. No. P.R. No. 1167/Acq. 23-I 80-81--Whereas, I, MANGI LAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. F.P. 548/5 of T.P. S. No. 3 situated at Chhadavad, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 23-1-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shantaben Ambalal Sutaria; Sutaria Building, Pritamnagar, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Siddhachakra Cooperative Housing Society Ltd., 66, Shantiniketan Estate, Lal Darwaja, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A property standing on land admeasuring 109 sq. yds. bearing F.P. No. 548/5 of T.P.S. No. 3 situated at Chhadavad. Ahmedabad and as fully described in the sale-deed registered vide Regn. No. 1825 dated 23-1-1980.

MANGI LAL, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Ahmedghed.

Date: 9-9-1980

FORM TINS-

 Shri Bhadresh Ambalal Sutariya; Sutaria Building, titamnagar, Ahmedabad.

(Transferor)(s)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) Siddhachakra Coop Housing Society, Ltd.,
 Shantisadan Estate, Laldarwaja,
 Ahmedabad.

(Transferee)(s)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANLOOM HOUSE, ASHRAM ROOD AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009 the 9th September 1980

Ref. P.R. No. 1168 Acq. 23-1/80-81---Whereas, I, MANGI LAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. F.P. No. 548 5 of T.P.S. No. 3, situated at Chhadayad, Ahmedabad,

(and more fully described in the Schedulc annexed hercto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad on 23-1-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A building standing on land admeasuring 109 sq. yds bearing F.P. No. 548/5 of T.P. S. No. 3, situated at Chhadavad, Ahmedabad and as fully described in the sale deed registered vide Regn. No. 1824 dated 23-1-1980.

MANGI LAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I, Ahmedabad,

Date: 9-9-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I HANDLOOM, HOUSE, ASHRHM ROAD AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 9th September 1980

Ref. No. P.R. No. 1169 Acq. 23-I/80-81—Whereas, I MANGI LAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. F.P. 548/5 of T.P.S. 3, situated at Chhadavad, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 23-1-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

21-266GI/80

 Shri Ajltbhai Trikamlal Sutaria; Sutaria Building, Pritamnagar, Ellisbridge, Ahmedabad.

(Transferor (8)

(2) Siddhach kra Coop Housing Society Ltd., 66, Shantisadan Estate, Lalde awaia

Lald: rwaja, Ahmedabad.

(Transferee) (s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A building standing on land admeasuring 218 sq. yds. bearing F.P. No. 548/5 of T.P.S. No. 3 situated at Chhadavad, Ahmedabad and as fully described in the sale-deed registered vide Regn. No. 1820 dated 23-1-1980.

MANGI LAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I, Ahmedabad.

Date ; 9-9-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) Shri Narendrabhai, Trikamlal Sutaria; Sutaria Building, Pritamnagar, Ellisbridge, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Siddhchakra Coop Housing Society Ltd., 66-Shantisadan Estate, Lalderwaja, Ahmedabad.

(Transfree)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM AHMEDABAD-3800009,

Ahmedabad-380 009, the 9th September 1980

Ref. P.R. No. 1170 Acq. 23-I/80-81—Whereas, I MANGI LAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

F.P. No. 548/5 of T.P.S. 3 situated at Chhadavad, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 23-1-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) Facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the wealth Tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issued of this notice hereby subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) By any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:—
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have in the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A building standing on land admeasuring 218 sq. yds, bearing F.P. No. 548/5 of T.P.S. No. 3 situated at Chhadavad, Ahmedabad and as fully described in the sale deed registered vide Regn. No. 1822 dated 23-1-1980.

MANGI LAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 9-9-1980,

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR HANDLOOM
HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 9th September 1980

Ref. No. P.R. No. 1171 Acq. 23-1/80-81— Whereas, I, MANGI LAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

F.P. No. 548/5 of TPS No. 3 situated at Chhadavad, Ahmeda-bad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad on 23-1-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Prafulbhai Trikamlal Sutaria ; Suteria Building, Pritamnagar, Ellisbridge, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Siddhachakra Coop. Housing Society Ltd., 66, Shantisadan Estate, Lal Di rwaja, Abmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A building standing on land admeasuring 218 sq. yds bearing F.P. No· 548/5 of T.P.S. No. 3, situated at Chhadevad, Ahmedabad and as fully described in the sale deed registered vide Regn. No. 1823 dated 23-1-1980.

MANGI LAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 9-9-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 12th September 1980

Ref. P.R. No. 1172 Acq. 23-I/80-81.—Whereas, I, MANGI LAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 1 G 4 Plot No 16-B Plan No. 2, situated at Opp. Pratap Vilas on Palace Road, Jamnagar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jamnagar on 8-1-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Shrl Prabhudas Hirachand Premani ; Nr. Pratap Vilas, Jamnagar.

(Transferor)

Shri Govindbhai Bhagwanji Parmar;
 Opp. Pratap Vilas,
 Jamnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot of land adm. 5728 sq. feet bearing S. No. 1/G/4, Plot No. 16B of Plan No. 2, situated Opp. Pratap Vilas Palace Jamnagar, duly registered by registering Officer, Jamnagar vide sale deed No. 51/8-80, i.e. property as fully described therein.

MANGI LAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 12-9-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009 the 12th September 1980

Ref. No. P.R. No. 993 Acq. 23-II/80--81.—Whereas, I MANGI LAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 1091 and 1092, R.S No. 276/2 situated at Balajipura area, Opp. Krishna Talkies

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda in January 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforcsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Indirakumari Karansinghji Chandrasinghji; Near Krishna Tilkies, R.V. Desai Road, Baroda.

(Transferor)

 Abhar Construction Co., Through Partner Bhailab; ai Jesinghbhai Patel; Opp. Krishna Talkies, R.V. Desal Road, Baroda,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land situated on the opposite side of Krishna Talkies in the Balajipura area of Baroda, City, bearing S. No. 1091 and 1092 and R.S. No. 276/2 and as fully described as per sale deed No. 40 registered in the office of Sub-Registrar, Earcda in January, 1980.

MANGI LAL.
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 12-9-1980

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITON RANGE-II,

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009 the 12th September 1980

Ref. No. P.R. No. 994 Acq. 23-II/80-81 :-- Whereas, I MANGI LAL,

being the competent authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plots 4 and 5 situated at Vithal Udyog nagar, Near Vallabh Vidyanagar,

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anand in January 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- Manjulaben wife of Patel Avavindbhai Chunibhai Bin Parshottamdas;
 Power of Attorney Holder: Patel Harshadbhai Jashbhai
 - Patel Shardaben Harshadbhai;
 Behind Kala Kendra, Vallabh Vidyanagar.

(Transferor)

(2) Bhagwandas Manjibhai Mistry; Shanti Pole, Vallabh Vidyanagar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing plot Nos. 4 and 5 situated in the Vithal Udyogragar and as fully described in the sale deed No. 54 registered in the office of Sub-Registrar, Anand in January, 1980.

MANGI LAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IJ, Ahmedabad.

Date: 12-9-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II, BOMBAY

Bombay, the 25th August 1980

Ref. No. ARII/2936.9/Feb. 80—Whereas, I, A.H. TAJALE, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'suid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

C.T.S. No. 20 & Sub-Divides

Plot No. 3 S. No. 75A (Pt) & 75 (Pt) situated at Juhu (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer

at Bombay on 4-2-1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Smt. Sarala Jaychand Sheth Sunjoy Dairy Farm, Shri Mahesh M. Doctor, Mrs. Sushila R. Mohta.

(Transferor)

(2) Mrs. Chandrabalaben M. Doctor, Shri Chandrakant S. Nagarsheth Trustees of the Doctor Family Trust. (Transferee)

Objections, if any, to the Acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in deed No. S-558/79 and Registered on 4-2-1980 with Sub-Registrar of Bombay.

A. H. TAJALE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 25-8-1980

(1) Shri Girish K. Munshi

(Transferor)

(2) M/s Godrej Soaps Ltd.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE 2, BOMBAY

Bombay, the 29th August 1980

Ref. No. II/2955-6/Mr 80—Whereas, I A. H. TAJALE being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No 75A(pt.) S. No. 75(Pt) Sub-divided Plot No. 1, C.T.S. No. 22 situated at Juhu

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Bombay on 31-3-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act.

Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. S 557/79 and registered with the Sub-registrar, Bombay, on 31-3-1980

A.H. TAJALE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II, Bombay

Date 29-8-1980. Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II, BOMBAY

Bombay, the 29th August 1980

Ref. No. AR-II/2964-2/Fcb. 80- Whereas, I, A.H. TAJALL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No S. No. 377(C) (pt.) Hissa No. 1 & 2 situated at Santacruz (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 5-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
22—266GI/80

 Shri Vanmalidas Hirachand Shah & Sat. Hansaben Jayantilal Mehta and M/s Kusumkant (Bom. Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Santacruz Triveniz Co-op. Housing. Soc. Ltd.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 1981/63 and registered on 5-4-1980 with the Sub-registrar, Bombay.

A.H. TAJALE
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range II, Bombay

Date : 29-8-1980

(1) Shri Mansukhlal Maganlal Vora Shri Vadilal Maganlal Vora

(Transferor)

(Transferee)

MOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE III, BOMBAY

Bombay the 3rd September 1980

Ref. No. AR-111/AP 351/80-81—Whereas, I A.H. 'TAJALE being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 1000, Plot No. 1163 situated at Muland

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 16-1-1980 Document No.R-3606/72

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid vacceds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

Objections, if any, the the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(2) The Navsurya Prabha Co-op. Housing Soc. Ltd.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The Schedule as mentioned in the registered deed No. R-3606/72 and as registered on 16-1-1980/Bom with the Sub-registrar, Bombay.

A. H. TAJALE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 3-9-1980.

(1) Smt. Kalawati

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, 57, RAM TIRATH MARG, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 11th August, 1980

Ref. No. GIR. No. R-148/Acq.—Whereas I, A. S. BISEN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. One house situated at Mohall-Gadariyan, Station Road, Najibabad, Bijnore, Najibabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Nazjibabad on 22-1-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) (1) Shri Rais Ahmad Khan (2) Smt. Rafat Fatma

(Transferce)

(3) Transferees and tenants

(Person in occupation of the property)

(Person (4) Tenants:

1) Smt. Santosh Kumari

(2) Shri Ramesh

(3) Shri Suresh Chandra

(4) Shri Mohal Lal

[Person whom the undersinged knows to be intrested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

One house situate at Mohalla-Gadariyan Station Road, Najibabad, Binnore, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 157 which have duly been registered at the office of the Sub-Registrar, Najibabad, on 22-1-1980.

A. S. BISEN
Competed Authority
Inspecting Assistant Commissioner of income-tax.
Acquisition Range, Lucknow

Date : 11-8-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, 57, RAM TIRATH MARG,

Lucknow, the 11th July, 1980

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Ref. No. GIR No.P-80/Acq. – Whereas, J. A. S. BISEN being the competent authority under Section 269 B of the Income Tax Act. 1961 (43 of 1961) (herein after referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 113-D, Civil Station, Allahabad and H. No. 23-D(old) 35 (New) situated at Thornill Road, Allahabad (and more fully described in the Schedule annexed here to) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Allahabad on 31-3-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) (1) Pratap Kumar Badhwar

(2) Pradeep Badhwar

(Transferor)

(2) (1) Sharad Kumar Varshney

(2) Manoj Kumar

(Fransferee)

(3) Seller & Sri B.K. Srivastava (Tenant)

[Person in occupation of the property]

(4) Soller

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(1) Building known as 23-D old, New No. 35 Thornhill Road Allahabad and (2) Plot No. 113-P, Civil Station, Allahabad, area—3002 sq. yard and 2510 sq. mtrs and all that description of the property which is mentioned in the sale-deed and Form 37-G No. 1470 which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Allahabad, on 31-3-1980.

A. S. BISEN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Accquisition Range, Lucknow

Date: 11-7-1980.

(1) Shri Ved Kumari Arora

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Manorama Khanna

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 57, Ramtirth Marg, LUCKNOW

Lucknow, the 22nd August 1980

Ref. No. GIR No. M-115/Acq.—Whereas I A.S. BISEN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act' have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Piot B-929, Area 5508 sq. ft. situated at Mahanagar Housing Scheme, Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Lucknow on 18-2-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hardly initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A vacant plot of land measuring 5508 sq. ft. situated at Mahanagar Housing Scheme, Mahanagar, Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in Form 37G No. 1013 and the sale deed which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Lucknow, on 18-2-1980

A. S. BISEN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Date - 22-8-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57 RAM TIRTH MARG LUCKNOW

Lucknow, the 1st September 1980

Ref. No. GIR No. M-116/Acq.—Whoreas I A.S. BISEN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No Plot 14 land measuring 140 48 sq. metres situated at Mohlla Sarai Khalsa, Civil Lines, Moradabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Morada bad on 29-2-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) (1) Smt, Sarla Wahi
 - (2) Rakesh Wahi,
 - (3) Sharad Wahi,
 - (4) M mju Wahi
 - (5) Alka Wahi,

(Transferors)

- (2) (1) Smt Madhuri Devi.
 - (2) Shri Kailash Nath Agarwal

(Transferees)

(3) Above sellers

(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Und measuring 14-48 sq. meters under Plot No. 14 situate at Mohalla Sarai Khalsa, Civil Lines, Moradabad, and all that description of the property which is mentioned in form 37-G No. 425/80 and the sale deed which have duly been registered at the office of the Sub-Registrar, Moradabad, on 29-2-1980]

A. S. BISEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Lucknow

Date: 1-9-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOMF-TAX, ACQUISITIN RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 12th Soptember, 1980

GIR No. S-193/Acq.-- Whereas, I A.S. BISEN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 11, Mahatma Gandhi Marg, Lucknow situated at Lucknow

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 9-1-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

- 1. (1) Maj General Enaith Habibullah
 - (2) Sheikh Ali Bahadur Habibullah (through Maj. Gen. F. Habibullah constituted attorney of serial no. 2 above)

Both above sons of Shiekh Mohammad Habibullah. (Transferor)

- 2. (1) Shri C.B. Lal S/o Shri Rasik Behari Lal
 - (2) Shrimati Sant Kumari w/o Shri C.B. Lal
 - (3) Master Rohit
 - (4) Master Mudit
 - (5) Master Shobit Minor sons of Shri C.B. Lal and Smt. Sant Kumari through their guardian, Shri C.B. Lal all R/o No. 4, Valmiki Marg, Lucknow.
 - (6) Shri Sharawan Kamar Gupta s/o Lala Baldeo Prasad
 - (7) Smt, Karuna Gupta W/o Shri Sharawan Kumar Gupta
 - (8) Master Ram Anuj
 - (9) Master Balram Anuj.

Minor sons of Shri Sharawan Kumar Gupta and Smt. Karuna Gupta through their guardian Shri Sharawan Kumar Gupta.

- All R/o Mohalla Dhakwa, P. O. Oel, Distt. Lakhimpur Kheri.
- (10) Shri Ram Kishoro Gupta S/o L/18 Baldeo Prasad.
- (11) Smt. Munni Gupta W/o Shri Ram Kishore Gupta.
- (12) Shri Anil Kumar Gupta S/o Shri Ram Kishore Gupta.
- (13) Smt. Uma Gupta W/o Shri Anil Kumar Gupta.
- (14) Master Bharat Kumar Gupta, minor S/o Shri Anil Kumar Gupta and Smt, Uma Gupta through his legal guardian Shri Anil Kumar Gupta All R/o 54 Subhash Marg, Lucknow.
- (15) Shri Ashok Kumar Gupta S/o Lala Baldeo Prasad Gupta.
- (16) Smt. Pushpa Gupta W/o Shri Ashok Kumar Gupta.
- (17) Master Ram Manuj minor S/o Shri Ashok Kumar Gupta and Smt. Pushpa Gupta through his guardian Shri Ashok Kumar Gupta.
 All R/o 54, Subhash Marg, Lucknow.
- (18) Shri Kesri Kumar Gupta S/o Lala Baldeo Prasad.
- (19) Smt. Prem Lata Gupta W/o I ala Baldco Prasad Gupta
- (20) Master Vijai Kumar Gupta.
- (21) Master Ajai Kumar Gupta alias Ram Charan Gupta minor sons of Shri Kesri Kumar Gupta and Smt. Premlata through their guardian, Shri Kesri Kumar Gupta.
 All R/o Mohalla Dhakwa, P.O. Oel, Distt. Lakhimpur Kheri. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building and land. Parcel of land measuring 2078 44 sq. mes. of the plan of Estate No. 11, Mahatma Gandhi Marg, Lucknow and all that property which is mentioned in the sale deed and Form 37-G No. 3936/80 which have duly been registered in the Office of the Sub-Registrar Lucknow on 9-1-1980

A. S. BISEN

Competent Authority
Inspecting asstt. Commissioner of Income-lax,
Acquisition Range, I ucknow

Date: 12-9-1980.

(1) Shri Harinam Singh s/o Dilipati r/o Timare, Parg, Orai, Distt. Jalaun

(2) Shri Prabhu Dayal and Pratap Singh s/o Shri Nathuram

r/o Kusamalia, Parg: Orai, Distt. Jalaun

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-'TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 6th August, 1980

Ref. No. 13/Acq/79-80/Jalaun---Wherea, I BC. Chaturvedi

being the Cometent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market v lue exceeding Rs. 25,000/-

number as per Schedule situated at as per schedule

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Orai (Jalaun) on 9-1-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liad d.t, of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269 of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An Agricultural Land situated at Mauja : Timare, Parg Orai, Distt. Jahun which was sold for Rs. 24,000/-.

B.C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Kanpur

Date: 6-8-1980.

Seal ;

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Akshaya Kumar Jain S/o Late lala Sunder Lal Jain r/o Moh: Purani Tehsil Roorkee, Distt. Saharanpur.

(Transferee)

(2) Shri Chuni Lal s/o Shri Roohi Ram R/o Kaptan Majari, Post : Sadhora, Teh : Naraingarh, Distt. Ambala.

(Transferor)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 2nd August 1980

Ref. N_0 1716/A/R₀₀rkee/79-80- Whereas, I B.C, CHATURVEDI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/-and bearing

No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908) (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Roorkee on 23-1-190

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following sersons, namely:—

23-226 GI/80

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chater XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One Ahata bearing No. 252, measuring 1/2 part of total area 1955sq.Ft., situated in Purani Tehsil Roorkee, Distt. Saharanpur which was sold for Rs. 35,000/-.

B.C. CHATURVEDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Kanpur

Date: 2-8-1980,

Sea! ;

Form ITNS-----

 Shri Akshaya Kumar Jain s/o Late Lala Sunder Lal Jain R/o Purani Tehsil Roorkee, Distt. Saharanpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Shakuntala Rani w/o Khushiram R/o Ram Nagar Colony near Roorkee Hydle Sub-Station Roorkee, Distt Sharanpur

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 2nd August 1980

Ref. No. 1717-A/Roorkee/79-80---Whereas, I, B.C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sa'd Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

at Roorkee on 23-1-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property is aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One Ahata bearing no. 252, measuring 1/2 part of total area 1955 sq. ft., situated at Purani Tohsil Roorkee, Distt. Saharan-pur which was sold for Rs. 35,000/-.

B.C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date ; 2-8-1980

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur the 2nd August, 1980

Ref. No. 1623-A/Devband/79-80—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI.

being the competent authority under Section 269 B of the Income Tax Act 1961 (43 of 1961) (herein after referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

As per Schedule situated at As per Schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Devband on 14-1-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or the assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the putposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Abdul Sattar /so Shri Liyakat Hussain Abdul Kalam S/o Abdul Sattar. r/o Devband Moh: Takan Parg: Khas Distt. Saharanpur (Transferor)
- (2) Shri Braj Bhooshan and Ram Sharan s/o Krishna Lal r/o Vill: Bahedi, Distt. Muzaffarnagar Present Address: Moh: Takan No. 10/272 & 273 Distt. Saharanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One House Property bearing No. 10/272 & 273, situated at Moh: Takan, Kasba: Devband, Distt. Scharanpur which was sold for Rs.40,000/-.

B. C. CHATURVEDI,

Competent Authority,
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax,
Acquestion Range, Kampur

Date: 2-8-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur the 12th August,1980

Ref. No. 1797-Λ/Hardwar/79—80—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing.

number as per Schedule situated at as per Schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hardwar on 28-1-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Lala Keshav R. m. Agarwal. S/o Shri Ash. R. m. Pushpendra Kumar and Ved Kumar. S/o Shri Keshav. Ram R/o 28, Right Gani, Ghaziabad.

(Transferor)

(2) Sardar Harjit Singh, Gajendra Singh and Bhajan Singh S/o Shri Sant Singh, Jitendra Pal Singh s/o Herjit Singh r/o Ambala Road, Saharanpur.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property in question is a piece of Land bearing Khasara No. 673, 674, and 675 measuring 49898 Sq. ft. situated at Vill: Ahmedpur near Hardwar Roorkee Road, Jwalapur, Distt. Saharanpur, which was sold for Rs. 2,00,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Kanpur

Date: 12-8-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 12th August, 1980

Ref. No. TRNo. 883/Acq/Aligarh/79-80 · Whereas I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing number as per Schedule situated as per schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Aligarh on 28-1-1980

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) S/Shri Raghubir Prasad Gupta s/o Shri Rai Bahadur Seth Sheo Prasad Self and Power of attorney Smt. Kastoori Devi, Shantidevi, Suresh Gupta self and Minor son Shri Ashok Gupta and Ravendra Gupta and Shri Harigovind r/o Mohalla: Ghuria Bagh, Aligarh.

(Transferor)

(2) Shri Rajendra Kumar Varshney s/o Late Shri Babulalji r/o 9/3, Katra, Aligarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

One house Property bearing No. 9/75, measuring 294-12 Sq. Mtrs. situated at Mohalla: Chippeti, Modikhen, Aligarh which was sold for Rs. 45,000/-.

B.C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date: 12-8-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 12th August 1980

Ref. No. 958/Acq/Farrakhabad/79-80—Whereas, I, .B.C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. As per Scholule. Stuted to esper Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Farrakhabad on 2-2-1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Aot, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Ram K. ur w/o Sri Ram Lal and Amrik Lal s/o Ram Lal r/o Garhi Kohna, Farrakhabad.

(Transferor)

(2) Smt. Pramila Chhabra widow of Late Sri Mohanlal, Railway Road, Farrakhabad.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A House property measuring 410 sq. Mtrs. and another property measuring 445 sq. yeds. situated at Mauja: Garhi Navab Nyamat Khan, barrakhabad which was self for Rs. 50,000/-.

B.C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date: 12-8-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 5th September 1980

Ref. No. 1750-A/Meerut/79-80—— Whereas, I, B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

No. As per schedule situated at as per Schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut on 23-1-1980.

for an apparent consideration which is less than the

fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer we agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets, which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Smt. Krishna Murti w/o Late Sri Shashi Chand and Kailash Chand, Naresh Chandra, Dinesh Chandra and Yogendra Chandra Sharma s/o Late Sri Shashi Chand r/o Brahmpuri, Meerut.

(Transferors)

(2) Shailendra Tyagi and Satyendra Tyagi s/o Shii M.S Tyagi r/o Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A House Property with Plot bearing No. 44 measuring 2,000 Sq. Yds, situated at Saket, Meerut which was sold for Rs. 1,60,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range Kanpur

Date: 5-9-1980

City.

FORM ITNS (1) Smt. Pushn Lata alias. Cushna

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(Transferor)

(2) Shri N rendra Kumar M: h: jan s/o Shri Charan Dass
r/o 154/5, Devi Nagar, Suraj Kund Ro; d, Meetut

(1) Smt. Pushp Lata alias Tushpa Devi w/o Sri Krishna Gopal r/o 35/25, Mohalla : Dalampras, Meerut

(Transferce)

PART III—SEC. 1

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 5th September 1980

Ref. No. 1764-A/Mecrut/79-80-Whereas, I. B. C. CHATURVEDI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

number as Per Schedule situated at as per Schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meeruton 18-1-80

for art apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of the income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period ed 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A House Property bearing No. 175 (Old No. 174), measuring 365 Sq. Yds, situated at Ram Bagh Suraj Kunad Road, Meerut City which was sold for Rs. 37,500/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Deto: 5-9-1980,

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

AQUISTION RANGE KANPUR

Kunpur, tho 14 August 1980

Ref. No. 1657-A/Gbaziabad/79-80—Whereas B., C. CHATURVEDI.

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

and bearing number as Per Schedule situated at as Per Schedu (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dadri on 14-1-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating at the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
24—266 GI/80

(1) Shri Mool Chandra, Sarni and Ram Saran s/o Shri Nainoo and Likhiram s/o Shashiram r/o Ghonjha Tilaptabad, Tch: Dadri, Distt: Ghaziabad.

(Transferor)

(2) Shri Dharmpratishanam Banglore, E-9, Defence Colony, New Delbi.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesteld persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in Chapter.

THE SCHEDULE

An Agricultural Land bearing No. and measuring 61/4H3, revenue for R₈. 21 ·45 yearly situated at Ghenjha Tilaptabad, Teh. Dadri, Distt: Ghaziabad.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Kanpur

Dato: 14-8-1980

Form ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISTION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 14th August 1980

Ref. No. 1659-A/Ghaziabi d/79-80-Wherers I, R. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

and begging number As Per Schedule situated at its Per Schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Dadri on 14-1-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afroesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—-

(1) Shri Moose Duli Khan, Kasam s/o Ajimulla, Ajmeri s/o Chhatre, Alla Raji s/o Shamsheri r/e Ghenjha Tilaptabad, Teh: Dadri, Distt. Ghaziabad.

(Transferor)

(2) Shri Dharmpratisthanam Bangloic, E-9, Defence Colony, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An Agricultural Land bearing No. and measuring 56/1113 revenue for Rs. 7:60 yearly situated at Genjha Tileptt bid, Teh. Dadri, Distt: Graziabud which was sold for Rs. 16,830/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Income-tax, Acquisition
Range, Kanpur

Date ; 14-8-1980. Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

THE INSPECTING ASSISTANT COAD

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISTION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 14 August 1980

Ref. No. 1658-A/Ghaziabad/79-80—Whereas I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

number as per Schedule situated at as per Schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dadri on 14-1-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Moose Duli Khan, Kasams/o Ajimulla 1/o Genjha Tilaptabad, Teh: Dadri, Distt. Ghaziabad. (Transferor)
 - (Trans(cror)
- (2) Dharmpratisthanam Banglore, E-9, Defence Colony, New Delhi, throuth Saint sheregil.

 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An Agricultural Land bearing No. and measuring 62/41111, revenue for Rs. 22-20 yearly, situated at Genjah Tilaptobad Teh: Dadri, Disti: Ghazirbad which was sold for Rs. 48,960/-

B. C. CHATURVEDI)

Completent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquirition Range,
Knopur

Date: 14-8-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 14 August 1980

Ref. No. 1620 /Devband/79-80-Whereas I, B. C. CHATURVEDI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

numl er as per Schedule situated at as per Schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Saharanpur on 10-1-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Shyam Singh s/o Chowdhari Asa Ram r/o Tikon kothi near Civil Hospital, Sahararpur.

(Transferor)

(2) Shri Girza Singh s/o Nasib Singh r/o Vill: Nathera Khurd, Post: Biraun Behda, Parg: and Teh: Devband, Distt: Sabaranpur.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An Open Plot bearing No. 228, measuring 1500 Sq. Yds., situated at Khanc-Alampura near Gandhi Ashram, Railway Fatak, Saharanpur City which was sold for Rs. 45,000/-

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Kanpur

Date: 14-8-80

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 16th August 1980

Ref. No. 1695-A/K: npur/79-80 —Wheree's I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 28-1-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Shyam Kanta Soth w/o Sh Rem Neth Soth r/o H. No. 14/102-A, Civil Lines, Kanpur.

(Transferor)

(2) Shri Randhir Singh, Ranjit Singh and Amar Singh S/o Baboo Ram r/o Jajuipur, Teh: & Distt: Kanpur, (Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An Agricultural Land bearing No. 141 mersuring 16111) + 12, situated at Vill: Senia, Parg: & Distt: Kanpur which was sold for Rs. 71,336/-.

B. C. CHATURVEDI Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Kanpur

Date: 16-8-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 14th August, 1980

Ref. No. RAC. No. 1745-A/Mee ut 79-80-Whereas, I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

as per Schedule situated as per Schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at at Mecrut on 29-1-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Atma Ram Jain s/o Shri Roop Chand Jain r/o Ashok Nagar, Allahabad.
- (2) Shri Satpal </o Gckul Chand r/o 842, Baghpat Road, Meerut City.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An Open Plot bearing No. B-8, Khasara No. 1617 measuring 245 Sq. Yds., situated at Kasbar: Meerut City, Moota Kuwan Colony Shambhoo Nagar, Baghpat Read, Meerut City which was sold for Rs. 17,150/-

B. C. CHATURVEDI,

Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Income-tax, Acquisition [Range Kanpur

Date: 14-8-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur the 14th August 1980

Ref. No. 1746-A/Meerut/79-80- Where as I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Sch dule si uated at as per Schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut on 29-1-80

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- Shri Atma Ram Jain s/o Shri Roop Dhandra Jain r/o Ashok Nagar, Allahabad.
- (2) Smt. Sudesh Paul w/o Shri Setpel r/o 842, Baghpat Gate, Meerut. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An Open Plot bearing No. B-8, Khasara No. 1617 measuring 242 Sq. Yds., situated at Kasba: Meerut, Moota Kuwan, Colony Shambhoo Nagar, Baghpat Road, Meerut City, which was 50ld for Rs. 16,940.

B. C. CHATURVEDI,

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Kanpur

Date: 14-8-1980, Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur the 14th August 1980

Ref. No. 1679 A/Gh: ziabad/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No.

as per Schedule situated at As per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dadri on 16-1-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269C of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) S/Shri Ram Bal and Hukam Singh s/o Shri Umrav r/o Genjha Tilaptabad, Teh: Dadri, Distt: Ghaziabad. (Transferor)
- (2) Shri Dharmpratisthnam, Banglore, E-9, Defence Colony, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An Agricultural Land 59/1II/2, revenue for Rs. 7.40, situated at Genjha Tilaptabad Teh: Dadri, Distt: Ghaziabad which was sold for Rs. 16,320/-

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date: 14-8-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 16th August 1980

Ref. No. 1616-A/Baghpat/79-80—Whereas I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable preperty having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

number as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bagpat on 14-1-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

25-266 GI/80

 Shri Sita Ram s/o Bhagmal alias Lalman r/o Jagos Post: Shabga, Parg: Kotana, Teh. Baghpat, Distt: Mecrut.

(Transferor)

(2) Shri Baboo Ramand Om Pal Singh & Mahipal Singh s/o Har Naranain Singh r/o Shabgo, Post. Khas, Parg. Kotana, Teh. Baghpat, Distt. Meerut.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable propery, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

An Agricultural Land bearing Khasara No. 259 met suring 11-14-8, revenue for Rs. 85/- per year, situated at Jagos Bangar,) Parg.: Kotna, Teh. Baghpat, Distt. Meerut, which was sold for Rs. 42,500/-

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Runge, Kanpur

Date - 16 8-1980. Senl:

NOTICE UDDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 16th August 1980

Ref. No. 1632-A/Ghazii bad/79-80—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-; and be ring

number as per Schedule situated at as per Schedule

land more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ghazia bad on 9-1-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (3) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri M/s Mahalaxmi Land & Finance Co. Ltd., C-B Jindal Trust Building, Asaf, Ali Road, New Dolhi, through General Attorncy Shri Asht k Kumar Chhabra s/o Shri Deshrej Chhabra r/o 1 Ring Road, Lajpat Nagar, New Dolhi.

(Transferor)

(2) Shri Tej-ndra Singh Bhatia s/o Shri Pritam Singh Bhatia r/o Third (D)/21-A, Nehru Nagar, Ghe zie bad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice of the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A Plot bearing No. 48, measuring 254-726 Sq. Mtrs. situated at Nehru Nagar and E Plot bearing No. 48-A, measuring 316-330 Sq. Mtrs. situated at Ashok Nagar, Ghazie bed, which was sold for Rs. 41,000/-

B. C. CHATUVERDI

Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Kanpur

Date: 16-8-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 14th August 1980

Ref. No. 1655-A/Ghazia bad/79-80-Where s, J, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

number as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Dadri on 14-1-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I bave reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Jagram (Balig) & Om Prakash (Nabalig) s/c Nathu Vali and Guardian Smt. Rem Pyett (Matler,) Salf and Mathura s/o Kishan r/o Genjha Tilaptabad, Teh: Dadri, Distt: Ghaziabad.

 (Transferor)
- (2) Shri Dharmpratishthanam Banglore, E-9, Detence Colony, New Delbi through Spint Shergil. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An Agricultural Land bearing No. 60/31/2, revenue for Rs. 15.45 yearly situated at Genjha Tilepia bad, Tch: Dadri, Distt: Ghaziabad which was sold for Rs. 34,170/-

B. C. CHATURVEDI Competent Authority Inspecting Asset. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kanpur

Date: 14-8-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 16th August 1980

Ref. No. 1637-A/Meerut/79-80—Wherees 1, B. C, CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B, of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market

value exceeding Rs. 25,000/- and bearing number as Per Schedule situated et as per Schedule

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Meerut on 11-1-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Niwas Gupta s/o Shir Chiranjile1 r/o Kaileshpuri Meerut.

(Transferor)

(2) Shri Kuday Singh s/o Har Pel Sirgh r/o Villi ge; Mubarik pur, Distt. Mecrut.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

On Ahata measuring 600 Sq. Yds., situated at Kaileshpuri, Meerut which was sold for Rs. 24,000

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Kanpur

Date: 16-8-1980.

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Ram Pal, Hukma Singh s/o Umray r/o Genjha Tilaptabad, Teh. Dadri, Distt: Gheziabad.

(Transferor)

(2) Shri Dharmpratisthanam Banglore, E-9, Defence Colony, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 14th August 1980

Rof. No. 1654-A/Ghaziabad/79-80—Whereas 1, B. C. CHATURVEDI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/-and bearing

No. as per Schedule situated at as for Schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at D.dri on 14-1-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

An Agricultural Land bearing No. and measuring 59/1112, revenue yearly for Rs. 7.40, situated at Genjha Tilaptabad, Teh: Dadri, Distt: Ghaziabad which was sold for Rs. 16,320/-

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Kanpur

Date: 14-8-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 30 August 1980

Ref. No. 1772-A/Hapvr/79-80—Whereas I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

number AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEUDLE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hapur on 9-1-80.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other tassets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Kanti Prasad Sharma s/o Shri Bhagwat Prasad Sharma r/o Chahkamal Happa and Askatam s/o Shri Ram Chandra r/o 37, Aarya Nagar, Hapur Mul haram Minjanib Singh Ratan Lal Geenka s/o Shri Tula Ram Goenka r/o 63-D, Calcutta-53 and Shri Modhav Prasad Goenka s/o Shri Kanhaya Lal Geanka r/o Calcutta-40 and Shri Gopal Geenka s/o Munna Lal Goenka & Smt. Gulab Devi Goenka Widow of Shri Devki Nanadan Goenka r/o Calcutta-53.
- (Transferors)
 (2) Shri Rajendra Kumar s/o Shri Suresh Chand r/o
 Moh: Building Nihal Chand Chandi Road, Hapur,,
 Dist: Ghazlabad.

(Transferee,)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A Part of Land measuring 520 Sq. Yds. and 7 Sq. Fts., situated at Mohalla. Pech Khurjewalan Garh Road, Hapur Distt: Ghaziabad which was sold for Rs. 44,266/-.

B. C. CHATURVED
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Kanpur

D +e : 30-8-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 19th August 1980

Rdf. No. 1665-A/Ghaziabad/79-80,--Whereas I, MB. [C CHATURVEDI,

being the competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per Schedule situated at as per Schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dadri on 9-1-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Amrit Sehgels/e Shri Desh Rej Schgel, r/o 8/53, Jangpura Extension, New Delhi

(Transferor

(2) Smt. Bimla Mehra w/o Shri Prakesh Chand Mehra, r/o 2C-A, Rajpura Read, Deihi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A Plot bearing No. 21, Block 'C' measuring 800 Sq. Yards, situated at Kanta Suri Colony, Sector VII, Surya Neger (cf Gheziabad Development Authority), Tehsil Dedri, Distt: Ghaziabad, which was sold for Rs. 60,000/-

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquistion Range-I
Kanpur

Date - 29-8-1980

Soul:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTAN'T COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR Kenpur, the 29th August 1980

Ref. No. 1633-A/Ghaziabad/79-80.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. as per Schedule situated at as per Schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ghaziabed on 9-1-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Mitre Sen Jain s/o Lole Prem Sikh Diss Jiin r/o 144, Ganchi Neger, Gheziebad.

(Transferor)

(2) Smt. Prakashwati w/o Shti Motilal r/o Vikas Nagar, Dehradun, Distt : Dehradun, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

As immovable property City Board No. 141, measuring 405 Sq. Mtrs., situated at Model Town, East Ghazia bad, which was sold for Rs. 45,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Kanpur

Date: 29-8-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-(AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 14th August 1980

Ref. No. 1656-A/Ghaziabad/79-80—Wheraeas I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing number

AS PER SCHEDUIE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at at Dadri on 14-1-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed, the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Jheda r/o Likkhi r/o Genjha Tilaptabad, Teh: Dadri, Distt: Ghaziabad.

(Transferor)

(2) Shri Dharmpratisthanam Banglore, E-9, Defence Colony, New Delhi, through Saint Shergil.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An Agricultural Land bearing No. 53 measuring 2 Bigha and 13 Biswa, situated at Genjha Tilaptabad, Teh: Dadri, Distt: Ghaziabad which was sold for Rs. 27030/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Kanpur

Date: 14-8-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

KANPUR

Kanpur, the 14th August 1980

Ref. No. 1677-A/Dadri/79-80—Whereas I, B. C CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

number AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE fand more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Dadri on 16-1-80.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Mool Chand, Saeni Ram Saran Guardian, Mool Chand Bhai Haqiqi sons of Nahu, Likhi Ram S/o Shish Ram RO Genjha Tilpatabad Teh Dadri Distt Ghaziabad

(Transferor)

(2) Shii Dharm Prtishthanan Bangalore 39 Defence Colony, New Delhi through Sant Sher Gill

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land 61 Lagani Rs. 21-45 situated in 4 11 3

Illpatabad Reh Dadii Distt Ghaziabad

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Kanpur

Date: 14-8-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE. KANPUR

Kanpur, the 5th September 1980

Rof. No. 1655-A/Ghaziabad/79-80—Whereas I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

number as per Schedule situated at as per Schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Garhmukteshwar on 15-1-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shrl M/S Kapli Theatre Garhmukteshwar Regd, Partnership concern through partners Col. Kapil Deo Sharma Reffred s/o Shri Deo Dutta Sharma self and as Mukhtar-am, from Sri Umesh Sharma r/o Satish Building Hippi Tank, Meerut, Sita Ram Sharma s/o Ram Das Sharma, Dinesh s/o Bawari Lal, Basudeo Bhardwaj s/o Ranjoet Singh, r/o Garhmukteshwar, Sonipat, Haryana rospectively.

(Transferor)

(2) M/s Gursaran Palace Delhi through partners Sardar Surendra Singh, Amar Pal Singh s/o Uttam Singh Kablee r/o 10/12 Guru Govind Singh Marg New Delhi.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Chaint Hill known as Kapil Theatre Garhmukteshiwai measuring 2753 Sq. yes.

B. C. CHATURVLDI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometa.
Acquisition Range
Kangta,

Date: 5-9-1980

 Smt. Savitri Goel w/o Shri K. C. Goel r/o Panchsheel Park New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Banas Devi w/o Rameshwar Dayal Goel, 81 Goel Bhawan Rajendra Nagar Meerut City.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 3rd September 1980

Ref No. 1744-A/Meerut/79-80—Whereas I, B. C CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

number as per Schedule situated at as per Schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut in 30-1-80.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. B-7 measuring 1000 Sq. Yds. Aurangshahpur Digeep Ragnao Teh, and Distt. Meerut.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Kanpur

Date: 3-9-1980

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 10th Soptember 1930

Ref. No. 1635-A/Meerut/79-80 - Whereas, I, B. C. CHATURVFDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per Schedule situated at as per Schedule

(and more tully described in the Schedule annexed here'o), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut on 15-1-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to behave that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Vivek Nath Chaudhry, s/o Shii Narendra Nath Chaudhry, r/o Vill. Madhara, Teh : Mawana, Distt. Meerut.

(Transferor)

(2) Smt. Santosh Kumar, w/o Shri Prem Nath Singh, r/o 275, Uttam Batika, Western Kutchery Road, Meerut.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the suid immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

UNPIANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A plot of land in kothi Uttam Batika, situated at Western Kutchery Road, Meerut, sold for Rs. 35,000/-fair market value of which exceeds more than 15% of the apparent consideration.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Kanpur

Date: 10-9-1980

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Swami Hargovind s/o Shyam Lalji r/o Dausamat Brindahan, Teh: & Distt; Mathura.

(1) Smt. Viddyawati Devi w/o Sri Satya Narain r/o

Raman, reti Brindaban, Teh. & Distt: Mathura,

(Transferee)

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE. KANPUR

Kanpur, 10th September, 1980

Rof. No. TR No. 947/Acq/Mathura/79-80—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

number as per Schedulo situated at as per Schedule (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mathura on 11-1-80.

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned --

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot (Land) bearing Khasra No. 116 measuring 1-46 1/2 Acres it means 6000 Sq. Yds. Water Rate No. 535 situated at Brindaban Bangar, Distt; Mathura which was sold for Rs. 125,000/-

B C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range.

Kanpur,

Date: 10-9-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 10th Sept. 1080

Ref. No. TR No. 879/Acq/Agra/79-80—Whereas I, B. C. CHATURVEDJ,

being the Competent Authority under Section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act'),
have reason to believe that the immovable property,
having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
(111) or a) per Schedule situated at as per Schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Agra on 18-1-80

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Brajlal Bhonga Vakil 5/0 Lala Khushi Ram Bhonga r/o Adarsh Nagar Hall Siri Katra, Shahganj, Agra.

(Transferors)

(2) Shri Satya Prakash Sharma s/o Shri Beni Frased Sharma and Shri Rajendra Kungi Sharma s/o Sri Lochan Prasad Sharma r/o Siri Katia Shahganj, Agra.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPIANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A House Property bearing Old No. 1018/1019 and New No. 15/130 situated at Bhogipura Mohal: Meer Sahei Ali Patti Jugal Kishore, Loha Mandi Ward Parg. & Distt: Agra, which was sold for Rs. 65,000/-

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range,
Kanpur

Date: 10-9-1980

Scal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 4th Sept. 1980

Ref. No. TR No. 876/Acq./Hapur/79-80--Whereas, J. B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

number as per Schedule situated at as per Schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Aitmadpur on 18-1-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Chhedi Lal afias Ram Prakash s/o Charan Singh and Mukesh Kumar alias Mukesh s/o Sri Charan Singh r/o Iradat Nagar, Post : Khas, Teh: Khera Garh, Distt Agra

(Transferor)

(2) Shri Inder Singh s/o Sri Madho Singh, Hoti Lal and Dal Chand s/o Sri Hetram, Ram Singh s/o Sri Basti Ram and Brajesh Kumar s/o Lakhmi Chandra and Hari Om s/o Sri Bhagwati Pd 1/o Mauja & Post: Mukhtar, Tch: Aitmadpur, Distt: Agra.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An Agricultural 1 and situated at Mauja: Mukhtar, Post; Mukhtar Teh. Aitmadpur, Distt: Agra which was sold for Rs. 63,000/-

B. C. CHATURVEDI,

Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range,

Kanpur

Date: 4-9-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 10th September 1980

Ref. No. TR No. 882/Acq/Firozabad/79-80—Whereas I. B. C. CHATURVEDI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

number as per Schedule situated at as per Schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Firozabad on 23-1-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
27—266GI/80

 Shri Ram Gopal Mital s/o Lala Gauri Shanker Mital r/o Kitla Station Road, Firozabad.

(Transferor)

(2) Janta Sahkari Grih Nirman Samiti Ltd, Firozabad through Sri Hem Chandra Agarwal. Secretary of above Samiti s/o Sri Rameshwar Dayal r/o Jalsre Road, Kasba: Firozabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Khasra No. 628, measuring 16000 Sq. Fts. situated at Village: Sukhmalpur Nizamabad, Tch: Firozabad, Distt: Agra which was sold for Rs. 40,000/-.

B. C. CHATURVFD_I
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date: 10-9-1980

Form ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 4th September 1980

Ref. No. TR No. 878/Acq/Agra/79-80—Whereas I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to

believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

number as per Schedule situated at as per Schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Agra on 22-1-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Raj Kumar Chhabra s/o Srl Harbans Lalji Chhabra, r/o T-28, Jaipur House Loha Mandi, Agra.

(Transferor)

(2) Shri Viseshwar Lal s/o Sri Jaigopal Dassji and Smt. Shila Devi alias Sheela Rani w/o Sri Viseshwar Lal r/o 88, Nchru Nagar, Agra.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An Open Plot bearing No. 175, Jaipur House Colony, Agra, measuring 572 Sq. Yds., which was sold for Rs.65,000/-.

B. C. CHATURVED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex
Acquisition Range, KANPUR

Date; 4-9-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE

Bihar, Boring Canal Road, Patna-800001

Patna-800001, the 8th August 1980

Ref. No. III/432/Acq/80-81—Whoreas, I, J. Nath, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Ward No. 11 (old) 18 (New) Thana No 4, Plot No. 84, etc. situated at Rajendra Nagar Road No. 2, Patna

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at at Patna on 16-1-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Gopi Krishna Sinha, S/o. Lato Babu Ishwarl Pd. Sinha, At. Congress Maidan, Kadamkuan, Patna-3.

(Transferer)

(2) Shri mati Sushila Devi, w/o. Shri Lalji Prasad, At. Mohalla Jagatnarainlal Road, Kadamkuan, Patna-3. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective parsons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazotte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Land 3 Katha 3 Dhur 13 Dhurki situated at Mohalla Rajendra Nagar Road No 2 Patna more fully described in deed No. 103 dated 16-1-1980 registered with the District Sub-Registrar, Patna.

J. NATH
Competent Authority,
Inspecting Assit. Commission: of Income-tax
Acquisition Range,
Bith r P. tha

Dated 8-8-1980. Seal:

(1) Shrim ti (Dr) Sheela Sharan, W/o. Gopal Sharan, Road No.12, Rajendra Nagar, Patna-16.

(Transferer)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Harnam Das Mankani, S/o. Shri Ishwar Das, Resident of Boring Road, Patna.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, BIHAR, Boring Canal Road, Patna-800001 Patna-800001, the 8th August 1980

Ref. No III433/Acq/80-81-Whereas, I, J. Nath, being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovuble property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Touzi No. 14/805, Khata No. 125, Khesra No. 1061, Ward No. 34, Circle No. 246 etc.

situated at Dugra (Boring Canal Road) Patna

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Patna on 18-1-1980,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Ast, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

3.41 Katha land at Mouza Dujra (Boring Canal Road) Patna more fully described in deed No. 161 dt. 18-1-1980 registered with the D. S.R. Patna.

> J NATH

Competent Authority. Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Pa na

Dated: 8-8-80

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BIHAR
BORING CANAL ROAD, PATNA

Patna-800001, dated 11 Supt 1980

Ref No III 438/Acq/80-81— Whereas, I, J. Nath, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the said Act')

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. 21/2858 (Cha) settlement Plot No. 275 Town Plan Plot No. 70 and 1/2 of 71

situated at Mauza Barmasia Taluk Rohini Taraf Rupsagar Town, Deoghar, (S P)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 17-1-1980,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any meome arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the put poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this no ice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

(1) Sm. Smritikana Mitra, 18/2, Ballygunge Circular Road Calcutta.

(Transferer)

(2) Shri Ram Krishna Agarwala, 2 Basudco Agarwala, 3. Laxminarayan Agarwala, 4 Ratanlal Agarwala, 5 Laht Kumar Agarwala at- Jugsalai, Tatan gar, Bihar

(Fransferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned -

- (a) by any of the aforesail persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetto

EXPIANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning au given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land about 1 Bigha 15 Cottahs 10 Chittacks with Building "Smitt" situated at Mauza Barmossia, Faluk Rohmi, Town, Police station Deoghai (SP) more fully described in deed no 1 303 dated 17-1-80 registered with Instrunce of Registrar Calcutta.

J NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range Bih ii Patna

Dated 11 9-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Acquisition Range, Bihar,

Patria-800001, dated the 11 Scpt. 1980

Ref. No. III-459/Acq/80-81-- Whereas, I, J. NATH, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

bearing Khata No. 69 & 7 Plot No. 1363 and 1262, etc. situated at Mouze Tumadah, P. S. Govindpur Dist-Dhanbad. (and more fully described in the Schedule unnexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 15-1-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the fiability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Beloo Burman of Dhanbad, PO, & P. S. Dhanbad (fransferer)
- (2) M/s Kedia Forging & Engineering Works (P) Ltd of 161/1 Mahatama Gandhi Road, Calcutta.

 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land 1,66 Acres situated at Mouze Turnadaha, P. S. Govindpur Dist-Dhimbad more full described in deed no. 1 283 dated 15-1-80 registered with the Registrar of Insurence of Calcutta.

J. NATH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar,)
Patna

Dated 11-9-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

Acquisition Range Bihar,

Patna-800001, dated 11 Sept. 1980

Ref No III 440 /Acq/80-81-Whereas, I, J. NATH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/ and bearing Holding No 349, Ward No 15, Hazari bagh

situated at Hazaribagh (Malvia Road)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hazambagh on 14-1-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Jitendra Kumar Motilal S/o Late R(1 Saheb Di Narendra Kumar Motilal, of Boddom Bazar, P O Dist. Hazarl-bagh.

(Transferer)

- (2) Smt Henoy Roy W/o Sri Shambhu Nath Roy of Khalasi Mohalla, P O /P S Madhupur, Dist Santhal Pargana, (Transferce)

(3) Shri Kamta Prasad (Tenant) of. Malvia Road P O. (Dist-Hazarıbagh

(Person in occupation of the poperty)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi cation of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building area 566 sq. ft situated at Malvia Road. Hazaribagh more fully described in deed No 154 dated 14-1-80 registered with the District-Sub Registrar, Hazdribagh

> NATH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Bihar, Patna

Dated 11-9-1980 Scal:

NOTICI UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE

Patna-800001, dated the 11 Sept. 1980

Ref No III-411/Acq/80-81— Whereas, I, J NATH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and berning

Touni No 3418 Thana no 348 Khata No 82, & 97 Kesia No 291 292 & 293

situated at Mouza-Mokimpur Begusarai Pargan Balia, Thana and Dist Begusarai,

rand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Begusara, on 5-2-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Bind Ranjan Pd Singh s/o Negeshwar Pd. at Begusarai Pargan -Balliya, P O & P. S Begusarai Dist-Begusarai

(Transferer)

(2) Shii Birendra Pd Singh, Bishambhar Pd Singh S/o Banarsi Pd Singh, At & P O Dih, Pargna Malki P S Barauni Dist-Begusaiai

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land area 2 Katha situated at Mauza Mokimpur Begusara; more fully described in deed no 2143 dated 5-3-80 registered with the District Sub Registerar Begusara;

J NATH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bihar, Patna

Dated 11-9-1980 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BIHAR

Patna-800001, the 11 September 1980

Ref. No. III 442/Acq/80-81—Whereas, I, J. NATH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Touri No. 3418 Thana No. 348 Khata No. 82 & 97 Kasra No. 291, 292 & 293

situated at Mauza Mokimpur Begusarai, Pargna, Balia, Thana Dist. Begus rai.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Begusarai on 5-3-80.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
28—26GI/8

..(1) Shri Proful Ranjan Sinh i s/o Nageshwar Pd. at Begusarai, Pargna—Ballya, P. O. & P. S. Begusar. i, Dist. Begusarai.

(Transferer)

(2) Shri Birendra Pd. Singh & Bishambhar Pd. Singh, s/o Banarshi Pd. Singh. At-Dih, Pargana Malki, P.S. Barauni Dist-Begusara.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land area 2 Katha situated at Mauza Mokimpur Begusarai more fully described in deed no. 2142 dated 5-3-80 registered with the District Sub-Registrar-Begusarai.

J. NATH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Bihar
Patn

Dated: 11-9-1980

Scal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, AC UISITION RANGE, BIHAR

Patnas 300001, the 11th September 1980

Ref. No. III 443/Acq/80-81—Whereas, I, J. NATH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Touzi No. 10084, Thana No. 387, Khata No.

situated at Mauza Makhadumpur, Thana: Silad, Distt. Nalanda.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

- t Nalanda, on dated nil month January, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—
 - (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
 - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely;—

(1) Shri Swami Sitaram Sharanji Maharaj, Follower Late Mahanth Ram Kripal Sharanji Maharaj, Temple Thakur Ramjankiji Laxamankila Ayodhya, P. S. & P. Q. Ayodhya, Distt. Faizabad.

(Transferr)

(2) Shri Kumar Inderjit Singh, S/o. Late Shri Chuannilali At & P. O. Mathar, Distt, Nalanda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land area 6 acres 33 decimals situated at Makhadumpur Nalanda, more fully described in Deed No. 1100; dated January 1980 registered with the District Sub-Registrar, Nalanda.

J. NATH
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Bihar,
Patna

Dated: 11-9-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, PATNA

Patna-800001, the 11th September 1980

Ref. No. III 444/Acq/80-81—Whereas, I, J. NATH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Touzi No. 10084, Thana No. 387, Khata No. 3, 23, & 17 etc;

situated at Mauza Makhadumpur, Thana : Silao, Distt. Nalanda,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Nalanda. on January, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Swami Sitar m Sharanji Maharaj, Follower Late Mahanth Ram Kripal Saranji Maharaj, Templo Thakur Ramjankiji, Lazamkila Ayodhya, P. S. & P. O. Ayodhya, Dt. Faizabad.
 - (Ir n ferer)
- (2) Shri Anil Kumar, S/o Shri Kumar Inderjit Singh, At & P. O. Mat-har, Distt. Nalanda.

 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as givel in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land area 4 acres 21 decimals situated at Makhadumpur, Nalanda more fully described in deed No. 1094; dtd. Januar 1980 registered with the District Sub-Registrar, Nalanda.

J. NATH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Patna

Date: 11-9-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BIHAR

Patna-800001, the 11th September 1980

Ref. No. III 445/Acq/80-81.—Whereas, I, J. NATH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Tousi no. 10084 Thana No. 387 Khata No. 3 etc.

situated at Mouza Magadampur, Thana Silao, Dt. Nalanda. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nalanda on Date Nil Month January 1980

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Swami Sitaram Saranji Maharaj, Follower Late Mahanth Ram Kripal Saranji Maharaj Temple Thakur Ramjanki, Laxmankila Ayodhya, P.S. & Singh, At & P.O. Mathar, Dt. Ualanda. (Transferer)
- (2) Shri Ashitosh Kumar Singh, S/o Kumar Indrajit Singh, At & P. O. Mathar, Dt. Nalnda. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land area 4 acres 84 decimal situated at Magadampur, Nalanda, more fully described in deed no. 1093 dated January, 1980 registered with the District Sub-Registrar, Nalanda.

J. NATH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range, Bihar,
Patna

Dated 11-9-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, PATNA

Patna-800001, the 11th September 1980

Ref. No. III 446/Acq/80-81—Whereas, I, J. NATH, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Touzi No. 10084, Thana No. 387, Khata No. 33 etc. situated at Mauza, Makhdumpur, Thana : Silao, Distt. Nalanda

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nalanda on January, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Swami Sitaram Sharanji Maharaj, Follower Late Mahanth Ram Kripal Sharanji Maharaj, Temple Tha-kur Ramjankiji, Lazamnkila Ayodhya, P. S. & P. O. Ayodhya, Distt. Faizabad.

(Transferer)

(2) Smt. Shanti Singh, W/o Shri Kumar Inderjit Singh, At & P. O. Mathar, P. S. Chanki, Distt. Nalanda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land area 44 acres 64 decimals situated at Makhadumpur, Nalanda, More fully, described in Deed No. 1096, dtd. January, 1980 registered with the District Sub-Registrar, Nelanda

J. NATH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Patna

Dated: 11-9-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,

PATNA

Patna-800001, the 11th September 1980

Ref No. III 447/Acq/80-81—Whereas, I, J. NATH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

M. S. Plot No. 1338, 1339, Ward No. VIIB, situated at Ranchi

(and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ranchi on 23-1-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shrimati Sarat Kumari Sarkar, W/o. Nagender Nath Sarkar, Circular Rd. Mohl Lalpur, PS. Lalpur, Dt. Ranchi.

(Transferor)

(2) Shri Ram Gopal Goenka, S/o Mahadeo Lal Goenka, Circular Road, Ranchi. C/o. Geoneka Paper Udyog, Upper Bazar, Ranchi. (Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'taid Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land 6 Kathas 11 Chataks situated at Circular Road, Ranchi more fully described in deed No. 465 dated 23-1-1980 registered with D.S.R., Ranchi.

J. NATH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Patna

Date: 11-9-1980

Soal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ERNAKULAM

Cochin-682016, the 2nd August 1980

Ref L.C. 418/80-81.—Whereas, I, V. MOHANLAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

situated at Perumbayoor

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Perambavoor on January 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) (1) Smt. Saraswathi Amma, Pallipurathu House, Iringal.
 - (2) Miss. Jayalatha (Minor), Pallipurathu House, Iringal.
 - (3) Miss. Padmakumary (Minor) Pallipurathu House, Iringal.
 - (4) Master Narayana (Minor) Pallipurathu House, Iringal.
 - (5) Master Unnikrishnan (Minor) Pallipurathu House, Iringal.
 - (6) Master Ravindra, Pallipurathu House, Iringal.
 (Transferors)
- (2) (1) Shri Anil Kumar s/o. Ayyappan Nair, Pareth House, Naganchery Via Kottappady, Perumba-woor.
 - (2) Shri Uniikrishnan, s/o Balakrishnan, Injaluth House, Iringal Perumbavoor.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

58 Cents of land with building as per schedule attached to Doc. No. 16/1980.

V. MOHANLAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ernakulam

Dated: 2-8-1980,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OPFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE

Cochin-682016, dated the 20 August 1980

Ref. L.C. 419/80-81.—Whereas, I, V. MOHANLAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing as per schedule

situated at Kadavanthara

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1902), in the office of the Registering Officer at Erankulam. on 15-1-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) G. Santhamma W/o. Sathiyaraj, 29/1381 Chelvannoor Road, Cochin-20.

(Transferor)

(2) Dr. Augustine (34/542 A Tripumithura Road, Dr. Thankamma, Cochin-682020

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

13 cents of land with a building as per schedule attached to doc. No. 53/80 dated 5-1-1980.

V. MOHANLAL
Competent Authority,
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Date: 20-8-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONFR OF INCOMF-TAX, ACQUISITION RANGE,

Cochin-682016, the 10 September 1980

Ref. L. C. 420/80-81- Whereas I, V. R. NAIR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961). (hereinalter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

as per schedule situated at Ernakulam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at at Ernakulam on 10-1-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the afor said property and I have reason to believe that the tair market value of the property as afore aid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of '--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) N. A. K. Haji (for K. A. Abdulkhader & V. M. H-asina) Kailfa Manzil. S. R. M. Road, Cochin-18.

(Transferor)

(2) Mrs. & Mr. George Thomas, Chakkupurackal House, Thalavadi, Ambalapuzha

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

24.649 cents of land with building as per schedule attached to Doc. No. 86/80 dated 10-1-1980

V. R. NAIR
Competent Authority
Inspecting Assit Commissiones of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Date: 10-9-1980

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP-FAX ACF, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

SIONER OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, COCHEN-682016

Cocnin-682016, the 16 September 1980

Ref. No. L. C. 422/80-81—Whereas I, V. R. NAIR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have leason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as possehedule structed at Mamangalam (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Edappally on 2-1-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-and exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby in that proceedings for the acquisition of the atorciand property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mrs. Aleydam's Chertan, Kozhichira. House, 41/2129, Padivattom, Etrakulom.

(Transferor)

(2) Mis. Alice, Wo K. Joy, Thoppil Elanjickal, Kozhipilly Mui, Kothamangalam, Muvattupuzha.

(Transfereo)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Critette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .---The term and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

12-5 conts of $\ln \alpha \, \nu$ th a building as per schedule attached to Doc. No. 11 (0) dated 2-1-80.

V. R NAIR
Competent Authority,
Inspecting Assit Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Cochin

Da(ed 16-9-190) Seal :